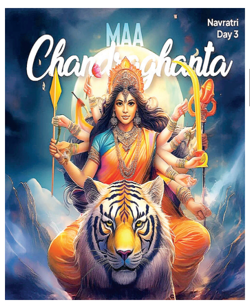

हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● बुधवार ● 24.09.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 62 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

प्रधानमंत्री मोदी कल डब्ल्यूएफआई का करेंगे उद्घाटन

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 सितंबर को दिल्ली में 'विश्व खाद्य भारत 2025' (डब्ल्यूएफआई) के चौथे संस्करण का उद्घाटन करेंगे। यह आयोजन भारत मंडपम में 25 से 28 सितंबर तक होगा। इसे भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा वैश्विक सम्मेलन माना जा रहा है। इसमें 21 से अधिक देश, 21 प्रदेश, 10 केंद्रीय मंत्रालय और 5 संबद्ध सरकारी संगठन के प्रतिनिधि भाग लेंगे। केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने इसकी जानकारी देते हुए मगंलवार को कहा कि डब्ल्यूएफआई केवल व्यापार मेला नहीं, बल्कि भारत को खाद्य नवाचार, निवेश और स्थिरता के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने का परिवर्तनकारी मंच है। उन्होंने इसे भारत की भविष्य-उन्मुख, समावेशी और दीर्घकालिक खाद्य प्रणाली के प्रति प्रतिबद्धता का भी प्रतीक बताया। उन्होंने 'खाद्य प्रसंस्करण की विभिन्न अवधारणाओं पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' नामक एक प्रकाशन का विमोचन भी किया, जिसका उद्देश्य उपभोक्ताओं में वैज्ञानिक समझ और जागरूकता बढ़ाना है। उद्घाटन समारोह में रूस के उप-प्रधानमंत्री दिमित्री पात्रुशेव, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, चिराग पासवान और राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद रहेंगे। डब्ल्यूएफआई में न्यूजीलैंड और सऊदी अरब साझेदार देश होंगे, जबकि जापान, रूस, संयुक्त अरब अमीरात और वियतनाम फोकस देश के रूप में भाग लेंगे। कार्यक्रम में 1700 से अधिक प्रदर्शक, 500 अंतरराष्ट्रीय खरीदार और 100 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसमें 45 से अधिक ज्ञान सत्र, सीएक्सओ गोलमेज बैठकें, वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन, भारत अंतरराष्ट्रीय सीफूड शो और रिवर्स क्रेता-विक्रेता मीट आयोजित होगी।

कल 200 डॉक्टरों को सौंपे जाएंगे नियुक्ति पत्र : इरफान अंसारी

रांची : झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार 25 सितंबर को 200 डॉक्टरों की नियुक्ति करने जा रही है। इसमें 100 स्थायी सरकारी डॉक्टर और 100 अनुबंध पर नियुक्त किए जाने वाले डॉक्टर शामिल होंगे। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मंत्री इरफान अंसारी ने मंगलवार को बताया कि यह अबतक की सबसे बड़ी नियुक्ति प्रक्रिया है, जिसका सीधा लाभ गांव और कस्बों के लोगों को मिलेगा। हाल ही में विभाग ने 91 सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी और 126 संविदा डॉक्टरों की भी नियुक्ति की है। इससे पहले ग्रामीण इलाकों में डॉक्टरों की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाएं बाधित हो रही थीं। मंत्री ने बताया कि राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास हो रहे हैं। अब नए डॉक्टरों को सेवा देने के लिए आवश्यक सुविधाएं और सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, बाहर के राज्यों से भी डॉक्टर झारखंड में सेवा देने के लिए आगे आ रहे हैं। सरकार का मानना है कि इन नियुक्तियों से स्वास्थ्य व्यवस्था में लंबे समय से बनी कमी दूर होगी और गांव से लेकर शहर तक लोगों को बेहतर इलाज उपलब्ध हो सकेगा।

जमीन घोटाले में रांची व दिल्ली के नौ ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कमलेश कुमार सिंह से जुड़े जमीन घोटाले में रांची के छह और दिल्ली के तीन यानी कुल नौ ठिकानों पर मंगलवार को छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि छापेमारी के दौरान समाचार लिखे जाने तक विभिन्न ठिकानों से कुल 25 लाख रुपये नकद जब्त किए गए हैं। इसके अलावा बैंक खाता, जमीन की खरीद बिक्री से संबंधित दस्तावेज और डिजिटल डिवाइस भी जब्त किए गए। इससे पहले कमलेश कुमार सिंह सहित अन्य के खिलाफ ईडी आरोप पत्र दायर कर चुका है।

कांके में सरकारी अधिकारियों से मिलकर जमीन की हेराफेरी के मामले की प्रारंभिक जांच के दौरान ही कांके रिसॉर्ट के बीके सिंह को जमीन के इस कारोबार के गिरोह के सरगना के रूप में चिह्नित किया गया था, जबकि जमीन कारोबार में आरोपित कमलेश कुमार सिंह सहित अन्य को बीके सिंह के सहयोगी के रूप में चिह्नित किया गया था। मामले में पहले से आरोपित कमलेश कुमार सिंह के घर पर छापामारी के दौरान एक करोड़ रुपये नकद और रायफल की गोलियां जब्त की गयी थी। ईडी ने जांच के दौरान जमीन कारोबारियों की ओर से कांके अंचल के अधिकारियों के साथ साजिश रच कर जमीन के दस्तावेज में हेराफेरी करने के दूसरा चरण में 23 अक्टूबर को कुल नौ ठिकानों पर छापा मारा।

ईडी ने छापामारी के दायरे में कांके रिसॉर्ट के बीके सिंह, दुर्गा डेवलपर्स और बीके सिंह से जुड़े लोगों के ठिकानों को शामिल किया है। ईडी ने मंगलवार को छापेमारी के दौरान दुर्गा डेवलपर को भी शामिल किया है। इसका व्यापारिक संबंध बीके सिंह और कमलेश से हैं। दुर्गा डेवलपर्स का गठन दिसंबर 1997 में किया गया था। उस समय कंपनी का शेयर कैपिटल 50 लाख रुपये था। इस कंपनी के प्रबंध निदेशक अनिल कुमार झा हैं। कंपनी में उनके पारिवारिक सदस्य निदेशक के रूप में कार्यरत हैं। निदेशकों की सूची में दुर्गा झा, निलय झा और सुनील झा का नाम शामिल है।

ईडी ने सत्येंद्र जैन से जुड़ी 7.44 करोड़ रुपये की संपत्तियों को किया जब्त

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आय से अधिक संपत्ति के मामले में दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र कुमार जैन से जुड़ी कंपनियों के 7.44 करोड़ रुपये की अचल-संपत्तियों को जब्त कर लिया है। केंद्रीय जांच एजेंसी की यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र कुमार जैन के स्वामित्व और नियंत्रण वाली कंपनियों की 7.44 करोड़ रुपये की अचल-संपत्तियों को अस्थायी रूप से जब्त किया गया है। ईडी ने यह कार्रवाई 15 सितंबर को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की है। ईडी के मुताबिक इस मामले में अब तक कुर्क की गई संपत्तियों का कुल मूल्य 12.25 करोड़ रुपये (लगभग) है। ईडी ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से 24 अगस्त, 2017 में सत्येंद्र जैन, उनकी पत्नी पूनम जैन और अन्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार पर उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि तत्कालीन दिल्ली सरकार के मंत्री ने फरवरी, 2015 से लेकर मई 2017 के बीच आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। सीबीआई ने दिसंबर, 2018 में अपना आरोपपत्र दाखिल किया। इससे पहले 31 मार्च, 2022 को ईडी ने इसी मामले में 4.81 करोड़ रुपये की संपत्ति अस्थायी रूप से जब्त की थी।

सीएम से मिले रांची के एसएसपी सिटी एसपी और ट्रैफिक एसपी

रांची : रांची जिले में पोस्टिंग पाने वाले तीन आईपीएस अधिकारी मंगलवार को मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से उनके आवास पर मुलाकात की। इनमें रांची के एसएसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी रांची पारस राणा और ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह शामिल थे। इन आईपीएस अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ देकर उनका अभिनंदन भी किया।

झारखंड मंत्रिपरिषद् की बैठक आज

रांची : झारखंड मंत्रीपरिषद् की बैठक 24 सितंबर को प्रोजेक्ट भवन में होगी। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) की ओर से सूचित किया गया है कि मंत्रिपरिषद् की बैठक अपराह्न 03:00 बजे से होगी। बैठक में सभी विभागों के मंत्री शामिल होंगे। मंत्रिपरिषद् की इस बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसलों पर मुहर लगने की संभावना है।

सीएम गए दिल्ली, सारंडा वन को लेकर कानूनी सलाहकारों से होगा विचार-विमर्श

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को दिल्ली रवाना हुए। जानकारी के मुताबिक, उनके साथ मुख्य सचिव अलका तिवारी और मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार भी दिल्ली गए हैं। माना जा रहा है कि दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री और वरिष्ठ अधिकारी विधि विशेषज्ञों से मुलाकात कर सकते हैं। दरअसल, हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड सरकार को सारंडा वन क्षेत्र को सेंचुरी घोषित नहीं किए जाने पर कड़ी फटकार लगाई थी। न्यायालय ने इस मामले में मुख्य सचिव को 8 अक्टूबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्थिति स्पष्ट करने का आदेश दिया है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि सरकार द्वारा आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें जेल भेजना भी शामिल है। इसी संदर्भ में दिल्ली में कानूनी रणनीति को लेकर विचार-विमर्श की संभावना जताई जा रही है। इधर, राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक बुधवार को निर्धारित है, जिसे ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री के मंगलवार शाम तक रांची लौटने की संभावना है।

झारखंड के कई जिलों में आज और कल भारी वर्षा के आसार, येलो अलर्ट जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड के विभिन्न में 24 और 25 सितंबर को भारी वर्षा होने के आसार हैं। मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद में मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

अभिषेक आनंद ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है, जिसकी वजह से झारखंड के कई जिलों के अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने का अनुमान है। मौसम ने पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां के अलावा इन जिलों से सटे हुए मध्यवर्ती हिस्सों में भी भारी बारिश होने की चेतावनी दी है। इन जिलों में कुछ जगहों पर बादल गरजने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और आकाशीय बिजली गिरने का भी अनुमान है। मौसम विभाग ने इन जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश धनबाद जिले के पुटकी में 80.2 मिलीमीटर दर्ज की गई, जबकि रांची में 30 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई।

पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 36.6 डिग्री और सबसे कम तापमान लातेहार में 21 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। मंगलवार को रांची में अधिकतम तापमान 30.8 डिग्री, जमशेदपुर में 33.2 डिग्री, डाल्टनगंज में 34 डिग्री, बोकारो में 34.1 डिग्री, चाईबासा में 34.2 डिग्री, खूंटी में 33.2 डिग्री, लोहरदगा में 29.1 डिग्री, गढ़वा में 33.1 डिग्री, सरायकेला में 32.9 डिग्री, गोड्डा में 34.6 डिग्री, लातेहार में 27.6 डिग्री और पाकुड़ में अधिकतम तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

23 माह बाद सीतापुर जेल से हुई आजम खान की रिहाई, समर्थकों ने किया जोरदार स्वागत

एजेंसी

सीतापुर : समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता आजम खान को आखिरकार 23 महीने बाद सीतापुर जेल से रिहाई मिल गई। मंगलवार को जैसे ही वह जेल से बाहर आए, समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। आजम खान ने जेल से बाहर निकलते ही हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन किया और कहा कि जिस-जिस ने मेरे लिए दुआ की और मदद की मैं सबका शुक्रगुजार हूं।

क्यों थे जेल में आजम खान?

मिली जानकारी के मुताबिक, आजम खान पर कई मामले दर्ज थे, जिनमें जमीन कब्जा, धोखाधड़ी, फर्जी दस्तावेज, और कई अन्य आरोप शामिल थे। उन्हें इन मामलों में लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद जमानत मिली और अब वो बाहर आ गए हैं।

सुरक्षा के बीच निकले, सीधे रामपुर रवाना

आजम खान जब रिहा हुए, उस समय जेल के बाहर भारी पुलिस बल तैनात था। वह सुरक्षा कारणों से मुख्य गेट से ना निकलकर एक दूसरे गेट से बाहर आए। जेल के बाहर उनके बेटे अब्दुल्ला आजम और परिवार के कुछ अन्य सदस्य मौजूद थे। रिहा होते ही आजम खान अपने काफिले के साथ रामपुर के लिए रवाना हो गए। काफिले में पुलिस की गाड़ियां भी थीं और जिन जिलों से वो गुजरे, वहां की पुलिस को पहले ही अलर्ट कर दिया गया था।

अखिलेश यादव ने जताई खुशी, कहा - 'फर्जी मुकदमे वापस होंगे'

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने आजम खान की रिहाई पर खुशी जताते हुए कहा कि हम कोर्ट का धन्यवाद करते हैं, हमें पूरा भरोसा था कि आजम साहब को न्याय मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि अगर हमारी सरकार बनी तो आजम खान और अन्य समाजवादियों पर लगे सारे फर्जी मुकदमे वापस ले लिए जाएंगे।

पुलिस समझाती रहीं, न मानने पर किया 73 गाड़ियों का चालान

आजम खां के बाहर आते ही पुलिसकर्मी कड़ी सुरक्षा में उनके वाहन को लेकर आगे बढ़े। समर्थकों व स्थानीय निवासियों का हुजूम उनकी एक झलक पाने को बेताब नजर आया। पुलिस समझाती रही, लाठियां फटकारती रही लेकिन लोग नहीं माने। मजबूरन पुलिस ने नो पार्किंग में खड़े 73 वाहनों का चालान किया। करीब एक लाख 49 हजार रुपये का चालान किया गया।

एक दशक में स्टार्टअप्स में 380 फीसदी की वृद्धि, भारत बना दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम : अमित शाह

देश में आज 1.92 लाख से अधिक स्टार्टअप्स और 120 से ज्यादा यूनिकॉर्न हैं, जिनकी कुल वैल्यू 350 बिलियन डॉलर से भी अधिक

एजेंसी

गांधीनगर : केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को गांधीनगर में 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव-2025' का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह कॉन्क्लेव प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी के माइंड टू मार्केट के विचार को साकार करने का मंच साबित होगा। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में पिछले एक दशक में स्टार्टअप्स की संख्या में 380 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर के साथ आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम और डिजिटल इकोसिस्टम बन गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गांधीनगर के महात्मा मंदिर में आयोजित दो दिवसीय 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव और एग्जिबिशन-2025' का मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में शुभारंभ के बाद विभिन्न स्टार्टअप स्टॉल्स का अवलोकन कर उद्यमियों से संवाद किया। साथ ही उन्हें प्रोत्साहित भी किया। देश के युवा उद्यमियों को स्टार्टअप क्षेत्र में आई क्रांति का श्रेय देते हुए केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में केवल 500 के आसपास स्टार्टअप्स और मात्र चार यूनिकॉर्न थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं में छिपी क्षमताओं को सामने लाने के लिए कि गए प्रोत्साहनों के परिणामस्वरूप आज देश में 1.92 लाख से भी अधिक स्टार्टअप्स और 120 से ज्यादा यूनिकॉर्न सक्रिय हैं, जिनकी कुल वैल्यू 350 बिलियन डॉलर से भी अधिक है। परिणामस्वरूप आज भारत का युवा जॉब सीकर नहीं, बल्कि जॉब गीवर बन रहा है। उन्होंने निवेशकों और उद्योगपतियों से युवाओं की इस क्षमता का लाभ उठाने की भी अपील की।

स्टार्टअप कॉन्क्लेव के इस दूसरे संस्करण के बारे में उन्होंने कहा कि लगातार दो दिन चलने वाले इस कॉन्क्लेव में भारत को हर क्षेत्र में सर्वोच्च बनाने और हर नागरिक के जीवन में समयानुकूल परिवर्तन लाने के लिए चिंतन और विचार-विमर्श के जरिए सात सत्रों में समस्याओं का समाधान खोजा जाएगा। वर्ष 2023 में स्टार्टअप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण की सफलता के बाद यह दूसरा संस्करण देश और प्रदेश के उज्वल भविष्य निर्माण में और अधिक सहायक सिद्ध होगा।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में भारत 91वें स्थान पर था, जो प्रधानमंत्री की निर्णायक और दूरदर्शी नीतियों के परिणामस्वरूप हाल ही में जारी वर्ष 2025 के ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में सीधे 38वें स्थान पर पहुंचा है, जो युवाओं में छिपी क्षमता को दर्शाता है। युवाओं की इसी क्षमता को प्रोत्साहित कर आने वाले तीन वर्षों में भारत को ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स में शीर्ष 10 देशों में स्थान दिलाने में भी यह कॉन्क्लेव महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

रातभर की बारिश ने डुबोया कोलकाता पांच लोगों की मौत, जनजीवन ठप

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता और उसके आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए हैं। सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक हुई रिकॉर्डतोड़ बारिश ने पूरे महानगर को जलमग्न कर दिया। गलियों से लेकर मुख्य सड़कों तक पानी भर गया, रेल और मेट्रो सेवाएं प्रभावित हो गईं, हवाई उड़ानें लेट या रद्द करनी पड़ीं, यहां तक कि पंडाल सजाने का काम भी रुक गया। इस अभूतपूर्व स्थिति से निपटने के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कई अहम घोषणाएं कीं है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार से ही सभी सरकारी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने आधिकारिक आदेश जारी किया है। साथ ही आईसीएसई और सीबीएसई से जुड़े निजी विद्यालयों को भी अगले दो दिन यानी 24 और 25 सितंबर तक बंद रखने का अनुरोध किया गया है। शिक्षा मंत्री ब्रात्य बसु ने एक्स पर जानकारी दी कि 23, 24 और 25 सितंबर को राज्य के सभी स्कूल और उच्च शिक्षण संस्थान बंद रहेंगे। इस तरह पूजा की छुट्टियां तय समय से तीन दिन पहले ही शुरू हो गई हैं। कोलकाता विश्वविद्यालय ने भी मंगलवार को होने वाली सभी परीक्षाएं रद्द कर दीं और कहा कि नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी।

एक नजर

विधायक ने 100 केवीए ट्रांसफार्मर का किया उद्घाटन

बरही : प्रखंड अंतर्गत पंचमाधव पंचायत के माधोपुर गांव में 100 केवीए के नए ट्रांसफार्मर का उद्घाटन बरही विधायक माननीय मनोज कुमार ने किया।विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि इस ट्रांसफार्मर के लगने से गांव में बिजली आपूर्ति बेहतर होगी और लोगों को बिजली कटौती की समस्या से राहत मिलेगी। इस अवसर पर मौके पर ग्रामीणों ने विधायक का आभार व्यक्त किया और इस पहल को गांव के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, स्थानीय मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप, युवा नेता नागेश कुमार रजक, प्रकाश ठाकुर, हरेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

सांसद व विधायक ने चलाया जीएसटी जागरूकता अभियान

बरही : हजारीबाग सांसद मनीष जयसवाल एवं स्थानीय विधायक मनोज कुमार यादव ने मंगलवार को बरही धनबाद रोड में भाजपा पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी के अगुवाई में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान हाथों में स्वदेशी अपनाने से जुड़ी तख्तियां लिए उन्होंने विभिन्न दुकानदारों से मुलाकात की और दुकानदारों को गुलाब का फूल देकर जीएसटी की नई दरों के अनुरूप समान बेचने और ग्राहकों को इसका लाभ देने की अपील की। इस दौरान सांसद व विधायक ने संयुक्त रूप से कहा कि बीते दिन से देश में जीएसटी बचत उत्सव की शुरूआत हुई है। यह ' वन नेशन ' वन टैक्स ' के सपने को साकार करेगा। साथ ही कहा कि जीएसटी में सुधारों से रोजमर्रा की चीजें सस्ती हुई है और 99 फीसदी वस्तुएं अब 5 परसेंट जीएसटी के दायरे में आ गई है। सांसद मनीष जयसवाल ने विश्वाश जताया कि जीएसटी में हुई सुधार से समाज के सभी वर्गों को फायदा होगा। इसके अलावा भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए स्वदेशी वस्तुओं का अधिकाधिक प्रयोग करें। मौके पर जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, भाजपा प्रदेश नेता रंजीत चंद्रवंशी, चौपारण मुखिया संघ अध्यक्ष बिरेंद्र रजक, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, जिप प्रतिनिधि गणेश यादव, सद्भावना विकास मंच अध्यक्ष राज सिंह चौहान, भुनेश्वर साहू, मोतीलाल चौधरी, भाजपा नेता अंबिका सिंह, सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव, चौपारण पूर्वी मंडल अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी, शिवम कुमार एवं परमेश्वर केशरी समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

बरही अनुमंडलीय अस्पताल में रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

बरही : स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के तहत मंगलवार को अनुमंडलीय अस्पताल बरही में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है । इस शिविर का उद्घाटन डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने किया। मौके पर 14 लोगों ने रक्तवीर बनकर रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों में लेखापाल प्रबंधक गौतम कुमार, भेखराज पासवान, मो शमशाद, मो तसलीम, सोहन पासवान, मो शहाबुद्दीन,मो टीपू कुरैशी, सचिन कुमार यादव, मो जियाउल मुस्तफा, सुजीत कुमार सिंह, रोहित कुमार, चंदन कुमार,संतोष कुमार रजक, अंकुश कुमार शामिल हैं। इस अवसर पर डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी ने कहा कि रक्तदान महादान है । इससे किसी की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने क्षेत्र के सभी लोगों को आभार प्रकट किया है और लोगों से आग्रह किया है रक्तदान बढ़ चढ़ कर करें।

हजारीबाग में आयुर्वेद दिवस पर सांसद मनीष जायसवाल ने पंचकर्म चिकित्सा की शुरूआत की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग में सोमवार को विश्व आयुर्वेद दिवस बड़े ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया। विश्व आयुर्वेद दिवस के मौके पर स्वदेशी चिकित्सा प्रणाली में से एक बेहद कारगर आयुर्वेदिक उपचार में शुमार पंचकर्म विधि चिकित्सा हजारीबाग में शुरू होने से यहां के जरूरतमंद मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद माननीय मनीष जायसवाल शामिल हुए। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुरूआत कराया एवं आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के जनक वेद भगवान धन्वंतरि को स्मरण किया एवं आयुष चिकित्सा से जुड़े चिकित्सा और योग गुरुओं को संबोधित किया। इसी कार्यक्रम से सांसद मनीष जायसवाल ने पंचकर्म चिकित्सा विधि का फीता काटकर विधिवत शुभारंभ भी कराया। यहां पंहुचने पर सांसद मनीष जायसवाल का आयुष विभाग द्वारा फूल माला पहनाकर और अंग-वस्त्र भेंटकर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में आयुर्वेद के महत्व और इसके आधुनिक जीवन में बढ़ते उपयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। मौके पर सांसद मनीष जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद केवल उपचार ही नहीं, बल्कि एक स्वस्थ जीवनशैली का मार्गदर्शन भी करती है। और उपचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उक्त अवसर पर विशेषरूप से जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. एस. एन. तिवारी, जिला नूडल आयुष पदाधिकारी डॉ. आनंद कुमारी शाही, आयुष चिकित्सक डॉ. विजय तिवारी, डॉ.नीरज उपाध्याय, डॉ.राजेश मिश्रा, डॉ. रंजना कुमारी, डॉ.संतोष कुमार, डॉ.रंजीत दांगी, डॉ. शैलेन्द्र कुमार, डॉ.हकीम खान, डॉ.इंदु, डॉ.दीपिका, सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, सुबोध ओझा, भाजपा नेता राजू सिंह, अनिल मिश्रा सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में योग शिक्षक चिकित्सा और आमजन शामिल हुए।

सिंघारव ओवरब्रिज भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा, ओवरब्रिज ढहने से हड़कंप

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : झारखंड के हजारीबाग में राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिंघारव ओवरब्रिज के ढहने से हड़कंप मच गया। कांग्रेस नेता दीपक गुप्ता ने सड़क निर्माण कंपनी राज केशरी और एनएचएआई के परियोजना निदेशक पर गबन और कमीशनखोरी के गंभीर आरोप लगाए। गुप्ता ने कहा कि कंपनी ने एनएचएआई के महानिदेशक की मिलीभगत से घटिया सामग्री का इस्तेमाल करके पुल का निर्माण किया। यह जनता के धन की खुली लूट है। उन्होंने परियोजना में भारी अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की जाँच की माँग की। घटना के बाद, पुल को बंद कर दिया गया, जिससे यातायात बाधित हो गया। स्थानीय लोगों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। एक निवासी ने कहा कि पुल पूरा होने से पहले ही ढह गया, जिससे यात्रियों के लिए खतरा पैदा हो गया। गुप्ता ने राज्य सरकार से तत्काल जाँच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की माँग की, और चेतावनी दी कि यह पूरी एनएच परियोजना में भ्रष्टाचार का प्रमाण है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी कि बरसात के मौसम में ऐसी कमजोरियाँ जानलेवा हो सकती हैं।

सांसद खेल महोत्सव-2025 : बरही में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आगाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल के द्वारा सांसद खेल महोत्सव- 2025 के तहत आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के 20 वां टूर्नामेंट का भव्य आगाज बरही विधानसभा क्षेत्र के बरही स्थित बरही ब्लॉक फुटबॉल मैदान में मंगलवार को हुआ। बरही फुटबॉल मैदान में आयोजित नमो फुटबॉल टूर्नामेंट का विधिवत शुरूआत बतौर मुख्य अतिथि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल और विशिष्ट अतिथि के रूप में बरही विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनोज कुमार यादव ने खिलाडियों से परिचय प्राप्त कर, मशाल जलाकर खेल को बढ़ावा देने का संकल्प लेने के साथ मैदान में आकर्षक नमो जर्सी के साथ सैकड़ों खिलाड़ियों संग मार्च पास्ट करके और फुटबॉल में किक मारकर एवं नशामुक्ति का सामूहिक संकल्प के साथ खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों का उत्साहवर्धन कर किया। इस टूर्नामेंट में बरही प्रखंड क्षेत्र के कुल 32 टीमों ने पंजीकरन कराया है। टूनामेंट का उद्घाटन दोस्ताना मैच बरही पूर्वी बालिका टीम बनाम बरही पश्चिमी बालिका टीम के बीच हुआ। मैदान में टूर्नामेंट के आगाज के अवसर पर शामिल सभी टीमों के खिलाड़ियों के समागम से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा। सामुहिक रूप से राष्ट्र गान के साथ जहां मैदान में देशभक्ति की झलक दिखी वहीं सांसद मनीष जायसवाल द्वारा टूर्नामेंट में शामिल सभी खिलाड़ियों को प्राप्त रंग-बिरंगे आकर्षक नमो जर्सी में लैस होकर मशाल के साथ मार्च पास्ट का दृश्य मनभावन लगा। टूर्नामेंट उद्घाटन से पूर्व सांसद मनीष जायसवाल के यहां पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं और उनके समर्थकों ने गाजे- बाजे के साथ फूल माला पहनकर जबरदस्त स्वागत किया। टूर्नामेंट के उद्घाटन और उद्घाटन मैच को देखने के लिए यहां बड़ी संख्या में भीड़ भी जुटी। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालन संजय दुबे और मुन्ना यादव ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर उपस्थित खिलाड़ी खेलप्रेमी और दर्शकों को संबोधित करते हुए हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि बरही विधानसभा क्षेत्र में नमो फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन की महत्ता बढ़ जाती है क्योंकि यह क्षेत्र तेजी से नशे के गिरफ्त में आ रहा है और समाज में युवाओं को अगर खेल से जोड़ा जाए तो निश्चित रूप से उनका मानसिक संतुलन सकारात्मक होता है और शारीरिक क्षमता भी विकसित होती है जिससे वे नशे से दूर रहते हैं।

रोशन लाल चौधरी का एक ही उद्देश्य है बड़कागांव का विकास : संदीप कुशवाहा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पिछले दिनों लगातार बारिश और बिजली की कड़कड़ आहत होने से मध्य पंचायत के अंबेडकर नगर में लगे 200 केवीए का ट्रांसफार्मर खराब हो गया था इसके बाद यहां के सैकड़ो घरों में अंधेरा छा गया था जिससे बच्चों की पढ़ाई एवं पानी सहित बिजली से संचालित सभी उपकरण बंद हो गए थे। जिसकी सूचना ग्रामीणों के द्वारा बड़कागांव विधायक का रौशन लाल चौधरी को दिया गया। जिस पर विधायक रोशन लाल चौधरी ने तत्परता दिखाते हुए बिजली विभाग से बात करके अंबेडकर नगर को 200 कवि का नया ट्रांसफार्मर दिलवाने का काम किया जिसका विधिवत उद्घाटन मंगलवार को आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य संदीप कुशवाहा ने नारियल फोड़ व काट कर किया। मौके पर आजसू नेता संदीप कुशवाहा ने कहा कि जिस प्रकार से बड़कागांव के एनडीए विधायक रोशन लाल चौधरी के द्वारा बड़गांव विधानसभा क्षेत्र में विकास का काम किया जा रहा है जो काफी सराहनीय है विधायक रोशन लाल चौधरी के समक्ष जो भी विधानसभा क्षेत्र की समस्याएं जाती है उनका समाधान जल्द से जल्द करने का प्रयास करते हैं जो जनता के लिए काफी सुखद है। ट्रांसफार्मर मिलने के बाद अंबेडकर नगर के ग्रामीणों ने विधायक का रोशन लाल चौधरी के प्रति आभार प्रकट किया। मौके पर मुख्य रूप से आजसू पार्टी के आजसू जिला उपाध्यक्ष रवि राम,प्रखंड प्रवक्ता तपेश्वर कुमार तापस, आजसू जिला सहसचिव विनोद राम, रघुनाथ राम,रामेश्वर राम, चेतलाल राम, मुनेश कुमार राम, रवि नाग, रामचंद्र राम, ईश्वरी राम,शिवनाथ राम, संजय राम ,संजय सागर, सुकेश कुमार, सूरज कुमार, राजू कुमार इत्यादि उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केरेडारी में आंखों की जांच और नि:शुल्क चश्मा वितरण

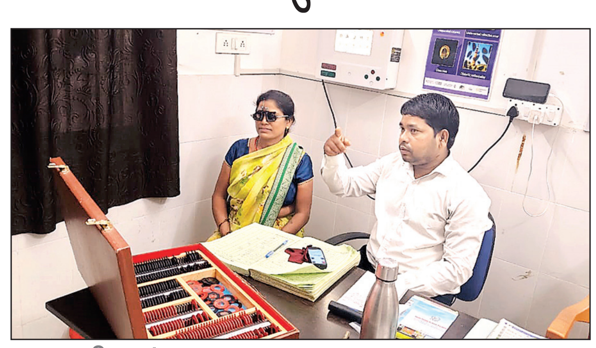

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

केरेडारी : केरेडारी प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में नेत्र जांच विभाग में निःशुल्क जांच किया जाता है। डॉक्टर बिरेंद्र कुमार के द्वारा सोमवार से लेकर शनिवार तक समय 10 बजे से 3 बजे तक चश्मा जांच घर खुला रहता है डॉक्टर वीरेंद्र कुमार के द्वारा बताया गया कि महिला एवं पुरुष जो भी 40 वर्ष से अधिक होंगे। उन व्यक्ति को आंख जांच कर के दूरी एवं नजदीकी पावर देखा जाता है तो नजदीकी वालों को तुरंत चश्मा निशुल्क में दिया जाएगा। केरेडारी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में छोटा से लेकर बड़ा व्यक्ति को आंख जांच किया जाता है डॉक्टर वीरेंद्र कुमार ने बोले की केरेडारी प्रखंड के अंतर्गत जो भी विद्यालय है विद्यालय के छात्र-छात्राओं को अगर आंख से देखने में परेशानी है। तो किरण देवी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आंख जांच करवाइए जांच के उपरांत पावर देखने के बाद छात्र-छात्राओं को निःशुल्क चश्मा दिया जाएगा।

रजत जयंती वर्ष में बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति का भव्य डांडिया महोत्सव सितंबर 27 को

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति के द्वारा सोमवार को पूजा पंडाल परिसर के समक्ष एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता महासमिति के उपाध्यक्ष उदय शंकर गुप्ता ने की। माता रानी के गगनभेदी उद्घोष के साथ बैठक का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर रजत जयंती वर्ष को विशेष बनाने के लिए कई कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया। चर्चा के उपरांत सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 27 सितंबर की संध्या 6:00 बजे से पूजा पंडाल परिसर के समक्ष भव्य माता रानी संग डांडिया महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। समिति की ओर से सुरक्षा और व्यवस्थाओं का पूरा ध्यान रखा गया है ताकि श्रद्धालु और आगंतुक निर्भय होकर इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आनंद ले सकें। इसी क्रम में 26 सितंबर शुक्रवार को पंडाल परिसर में दरिद्र नारायण सेवा का आयोजन किया जाएगा। वहीं सप्तमी के दिन प्रातः 6:00 बजे पूजा पंडाल से भव्य डोली यात्रा निकाली जाएगी, जो बुढ़वा महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना के उपरांत पुनः पंडाल परिसर में लौटकर विधिवत पूजा के साथ सम्पन्न होगी। महासमिति के अध्यक्ष प्रमोद यादव ने कहा कि रजत जयंती वर्ष हमारे लिए गौरव का क्षण है। हम चाहते हैं कि श्रद्धालु माता रानी की भक्ति के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आनंद लें और इस महापर्व को यादगार बनाएं। वहीं महासमिति के सचिव दीप नारायण निषाद ने कहा कि समिति की ओर से सभी कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु उत्तम व्यवस्था की गई है। विशेषकर सुरक्षा और सेवा कार्यों पर विशेष ध्यान दिया गया है ताकि हर श्रद्धालु सुखद अनुभव लेकर लौटे। बड़ा बाजार दुर्गा पूजा महासमिति की यह परंपरा श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह का संगम है, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित है। मौके पर अध्यक्ष प्रमोद यादव, सचिव दीप नारायण निषाद, कोषाध्यक्ष बालगोविंद निषाद, ओम प्रकाश गुप्ता, लखन निषाद, शिवदीप सिंह, प्रदीप जैन, दिलीप जायसवाल, शिवशंकर गुप्ता, गुड्डन सोनकर, शांतिलाल अग्रवाल, पवन खण्डेलवाल, राजेश गुप्ता, प्रमोद खण्डेलवाल, मोहन गुप्ता, प्रकाश सिंह, लक्ष्मण निषाद, रितेश खण्डेलवाल, मनोज गुप्ता, दिलीप सोनी, उपेन्द्र सिन्हा, अर्जुन यादव, राजेश सिन्हा, अनिल मद्धेशिया, पंकज कसेरा, पिकु यादव, अभय निषाद सहित कई लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

कठम्बा में 'आदि कर्मयोगी अभियान' की शुरूआत आदिवासी समुदाय के समग्र विकास पर जोर

चौपारण : बसरिया पंचायत के ग्राम कठम्बा में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आदि कर्मयोगी अभियान की शुरूआत हुई। इस बैठक की अध्यक्षता मुखिया मंजू देवी ने की। कार्यक्रम का उद्देश्य आदिवासी समुदाय को मुख्यधारा से जोड़ना, समग्र विकास सुनिश्चित करना तथा सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति तक पहुँचाना है। बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल, आजीविका, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को लेकर विशेष चर्चा हुई। यह तय किया गया कि अभियान के तहत गांव में जनजागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ योजनाओं के क्रियान्वयन पर कड़ी निगरानी भी रखी जाएगी। बैठक में उपस्थित वनरक्षी, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, प्रधानाध्यापक समेत कई पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने अपने सुझाव दिए और अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस मौके पर मुखिया मंजू देवी ने कहा कि गांव-गांव तक योजनाओं की रोशनी पहुँचाना ही इस अभियान का उद्देश्य है। आदिवासी समाज की उन्नति के बिना समग्र विकास संभव नहीं है।

आरसीपीएल 13 का बरही विधायक मनोज यादव ने किया शुभारंभ

चौपारण : दुर्गा पूजा के पावन अवसर पर हर वर्ष आयोजित होने वाले रामपुर सर्किल प्रीमियर लीग के 13वें संस्करण का भव्य शुभारंभ मंगलवार को हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में शामिल बरही विधायक मनोज यादव ने फीता काटकर और खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। खिलाड़ियों और स्थानीय लोगों को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार का आयोजन खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शन करने का सुनहरा अवसर देता है। उन्होंने आयोजन समिति के बेहतर मैनेजमेंट और शानदार व्यवस्था की प्रशंसा करते हुए उन्हें साधुवाद दिया। विधायक ने टूनार्मेंट को सफल बनाने में योगदान देने वाले सभी प्रायोजकों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया। टूनार्मेंट का उद्घाटन मुकाबला पेटुला और वृंदा की टीमों के बीच खेला गया। जिसमें पेटुला की टीम जीत हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया। विधायक ने टूनार्मेंट में शामिल सभी टीमों के खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और उन्हें खेल को खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया।

चौपारण के प्रसिद्ध समाजसेवी अमल दा का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

चौपारण : चौपारण के सुप्रसिद्ध समाजसेवी एवं स्वास्थ्य सेवाओं में लंबे समय से सक्रिय बंगाली बाबू अमल चटर्जी ऊर्फ अमल दा का मंगलवार को 74 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। अमल दा ने लगभग पाँच दशकों से अधिक समय तक स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नि:स्वार्थ भाव से समाज की सेवा की। वे न केवल लोगों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में हमेशा अग्रणी रहे, बल्कि सामाजिक कार्यों और जनहित की गतिविधियों में भी उनकी गहरी भागीदारी रही। खेलों के प्रति भी उनका विशेष लगाव था। वे फुटबॉल और क्रिकेट के प्रबल संरक्षक रहे और हमेशा युवाओं को खेलों से जुड़ने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते रहे। निधन की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला उनके आवास पहुंचे और परिजनों से मिलकर संवेदना व्यक्त की। उनकी स्मृति में मंगलवार को चौपारण की सभी मेडिकल दुकानों ने दोपहर दो बजे तक दुकानें बंद रखीं और दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अमल दा के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जाना चौपारण के लिए एक अपूरणीय क्षति है। समाज के प्रति उनका समर्पण और त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा बने रहेंगे।

चटकारी गांगो महतो मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का विजेता बना केंदुआ की टीम

चलकुशा : प्रखंड अंतर्गत ग्राम चटकारी में विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर गांगो महतो मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन इस वर्ष भी बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव के सौजन्य से किया गया। प्रतियोगिता में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले का शुभारंभ केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी और विधायक अमित कुमार यादव ने फीता काटकर एवं किक मारकर किया। निर्णायक मैच रेड आर्मी क्लब हजारीबाग और प्रिंस क्लब केंदुआ के बीच खेला गया, जिसमें केंदुआ की टीम ने 0-2 से जीत दर्ज की। विजेता टीम केंदुआ को प्रथम पुरस्कार स्वरूप स्प्लेंडर बाइक और उपविजेता हजारीबाग टीम को सीडी डीलक्स बाइक प्रदान किया गया। पुरस्कार वितरण मंत्री अन्नपूर्णा देवी और विधायक अमित यादव ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर विधायक ने शॉल एवं बुके देकर मंत्री का सम्मान किया। अपने संबोधन में मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि इस तरह के खेल आयोजन से खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है और क्षेत्र के खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंच सकते हैं। वहीं विधायक अमित यादव ने कहा कि खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के लिए यह टूर्नामेंट लगातार कराया जा रहा है। उन्होंने आयोजन समिति के सभी सदस्यों को धन्यवाद दिया।

एक नजर

तिरूपति बालाजी मंदिर की थीम पर रेलवे स्टेशन परिसर में बन रहा दुर्गा पूजा पंडाल

रांची : इस बार राजधानी में दुर्गा पूजा का अनुपम दृश्य देखने को मिलेगा। रेलवे नार्थ दुर्गा पूजा समिति की ओर से इस वर्ष पूजा पंडाल तिरूपति बाला जी मंदिर के साउथ थीम पर सजाया जा रहा है। पंडाल का स्वरूप अद्भुत और भव्य बनाए जा रहे है। पंडाल की 70 फीट ऊंचाई, 49 फीट चौड़ाई और 150 फीट लंबाई है। करीब 50 लाख रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह पंडाल 24 सितंबर तक पूरा हो जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए 25 सितंबरसे पट खोल दिए जाएंगे। सप्तमी, अष्टमी और नवमी पर खिचड़ी, हलुआ, पुलाव, 10 प्रकार के प्रसाद और 5 प्रकार की मिठाइयों का भोग भक्तों में वितरित होगा। मां दुर्गा संग चार देवताओं का प्रतिमाएं होंगी स्थापित पंडाल में इस बार दुर्गा माता के साथ लक्ष्मी, गणेश, कार्तिक और सरस्वती की प्रतिमाएं स्थापित होंगी। पंडाल परिसर के बाहर हनुमान, गणेश, काली समेत 81 देवी-देवताओं की मूर्तियां पंडाल में स्थापित किए जा चुके है,जो श्रद्धालुओ को अपनी ओर आकर्षित करेगा।

रांची के खलारी में पुलिस पर फायरिंग करने वाला गिरफ्तार

रांची : खलारी थाना की पेट्रोलिंग टीम पर फायरिंग करने वाला एक अपराधी गिरफ्तार हुआ है। एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए राहुल दास नाम के अपराधी को गिरफ्तार किया है। जो एक अन्तर्राज्यीय अपराधी गिरोह का सक्रिय सदस्य है। यह गिरोह झारखंड और बिहार के कई जिलों में लूट और डकैती जैसी गंभीर वारदातों को अंजाम दे चुका है। पुलिस की टीम ने राय-बुढ़मू रोड स्थित पाही जंगल के पास से आरोपी राहुल दास को हथियार और जिंदा गोलियों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई सफेद बलेनो कार और बिना नंबर की अपाची मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली। गिरफ्तार आरोपी राहुल दास ने पूछताछ में बताया कि वह एक अन्तर्राज्यीय गिरोह का हिस्सा है, जो झारखंड के रांची, रामगढ़, हजारीबाग, चतरा, गिरिडीह और बिहार के गया समेत कई जिलों में सक्रिय है। वह हाल ही में शेरघाटी जेल से छूटकर आया था और अपने साथियों के साथ इस क्षेत्र में एक और बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था।

नवरात्रि का दूसरा दिन, रांची के पंडालों में भक्तिमय माहौल

रांची: नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से की जा रही है। मान्यता है कि माता ब्रह्मचारिणी तपस्या और आचरण की प्रतीक हैं। भक्त अपने मन को माता के चरणों में एकाग्र कर जप-तप करते हैं। राजधानी रांची में कई पंडालों में कलश स्थापना हो चुकी है, जिससे पूरे शहर का माहौल भक्तिमय हो गया है। हालांकि, कुछ प्रमुख पूजा समितियों में 26 सितम्बर को कलश स्थापना और पट खोले जाएंगे। कोकर दुर्गा पूजा कमिटी का खास आकर्षणकोकर दुर्गा पूजा कमिटी का पंडाल इस बार राजस्थान के शाही महलों से प्रेरित है। पंडाल की ऊंचाई लगभग 70 फीट है और अंदर शीश महल जैसी भव्य सजावट देखने को मिलेगी। राजस्थान की झलक को और जीवंत बनाने के लिए ऊंट और स्थानीय लोगों के पुतले भी लगाए जाएंगे।

त्यौहारों से पहले सड़क चकाचक और स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करें : सुनील कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : नगर विकास एवं आवास विभाग तथा पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने सभी नगर निकायों को पथ निर्माण विभाग से तालमेल कर त्यौहारों के पहले सभी सड़कों को दुरूस्त करने का निर्देष दिया है। कुमार ने यह निर्देश वीडियो कांफ्रेसिंग के जरिये सभी नगर निकायों को दिया। उन्होंने सभी निकायों से एक एक कर बात भी की। प्रधान सचिव ने स्पष्ट रूप से कहा कि श्रद्धालुओं को तकलीफ नहीं होनी चाहिए। ऐसे उपाय किये जायें जिससे सरकार की छवि आमलोगों के बीच अच्छी बनें।प्रधान सचिव ने कहा कि सभी सड़कें उचित स्वरूप में रहने चाहिए। नगर निकास एवं पथ निर्माण

विभाग के साथ मिलकर अभियान चलाकर सड़कों को मोटरेबल बनायें। इसके लिए राज्य की सभी सड़कों को दुरूस्त करने के लिए गैर योजना मद से 250 करोड़ रुपये कार्यपालक अभियंताओं को उपलब्ध करा दिये गये है। वर्षा के मौसम में कोल्ड बिटुमिन का उपयोग करते हुये सड़कें सुदृढ बनायी जायें। प्रधान सचिव ने कहा कि रांची के साथ ही सभी नगर निकायों में स्ट्रीट लाइट, फुटपाथ एवं सड़क का काम बेहतर एवं उच्च गुणवत्ता के साथ होना चाहिए । उन्होने कहा की रांची में सभी पूजा पंडालो तक पहुँच पथ को दुरुस्त किया जाये। इसके साथ ही डिवाइडर की पेंटिंग करायी जाये। सड़कों पर साइनेज एवं जेब्रा पेंटिंग भी होनी चाहिए। डिवाइडर पर लगे वृक्षों को बढिया आकृति दिया जाना चाहिए। श्री कुमार ने कहा कि सिर्फ मुख्य मार्गों पर ही सफाई नहीं करायी जाये बल्कि शहर के भीतरी एवं सुदूरवर्ती इलकों की सड़कों पर विषेष ध्यान दिया जाये। प्रधान सचिव ने कहा कि सभी नगर निकाय सफाई के मामले में अपने स्तर को उंचा उठा सकते है। उन्होंने कहा कि छठ पूजा के लिए तालाबों, नदियों और जलाशयों के आसपास घाट बना कर उनकी सफाई सुनिश्चित करायी जाये। जलस्त्रोतों में डूब वाले क्षेत्र की वेरिकेटिंग भी करायें। दुगार्पूजा के बाद विसर्जन होने जाने पर पूजा सामग्रियों एवं मूर्तियों के अवशेष का उचित ढंग से निस्तारण कराये जायें।त्यौहारों के दौरान सभी स्ट्रीट लाइट और हाईमास्ट लाइट की मरम्मत हारहाल में करायी जाये। फुटपाथ, साइकिल ट्रैक और पार्क का काम वैज्ञानिक ढंग से कराने का भी निर्देष दिया गया। श्री कुमार ने कहा कि सभी नगर निकाय अपने अपने शहर के बस स्टैंड की स्थिति की रिपोर्ट सरकार को जल्द उपलब्ध करायें जिससे उच्च स्तरीय बस स्टैंड का निर्माण कराया जा सके। जहां बस स्टैंड हो और उनके सुधार की जरूरत हो तो उसकी भी रिपोर्ट दी जाये।

रांची में मंत्री से महासम्मेलन प्रतिनिधिमंडल की हुई भेंट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मंगलवार को अंतराष्ट्रीय सुंडी शौंडिक महासम्मेलन के कार्यक्रम को लेकर छत्तीसगढ़ रायपुर से चलकर आए राष्ट्रीय संयोजक शिवरतन प्रसाद गुप्ता जी एवं राष्ट्रीय सह संयोजक एवं झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता बीरेंद्र साहु, मुख्य कार्यक्रम प्रभारी उदय साहु ने केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी से उनके रांची स्थित आवास पर भेंटवार्ता कर महाधिवेशन की विस्तृत जानकारी दी जिसमें माननीय केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी ने अंतराष्ट्रीय सुंडी शौंडिक महासम्मेलन के प्रतिनिधिमंडल एवं आयोजकों को मुलाकात के दौरान आश्वस्त किया है कि वे 14 दिसंबर 2025 दिन रविवार को दिल्ली में अंतराष्ट्रीय सुंडी शौंडिक महासम्मेलन में बतौर विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होगें और माननीय केंद्रीय मंत्री ने शौंडिक सुंडी समाज द्वारा दिए गए आमंत्रण एवं मान सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए सुंडी शौंडिक समाज के उत्थान के लिए हर संभव सहयोग करने की बात कही है। ज्ञात हो कि दिल्ली सुंडी समाज, छत्तीसगढ़ प्रदेश शौंडिक समाज, झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ एवं अखिल भारतीय शौंडिक संघ के संयुक्त आयोजन में दिल्ली स्थित प्यारेलाल भवन में अंतराष्ट्रीय सुंडी शौंडिक महासम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन 14 दिसंबर को कर रही है जिसमें देश विदेश के अनेक स्थानों से सुंडी शौंडिक प्रतिनिधिगण कार्यक्रम में शामिल होने आ रहे हैं।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में राष्ट्रनिर्माण थीम पर कला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सेवा पर्व-2025 के राष्ट्रव्यापी उत्सवों के तहत 'संसद चित्रकला प्रतियोगिता' का आयोजन सरला बिरला पब्लिक स्कूल, रांची में किया गया। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि, माननीय डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा, राज्यसभा सांसद, झारखंड के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस आयोजन का उद्देश्य कला और सृजनशीलता के माध्यम से युवाओं में राष्ट्र-निर्माण की भावना जागृत करना था। 'विकसित भारत' थीम पर आधारित इस प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर, विकसित और डिजिटल भारत की अपनी कल्पना को व्यक्त करने का मंच प्रदान किया। यह पहल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन, वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के अनुरूप आयोजित किया

गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विकसित भारत 2047 के झारखण्ड स्टेट कोर्डिनेटर शशांक राज, भी उपस्थित थे। यह अभियान सेवा, सृजनशीलता और सांस्कृतिक गर्व को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाने के लिए विभिन्न संगठनों और संस्थानों को जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, आरा, राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय, महिलौंग, हंसराज वाधवा हाई स्कूल, नामकुम, राजकीय प्राथमिक विद्यालय बराम, रांची और सरला बिरला पब्लिक स्कूल सहित अनेक विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह आयोजन वास्तव में सहयोगपूर्ण और जीवंत अंतर-विद्यालयी कला उत्सव बन गया। विद्यार्थियों ने 'विकसित भारत, 'आत्मनिर्भर भारत् और डिजिटल इंडिया जैसे विषयों पर अपनी कला-कौशल का प्रदर्शन किया।

रोजगार के मुद्दे पर हेमंत सरकार पार्ट-टू पूरी तरह विफल : प्रतुल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने राज्य की हेमंत सोरेन सरकार पर रोजगार को लेकर हमला बोला है। उन्होंने राज्य सरकार पर युवाओं को छलने और वादाखिलाफी का आरोप भी लगाया। भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह ने एक प्रेस विज्ञप्ति के जरिए कहा कि रोजगार के मुद्दे पर हेमंत सरकार पार्ट-टू पूरी तरह विफल साबित हुई है। चुनाव के समय झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल गठबंधन ने युवाओं से वादा किया था कि अगले पांच साल में 10 लाख सरकारी नौकरी दी जाएगी। घोषणा पत्र में स्पष्ट लिखा था कि सरकार बनने के पहले छह महीने में नियुक्तियों का रोड मैप भी जारी हो

जाएगा, लेकिन आज स्थिति यह है कि यह वादा केवल कागजों और घोषणाओं तक सिमट कर रह गया है। प्रतुल ने कहा कि हेमंत सोरेन पार्ट-टू में अब तक सरकार ने सिर्फ 1556 नियुक्ति पत्र ही बांटे हैं। इसमें भी अधिकांश नियुक्तियां शिक्षा विभाग पदों पर हुई हैं, यानी नौ महीने बीत जाने के बावजूद कुल मिलाकर 1556 नियुक्ति पत्र ही युवाओं को दिए गए हैं। प्रतिशत के आंकड़ों में यह आधा प्रतिशत भी नहीं होता है और सिर्फ 0.15 प्रतिशत का आंकड़ा नौ महीने में पूरा होता दिख रहा है। यह आंकड़ा हेमंत सरकार के 10 लाख नौकरी देने के वादे की तुलना में बेहद शर्मनाक और निराशाजनक है। उन्होंने कहा कि पिछले कार्यकाल में भी हेमंत सोरेन ने 25 लाख नौकरियों का वादा किया था, लेकिन आज तक उस वादे का कोई ठोस हिसाब-किताब जनता को नहीं मिला। झारखंड लोक सेवा आयोग ने भी कई वर्षों की परीक्षाएं एक साथ ली थी। 342 अभ्यर्थियों को सफल भी घोषित किया गया, लेकिन किसी को भी नियुक्ति पत्र अभी तक नहीं मिला है। इसका स्पष्ट कारण सरकार भी नहीं बता रही है।

झारखंड आंदोलन के नायकों को आजसू पार्टी की श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड आंदोलन के पुरोधा स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो की 102वीं जयंती और उनके पुत्र स्वर्गीय राजकिशोर महतो की जयंती पर आजसू पार्टी ने अपने केंद्रीय कार्यालय हरमू में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर 102 दीप प्रज्वलित कर दोनों नेताओं के योगदान को नमन किया गया। इस मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि बिनोद बिहारी महतो ने 'पढ़ो और लड़ो' जैसे नारे के जरिए झारखंड आंदोलन को नई दिशा दी। उन्होंने मजदूर, वंचित और विस्थापित समुदाय को संगठित कर सामाजिक न्याय की मजबूत नींव रखी थी। राजकिशोर महतो के योगदान को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वे अपने पिता के आदर्शों को आगे बढ़ाते हुए सामाजिक चेतना के वाहक बने। सरकार पर

तीखा हमला करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि आज राज्य में जबरन विस्थापन, रोजगार की कमी, सरना धर्म कोड और रळ वर्ग के अधिकारों पर चुप्पी सरकार की असंवेदनशीलता को दशार्ती है। कोटशिला रेल टेका आंदोलन में बंगाल पुलिस द्वारा निदोर्षों पर अत्याचार लोकतंत्र का खुला उल्लंघन है। उन्होंने मीडिया को बताया कि वे पीड़ितों से मिलने जा रहे थे लेकिन बंगाल प्रशासन ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया जो अलोकतांत्रिक कृत्य है। आजसू पार्टी ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

साल भर चलेगा आरएसएस का शताब्दी उत्सव, रांची के 159 स्थानों पर होगा कार्यक्रम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का उत्सव नवरात्रि से शुरू हो गया है। संघ का यह शताब्दी उत्सव साल भर तक चलेगा। इस अवसर पर झारखंड में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रांची महानगर प्रचार प्रमुख स्निग्ध रंजन ने दी। रांची महानगर प्रचार प्रमुख ने बताया कि झारखंड में 2111 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित होंगे। रांची महानगर में 159 स्थानों पर उत्सव मनाया जाएगा। संघ ने झारखंड के सभी मंडलों और बस्तियों में शताब्दी समारोह उत्सव मनाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान स्वयंसेवक घर-घर जाकर लोगों को संघ के कार्यों और उद्देश्यों के बारे में

बताएंगे। 100 वर्ष पूरा होने पर विभिन्न गोष्ठियों, कार्यक्रमों के माध्यम से छोटी-छोटी बस्तियों तक संघ पहुंचेगा।

प्रबुद्ध नागरिकों और समाजसेवियों को जोड़ने की योजना

झारखंड की बस्तियों और मंडलों में होनेवाले कार्यक्रमों में उस क्षेत्र के स्वयंसेवकों के अलावा प्रबुद्ध नागरिकों, समाजसेवियों और प्रभावशाली लोगों को जोड़ने की योजना है। दरअसल, विजयादशमी के दिन संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। रांची महानगर में दो अक्टूबर तक 159 बस्तियों में शताब्दी समारोह उत्सव मनाया जाएगा। इसकी तैयारी पूरी कर ली गई है। विजयादशमी के दिन सरसंघचालक मोहन भागवत नागपुर में स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे।

स्वदेशी के प्रति लोगों को करेंगे प्रोत्साहित

शताब्दी वर्ष में नागरिक कर्तव्य बोध कराना भी संघ की योजना है। एक अच्छे नागरिक होने के नाते जाति और जन्म आधारित भेदभाव से ऊपर उठ कर सामाजिक समरसता को स्थापित करने का हर संभव प्रयास करना है। पर्यावरण संरक्षण और उसके अनुकूल जीवनशैली पर भी जोर दिया जाएगा। कुटुंब प्रबोधन को लेकर विशेष योजना है। सनातन विचार और जीवनशैली को विकसित करते के लिए परिवार कैसे चलाना है परिवार का क्या महत्व है इस पर आम लोगों को गहनता से विचार करने के लिए प्रेरित करना है। जीवन के हर क्षेत्र में विदेशी दासता से मुक्त होकर अपनी भाषा, वेशभूषा और स्वदेशी को प्रोत्साहित करना भी शताब्दी वर्ष की कार्य योजना है।

25 सितंबर को रांची आएंगे सह सरकार्यवाह आलोक कुमार

शताब्दी उत्सव को लेकर 25 सितंबर को आरएसएस के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार रांची में रहेंगे। वे सुबह सात बजे से गांधीनगर के कुरहुट्ट बस्ती में, शाम चार बजे से शिवाजी नगर के हनुमान नगर बस्ती में और शाम सात बजे से विवेकानंद नगर के अशोक नगर बस्ती में आयोजित समारोह में वे शामिल होंगे।

संक्षिप्त खबरें

समर्पण शाखा ने विनीता को चेंबर चुनाव में जीत पर दी बधाई

रांची : समर्पण शाखा की ओर से फेडरेशन ऑफ झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (एफजेसीसीआई) चुनाव 2025 -2026 के परिणाम में पूर्व अध्यक्ष विनीता सिंघानिया को 1686 वोट लाकर तीसरे स्थान पर आने के लिए मंगलवार को बधाई दी गई। इस मौके पर शाखा की ओर से विनीता सिंघानिया को पुष्पगुच्छ और केक दिया गया। साथ ही उमके आगामी कार्यकाल के लिए उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने कहा कि इस जीत से शाखा का नाम रोशन हुआ है। विनीता को इस जीत के लिए बहुत-बहुत बधाई। यह समर्पण शाखा के लिए गौरव का पल है। मौके पर समर्पण शाखा की अध्यक्ष पूजा अग्रवाल, संस्थापक और अध्यक्ष सुमित लाठ, पूर्व अध्यक्ष विनीता विहानी, मीनू अग्रवाल, शुभा अग्रवाल, रितु पोद्दार, वेदिका सिंघानिया और हेमा पोद्दार इस मौके पर उपस्थित थी। यह जानकारी संस्था की मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल ने दी।

जमीन विवाद में बुजुर्ग की हत्या, पुलिस हिरासत में दो आरोपी

रांची: नामकुम थाना क्षेत्र के हाहाप गांव में जमीन विवाद में एक बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की शिनाख्त मंगल मुंडा के रूप में हुई है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार, मंगल मुंडा और गांव के ही कुछ लोगों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था सोमवार की रात दोनों पक्षों के बीच फिर से विवाद हुआ। बात इतनी बढ़ गई कि कुछ लोगों ने लाठी से मंगल मुंडा पर हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल मंगल ने अस्पताल ले जाने के क्रम में रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही नामकुम थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की जांच में जुट गई। थाना प्रभारी ने बताया कि दो लोगों को हिरासत में लिया गया है, उनसे पूछताछ की जा रही है।

झामुमो के इटकी प्रखंड समिति लिए प्रस्तावित नामों पर लगी मुहर

रांची: झारखंड मुक्ति मोर्चा के इटकी प्रखंड समिति गठन करने के लिए मंगलवार को इटकी के त्रिविंधा चौक के पास सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रांची जिला संयोजक मंडली सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने की। इसके साथ ही सर्वसम्मति के साथ झामुमो इटकी प्रखंड समिति के विभिन्न पद के नामों के प्रस्ताव पर सहमति बनी। इसमें अध्यक्ष पद के लिए वसीम इकबाल अंसारी, उपाध्यक्ष पद के लिए रफीक कुरैशी, आशिक इलाही और जॉन सलिल तिर्की, सचिव पद के लिए सिरिल लकड़ा और कोषाध्यक्ष पद के लिए रफीक आलम अंसारी को मनोनित किया गया। मौके पर बताया गया कि उक्त चयनित सभी नामों की सूची को अब झामुमो केन्द्रीय कार्यालय को अग्रेतर कार्रवाई करने के लिए प्रेषित किया जाएगा। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि झामुमो रांची जिला संयोजक मंडली सदस्य धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि सबों को मिलकर सशक्त झामुमो प्रखंड समिति का गठन करना है, ताकि संगठन पंचायत से लेकर जिला स्तर तक मजबूत हो सके। पार्टी से कैसे अधिक से अधिक लोग जुड़ें इसपर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पंचायत और प्रखंड समिति के साथ-साथ सशक्त बूथ कमिटी बनाने पर भी हमें काम करना होगा। सम्मेलन में वसीम इकबाल अंसारी, जमील लकड़ा, रफीक आलम अंसारी, जुबेर अंसारी, गुलजार अंसारी, मो आजाद कुरैशी, इकबाल अंसारी, मो मेराज, रफीक कुरैशी, साहिल अंसारी, मोजाहिद अंसारी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

डीसी के जनता दरबार में प्रमाण पत्र से लेकर दाखिल-खारिज का हुआ त्वरित निपटारा

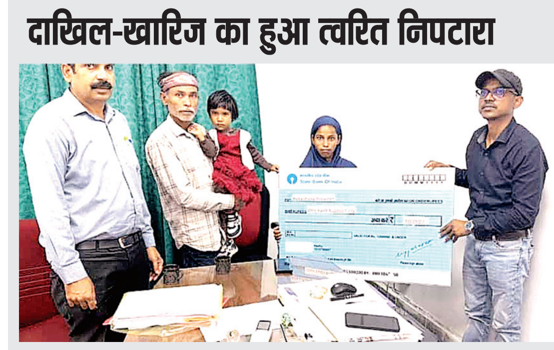

रांची : जिले में आम जनता की समस्याओं का तुरंत समाधान करने के लिए हर मंगलवार जनता दरबार आयोजित किया जा रहा है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिले के सभी अंचलों में अंचल अधिकारी और राजस्व पदाधिकारी मौजूद रहकर लोगों की शिकायतें सुन रहे हैं। आज भी बड़ी संख्या में लोग जनता दरबार पहुंचे। मौके पर ही कई राजस्व और प्रमाण पत्र से जुड़े मामले निपटा दिए गए। इससे लोगों को तुरंत राहत मिली।

पर्व के बीच जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई: मिलावटी घी जब्त

रांची : पर्व-त्योहारों के दौरान आमजन को शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने मिलावटखोरों और नियमों की अनदेखी करने वाले खाद्य कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में मधुकम स्थित एक खाद्य प्रतिष्ठान पर खाद्य सुरक्षा विभाग और सुखदेव नगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान यहां से 42 किलोग्राम संदिग्ध मिलावटी घी जब्त किया गया। साथ ही बिना लाइसेंस चल रहे इस खाद्य कारोबारी की यूनिट को अगले आदेश तक बंद करने का निर्देश भी दिया गया। जब्त नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

एक नजर

बोकारो के धार्मिक स्थलों पर बाल विवाह के खिलाफ अनोखा अभियान

बोकारो : बोकारो जिले में बाल विवाह की कुप्रथा को जड़ से खत्म करने के लिए एक अनूठा और प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत, शहर के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर जागरूकता संदेश वाले बोर्ड लगाए जा रहे हैं, जिनमें बाल विवाह न करने का आह्वान किया गया है। यह पहल जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन नेटवर्क, प्रशासन और सहयोगिनी संस्था के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है, जिसका उद्देश्य धार्मिक नेताओं, पुजारियों और मौलवियों की मदद से समाज में सकारात्मक बदलाव लाना है। सहयोगिनी संस्था के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि उनकी टीम ने जिले के लगभग 30 प्रमुख मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और गिरजाघरों में सूचना बोर्ड लगाए हैं। इन बोर्डों पर स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि बाल विवाह एक कानूनी अपराध है, जिसके लिए दो साल की जेल और 1 लाख का जुमार्ना हो सकता है।
इस पहल में राम मंदिर, गायत्री मंदिर, जगदंबा मंदिर, बहादुरपुर स्थित शिवालय और जैनामोड स्थित दुर्गा मंदिर जैसे कई महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल शामिल हैं। संस्था का मानना है कि धार्मिक स्थलों का इस्तेमाल जागरूकता फैलाने के लिए एक शक्तिशाली माध्यम हो सकता है, क्योंकि लोग इन स्थानों पर श्रद्धा और विश्वास के साथ आते हैं। यह अभियान न केवल कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दे रहा है, बल्कि यह समाज में यह संदेश भी फैला रहा है कि धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं में बाल विवाह का कोई स्थान नहीं है।

झारखंड के भिष्म पितामह थे बिनोद बिहारी महतो : बबलुकुमार चौबे

बोकारो : भाजपा बिजुलिया मंडल अध्यक्ष बबलुकुमार चौबे के नेतृत्व में बिजुलिया बिनोद चौक बिनोद बिहारी महतो की मुर्ति पर माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। उन्होंने कहा स्व बिनोद बिहारी महतो झारखण्ड के भिष्म पितामह थे। उनके प्रखर आंदोलन का परिणाम है अलग झारखण्ड। स्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी का देन अलग झारखण्ड है। मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष गौर राजवार, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संटु राय, शत्रुघ्न हाजरा, पुर्व विधायक प्रतिनिधि रजनीकांत महतो, दिलीप वर्मा, रीषिकेश सिंह, बिजुलिया मंडल के सदस्य, कार्यकताओं शामिल थे।

NOTICE

I. No. 060441845, Rank Head Constable/ GD, Name AGAMLAL MAHTO S/o Bajinath Mahto, Resident of vill. Turup, P.O. Hesal, P.S. Angara, Dist. Ranchi, Jharkhand do hereby solemnly affirm and declare by Affidavit no.- 26359 Dated- 16-04-2025 as follows:
1. That SUMAN KUMARI is my wife, which is mentioned in her Adhar Card No. 2586 1166 0554 and all documents.
2. That in my Service Book, her name is written as SUMAN MAHTO.
3. That SUMAN KUMARI and SUMAN MAHTO is same and one person i.e. the name of my wife.

राज्यपाल ने बिनोद बिहारी महतो को दी श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने मंगलवार को झारखण्ड आंदोलन के महानायक एवं समाज सुधारक स्व० बिनोद बिहारी महतो जी की जयंती पर बिनोद बिहारी महतो विस्थापित स्टेडियम, रामडीह मोड़, चंदनकियारी रोड, बोकारो में आयोजित 'पुष्पांजलि सभा' में कहा कि बिनोद बिहारी महतो जी का जीवन संघर्ष, समर्पण और सेवा की अद्वितीय गाथा है। उन्होंने सामाजिक न्याय और समानता के लिए जीवनपर्यन्त कार्य किया तथा वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को आवाज देने का कार्य किया। राज्यपाल ने कहा कि स्व० महतो जी ने शिक्षा को समाज की असली शक्ति माना और युवाओं को 'पढ़ो और लड़ो' का प्रेरक संदेश दिया। यही कारण है कि उनकी विचारधारा आज भी युवा पीढ़ी के लिए पथ-प्रदर्शक है। राज्यपाल ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य में उनके नाम पर बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय स्थापित है, जहां हाल ही में उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया।राज्यपाल महोदय ने कहा कि वे 1989 में लोकसभा पहुंचे और उसके बाद लगातार बरेली से आठ बार लोकसभा में प्रतिनिधित्व किया। 1991 में बिनोद बिहारी महतो जी हमारे साथी के रूप में लोकसभा में रहे। जब पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार में झारखण्ड राज्य का सृजन हुआ तो उस समय भी वे लोकसभा के सदस्य थे। इस अवसर पर राज्यपाल ने राज्यवासियों को नवरात्रि की शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि यह पर्व सत्य और न्याय की विजय का प्रतीक है। राज्यपाल ने कहा कि आज देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। राज्यपाल ने नागरिकों से आह्वान किया कि झारखण्ड को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का आदर्श राज्य बनाने का संकल्प लें, यही स्व० बिनोद बिहारी महतो को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। राज्यपाल महोदय ने इससे पूर्व वहां स्थापित बिनोद बिहारी महतो जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जरीडीह और कसमार थाना पुलिस की कार्रवाई गृहभेदन मामलों में 4 आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जरीडीह थाना पुलिस ने कांड संख्या 99/25 के अप्राथमिक अभियुक्त राजू खरवार और भूनू खरवार, दोनों पिता स्व. सोहराई खेरवार, निवासी कोठार रविदास टोला, थाना रामगढ़, जिला रामगढ़ को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इन पर धारा 305/331(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज है।इसी तरह जरीडीह थाना अंतर्गत बहादुरपुर एवं कसमार थाना अंतर्गत दांतु में हुए गृहभेदन कांड में शामिल दो अन्य अभियुक्तों को भी पुलिस ने दबोच लिया। उनकी निशानदेही पर चोरी में हिस्से में मिले कांसा के बर्तन को जप्त किया गया है।पुलिस सूत्रों के अनुसार शेष फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। थाना क्षेत्र में हुई इन बड़ी कार्रवाइयों से आमलोगों में राहत की भावना है तथा पुलिस का दावा है कि जल्द ही बाकी अपराधियों को भी पकड़कर कानून के दायरे में लाया जाएगा।

विनोद बिहारी महतो की 102वीं जयंती पर जदयू कार्यकर्ताओं ने की माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड राज्य के पुरोधा एवं झारखंड आंदोलन के जनक स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो की 102वीं जयंती पर मंगलवार को बोकारो हवाई अड्डा स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश जदयू के सचिव मनोज कुमार सिंह तथा बोकारो जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष प्रदीप महतो ने कहा कि स्व. बिनोद बिहारी महतो का नाम झारखंड की पहचान है। उन्होंने पढ़ो और लड़ो के नारे से समाज को शिक्षा और जागरूकता की राह दिखाई। आज जब राज्य खनिज संपदा से सम्पन्न होने के बावजूद विकास की राह पर अपेक्षा से काफी पीछे है और यहां की जनता पलायन को मजबूर है, तो यह सवाल उठता है कि क्या यही उनका सपना था। जदयू नेताओं ने कहा कि झारखंड की समृद्धि और पहचान के लिए स्व. महतो के विचार आज भी मार्गदर्शक हैं। उन्होंने झारखंड सरकार से मांग की कि बोकारो हवाई अड्डा का नामकरण स्व. विनोद बाबू के नाम पर किया जाए। साथ ही राज्य में उनकी जयंती पर अनिवार्य रूप से एक दिवसीय अवकाश की घोषणा हो, ताकि आने वाली पीढ़ी भी इस महान विभूति से प्रेरणा ले सके।

शिक्षा नियमों की अनदेखी तिलैया डैम में बिना रजिस्ट्रेशन के धड़ल्ले से चल रहे कोचिंग संस्थान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चंदवारा : तिलैया डैम और तितिरचांच में शिक्षा विभाग के नियमों को दरकिनार कर धड़ल्ले से कोचिंग संस्थान संचालित हो रहे हैं। कोडरमा जिले के चंदवारा प्रखंड अंतर्गत तिलैया डैम में शिक्षा विभाग के नियमों को अनदेखा कर 200 से अधिक कोचिंग सेंटर बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे हैं। इन संस्थानों में सुरक्षा और जरूरी सुविधाओं का भी अभाव है। अभिभावकों ने चिंता जताई है कि ऐसे संस्थान विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से इन संस्थानों पर कार्रवाई करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार, 200 अधिक छोटे-बड़े कोचिंग सेंटर बिना रजिस्ट्रेशन के मनमाने ढंग से चलाए जा रहे है। और कई ऐसे कोचिंग है जो आवासीय विद्यालय का बोर्ड लगाकर अभिभावकों से भरी भरकम फीस वसूलते है शिक्षा विभाग के नियमानुसार किसी भी कोचिंग संस्थान आवासीय विद्यालय का संचालन करने के लिए तिलैया डैम में विभाग से मान्यता प्राप्त नहीं है। पंजीकरण के बाद ही संस्थान चलाने की अनुमति मिलती है। लेकिन स्थानीय स्तर पर अधिकांश संचालक बिना पंजीकरण ही फीस वसूलते हुए बच्चों को पढ़ा रहे है। लोगों का कहना है कि ऐसे कोचिंग संस्थानों में न तो सुरक्षा मानकों का पालन होता है और न ही बच्चों के लिए आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। अधिकांश संस्थानों में पर्याप्त रोशनी, पंखा, शुद्ध पेयजल और बैठने की उचित व्यवस्था तक नहीं है। वहीं, अग्नि सुरक्षा मानकों की तो पूरी तरह अनदेखी की जा रही है। शिक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर जांच कर कार्रवाई किए जाने का दावा तो किया जाता है, लेकिन हकीकत यह है कि अब तक बिना पंजीकरण वाले किसी भी संस्थान पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इसका नतीजा यह है कि कोचिंग एवं आवासीय विद्यालय के संचालकों के हौसले बुलंद हैं और वे निर्भीक होकर संस्थान चला रहे है। अभिभावकों ने कहा कि बिना पंजीकरण के चल रहे कोचिंग संस्थान विद्यार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर बच्चे को किसी भी तरह की शैक्षणिक समस्या या दुर्घटना का सामना करना पड़े, तो ऐसे संस्थानों की कोई जवाबदेही तय नहीं होती है। लोगों ने बिना रजिस्ट्रेशन वाले कोचिंग संस्थानों की सूची तैयार कर कार्रवाई की मांग की है।

मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर जयंती धूमधाम से मनायी गयी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच/ कोडरमा : मंजुला शर्मा मेमोरियल अकादमी के प्रांगण में राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जयंती भव्यता और गगनभेदी देशभक्ति नारों के बीच उत्साहपूर्वक मनाई गई। विद्यालय परिसर देशभक्ति के रंग में रंग उठा और वातावरण दिनकर जी के ओजपूर्ण विचारों से गूंज उठा। कार्यक्रम की शुरूआत उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं ने दिनकर जी की ओजपूर्ण कविताएं, जोशीले भाषण और देशभक्ति से सराबोर प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। दिनकर जी के काव्य-पंक्तियों से सुसज्जित मंच ने मानो स्वतंत्रता संग्राम के समय का ज्वलंत वातावरण सजीव कर दिया। इस अवसर पर विद्यालय प्रशासक आर.पी. पांडेय ने सभी छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, दिनकर की कविताएं केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा की आवाज हैं। उनके शब्द हमें साहस, त्याग और कर्मनिष्ठा का संदेश देते हैं। मैं चाहता हूँ कि हमारे विद्यार्थी दिनकर जी की तरह निडर, ऊजार्वान और देश के प्रति समर्पित नागरिक बनें। निदेशक रजनीश शर्मा ने सभी शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा, शिक्षकों की भूमिका केवल शिक्षा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, चरित्र निर्माण और सामाजिक मूल्यों को स्थापित करना भी हमारा कर्तव्य है। दिनकर के ओजस्वी विचार हमें यह सीख देते हैं कि साहित्य समाज को दिशा देने का सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रूप से सहयोग दिया।

बोकारो में इस्पातकर्मियों ने एनजेसीएस और प्रबंधन का फूंका पुतला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : दिल्ली मे हुए एन जे सी एस की बैठक मे इस्पातकमीर्यों के बोनस पर नेताओं द्वारा फिर ठगने और ठेकाकमीर्यों के लिए मांग नही किये जाने के बिरोध मे आज जय झारखंड मजदूर समाज का महामंत्री बि के चौधरी के नेतृत्व मे गांधी चौक सेक्टर-4 मे सेल प्रबंधन और एन जे सी एस का पुतला दहन किया गया जिसमे सेकडों इस्पातकर्मी एवं ठेकाकमीर्यों ने भाग लेते हुए सेल प्रबंधन एवं एन जे सी एस गठजोड के प्रति आक्रमक रूप से आक्रोश प्रदर्शित किया। अपने सम्बोधन मे महामंत्री बि के चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार के मजदूर बिरोधी निति के कारण प्रबंधन द्वारा मजदूरों का शोषण करना तो समझ मे आता है लेकिन मजदूरों का स्वयंम्भू एन जे सी एस मे जाने बाला युनियन नेताओं द्वारा इस बर्ष भी नाटकीय ढंग से कम से कम बोनस का 40000/= रूपया का मांग करने बाला इस्पातकर्मियों के लिए 29500/= पर मौन स्वीकृति देकर फिर अपना मजदूर बिरोधी मानसिकता को दशार्ने का कुकृत्य किया है ।एन जे सी एस की बैठक मे उपस्थित नेताओं द्वारा एक दूसरे पर सेल प्रबंधन का दलाली करने का आरोप लगा रहा है । यहाँ तक आरोप लगा रहा है कि कुछ नेता बार बार पैशाव करने के बहाने से मिटिंग हॉल से बाथरूम जाता था जिसके पिछे से सेल अधिकारी भी बाहर जाता था और दलाली करने के बदले ब्यक्तिगत फायदा लेने के लिये प्रोत्साहित करता था जिसमे प्रबंधन सफल रहा और जो प्रबंधन पहले 31000/= का पेशकश किया था वही प्रबंधन 29500/= का निर्णय दिया जिसका किसी नेता ने बिरोध नही किया ।आश्चर्य तो तब हुआ जब वही नेतागण बोकारो मे ठेकाकमीर्यों का सबसे बड़ा हितैसी बनने का ढोंग करता है ने ठेकाकमीर्यों का चर्चा तक करना मुनासिब नही समझा ।अगर दिल्ली से आकर बोकारो मे प्रबंधन पर एकतरफा निर्णय का घड़ियालू आँसू बहाता है तो ऐसे नेता को बोकारो मे इस निर्णय के खिलाफ हड़ताल का नोटिस देकर दमखम के साथ सफल करने का आह्वान करें जय झारखंड मजदूर समाज हड़ताल को सफल बनाते हुए प्रबंधन को घुटना पर लाने का काम करेगा । महामंत्री बी के चौधरी ने आगे कहा कि मजदूरों का वाजिब हक अधिकार तबतक नही मिलेगा जवतक प्रबंधन द्वारा मनोनीत नेता एन जे सी एस मे मजदूरों का भाग्य बिधाता बनकर जाता रहेगा तबतक मजदूरों को उनका हक अधिकार दिलाने के बदले अपना भरण-पोषण करता रहेगा इसलिए सही हक अधिकार के लिए बोकारो मे युनियन का गुप्त मतदान द्वारा चुनाव हीं एकमात्र बिकल्प है जिसके लिए चरणबद्ध आन्दोलन की जरूरत है जिसके लिये जय झारखंड मजदूर समाज कार्यक्रम तय करेगा । कार्यक्रम में झामुमो नेता हसन इमाम जितेन्द्र कुमार सिंह सतेन्द्र कुमार संजय कुमार, नासिर अहमद खान इत्यादि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

मरकच्चो में दिव्यांगों के बीच कोडरमा सांसद सह मंत्री ने बांटे उपकरण

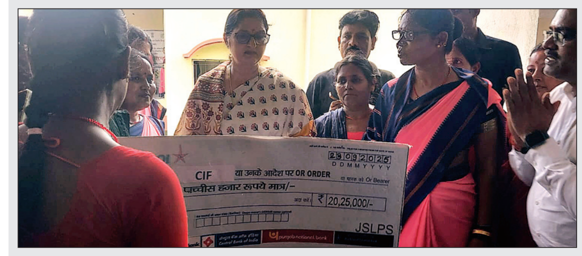

मरकच्चो : प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को दिव्यांगों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर कोडरमा सांसद मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और अपने हाथों से लाभुकों को ट्राई साइकिल, व्हीलचेयर, छड़ी ,श्रवण यंत्र समेत अन्य सहायक उपकरनों का वितरण किया। सांसद ने कहा कि दिव्यांग समाज का अभिन्न हिस्सा है और सरकार लगातार उनके सशक्तीकरण की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने आस्वस्थ किया कि आने वाले समय में भी इस प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन कर अधिक से अधिक जरूरतमंदों को लाभान्वित किया जाएगा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांग और उनके परिजन शामिल हुए। उपकरण पाकर उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने नशा मुक्ति भारत बनाने को लेकर उपस्थित जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों को शपथ दिलाई। साथ ही पर्यावरण को लेकर एक पेड़ अपने मां के नाम लगाने का संकल्प दिलाया। उन्होंने अपने घरों के इर्द-गिर्द व सामाजिक स्थलों का साफ सफाई रखने का भी अपील की। इस दौरान पत्रकारों के द्वारा पूछे जाने पर की गोड्डा नई दिल्ली ट्रेन का ठहराव नावाडीह1 में होने को लेकर ग्रामीणों की मांग पर स्थानीय मुखिया बैजन्ती देवी व समाजसेवी बसन्त साव के द्वारा आवेदन देकर मांग किया गया था उसका ठहरा कब तक होगी। इस पर उन्होंने बताया कि ठहराव तो होगी लेकिन समय नहीं बता सकते हैं। बहुत जल्द ही होने की उम्मीद है।

भाकपा माले नेता दिवंगत सच्चिदानंद सिंह के 10 वां पुण्यतिथि मनाया गया

जयनगर : प्रखंड के गम्हरबाद गांव में मंगलवार को माले ने दिवंगत कामरेड सच्चिदानंद सिंह का दसवां पुण्यतिथि 2 मिनट मौन रखकर उनकी तस्वीर पर बारी-बारी से पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम की अध्यक्षता अशोक यादव ने किया प्रखंड सचिव मुंना यादव ने कहा सच्चिदानंद सिंह पार्टी के सच्चे सिपाही पार्टी के मार्गदर्शक थे गरीबों की आवाज उठाने वाले शोषण अन्याय भ्रष्टाचार पुलिस जुल्म के खिलाफ गरीबों के हक के लिए लड़ने वाले नेता थे पूर्व मुखिया प्रतिनिधि भोला यादव,व अशोक यादव ने कहा हक अधिकार की आवाज उठाने वाले दिवंगत साथी सच्चिदानंद सिंह को कभी भुलाया नहीं जा सकता है उनकी कमी आज भी पार्टी को महसूस होता है पार्टी के सच्चे निष्ठावान सिपाही थे श्रद्धांजलि सभा में एक्टू जिला सचिव विजय पासवान जेनरल मजदूर यूनियन अध्यक्ष राजेंद्र यादव शंभू नाथ वर्मा जयनगर पूर्वी जोन लोकल कमेटी सचिव चांद अख्तर मरकच्चो प्रखंड सचिव बहादुर यादव विकास सिंह उदय सिंह श्याम सिंह राजकुमार सिंह प्रवीण सिंह जागेश्वर साव, उदय सिंह, परवीन सिंह, पूजा कुमारी उषा देवी नीतू देवी गुंजा देवी नैना कुमारी निक्की कुमारी सहित कई लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

उत्क्रमित उच्चविद्यालय योगीडीह मे गुरु शिष्य के रिश्ते को किया शर्मसार

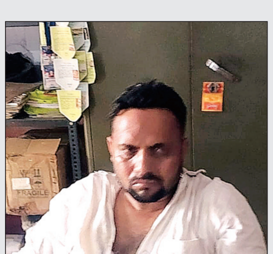

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के दरदाही स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय योगोडीह मे गुरु शिष्य के पवित्र रिश्ते को श्रम संसार करने वाली एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। शिक्षा के मंदिर कहे जाने वाले विद्यालय में घटित इस कृत्य ने न केवल गुरु शिष्य परंपरा को कलंकित किया है बल्कि समाज में भी आक्रोश का माहौल बना दिया है। सूत्रों के मुताबिक विद्यालय में अध्ययनरत सातवीं वर्ग की छात्रा अपने ही कंप्यूटर टीचर पर गंभीर आरोप लगाया हैं। घटना 16 सितंबर की बतायी जाती है। घटना के उजागर होते ही ग्रामीण और अभिभावकों में गुस्से की लहर दौड़ गई। मंगलवार को विद्यालय खुलने के बाद ग्रामीणों ने विद्यालय में घेर लिया। अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन व प्रशासन से कठोर कार्रवाई की मांग की है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने छात्रा के पिता राजकुमार साव के द्वार दिए गए आवेदन में बताया है कि मेरी पुत्री सातवीं वर्ग की छात्रा है जिसे अकेले पाकर विद्यालय के ही कंप्यूटर टीचर एनुल हक ने गलत नियत एवं छेड़छाड़ किया है। आवेदन के आधार पर मरकच्चो थाना पुलिस नेआगे की कानूनी कार्रवाई प्रारंभ कर दी है। वहीं शिक्षा विभाग ने भी आवेदन देकर इस घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित शिक्षक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की बात कही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गुरु शिष्य का रिश्ता हमारे समाज में सबसे पवित्र माना जाता है ऐसे में इस प्रकार की घटनाएं समाज को शर्मसार करने वाली है और दोषियों को किसी भी हाल में बक्सा नहीं जाना चाहिए।

बिनोद बाबू के पदचिन्हों पर सदैव चला हैं आजसू : सचिन महतो

बोकारो : आजसू पार्टी ने झारखंड आंदोलन के पुरोधा एवं महान जननायक स्व. बिनोद बिहारी महतो की 102वीं जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई। इस अवसर पर हवाई अड्डा स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम के दौरान आजसू पार्टी बोकारो जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने कहा कि स्व. बिनोद बिहारी महतो ने झारखंड की अस्मिता, हक और अधिकार की लड़ाई में अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। जिला कार्यकारी अध्यक्ष अशोक महतो ने कहा कि उनके संघर्षों की विरासत झारखंड की जनता और युवाओं के लिए हमेशा प्रेरणा बनी रहेगी। जिला परिषद सदस्य सह पार्टी के केंद्रीय सचिव राजेश महतो ने कहा कि आजसू पार्टी उनके अधूरे सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर संघर्षरत है। मौके पर राजेश बोराल, मिथलेश महतो, संतोष महतो, अनिल झा,अर्जुन महतो, तापेश महतो, चित्तरंजन महतो, गोपी लाल महतो, दीपक महतो, नवीन सिंह, रंजीत महतो, रवि महतो आदि उपस्थित थे।

एक नजर

तोरपा विधायक ने जागु ग्रामसभा में लिया हिस्सा

सिमडेगा : दीदियों द्वारा किये गए स्वागत से अभिभूत हूँ। एक क्षेत्र के विकास में हमारी नारी शक्ति की अहम भूमिका होती है। ग्रामसभा के सदस्यों द्वारा अपनी विभिन्न मांगो से मुझे अवगत कराया गया है, विधायक जी अपने सम्बोधन में बोले आप सभी को आश्वस्त करता हूँ कि, आपकी मांगों का जल्द समाधान सुनिश्चित किया जायेगा। साथ ही, ग्रामसभा के सर्वांगीण विकास एवं उत्थान हेतु कार्य किया जायेगा। माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन जी के नेतृत्व में अबुआ सरकार हर वर्ग-समुदाय और क्षेत्र का विकास करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मौके पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमृत हेमरोम, प्रखंड सचिव जेम्स आईंद, चन्दन ठाकुर, इत्यादि उपस्थित रहे।

एथलेटिक्स प्रतियोगिता में पलामू को मिला सिल्वर और कांस्य पदक

पलामू : झारखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में 22 से 24 सितंबर तक 36वीं ईस्ट जोन नेशनल जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता में पलामू जिला से पांच सदस्य टीम आकांक्षा कुमारी, संध्या कुमारी, हेमंत कुमार, मानसी कुमारी, शिवानी कुमारी ने भाग लिया।
प्रतियोगिता के प्रथम दिन जैवलिन थ्रो में हेमंत कुमार को सिल्वर और डिस्कस थ्रो में शिवानी कुमारी ने ब्राउन मेडल जीत कर ईस्ट जोन नेशनल में पलामू का नाम अंकित कर मान बढ़ाया। पलामू जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के सचिव संजय कुमार त्रिपाठी ने मंगलवार को बताया कि ईस्ट जोन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को नेशनल जूनियर एथलेटिक्स प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

त्योहारों से पहले सिमडेगा में सघन छापेमारी खाद्य सुरक्षा पर प्रशासन की सख्ती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : उपायुक्त, सिमडेगा कंचन सिंह के निर्देशानुसार आगामी त्यौहार मदेनजर जिले में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पिछले कई दिनों से सघन निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चंद्र गुग्गी और उनकी टीम द्वारा लगातार मिलावटखोरी पर निगरानी बनाये हुए हैं। इस अभियान में स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को साफ- सफाई में सावधानी बरतने के साथ, अपने-अपने प्रतिष्ठान के बाहर डस्टबिन लगाने का निर्देश दिया, ताकि गांधी जयंती के शुभ अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत शहर को साफ-सुथरा बनाया जा सके। इससे जिले में एक सकारात्मक माहौल बना है,यह परिवर्तन

जिले में स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी द्वारा कई प्रतिष्ठानों एवं दुकानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान होटल दुर्गा एवं साहा मिष्ठान भंडार से पनीर एवं खोआ का नमूना लिया गया, साथ ही सिमडेगा जिले में संचालित अन्य प्रतिष्ठान में बनाए जाने वाले मिठाईयों का नमूने प्राप्त किया गया जिसमें प्रतिष्ठान से ली गई नमूनों की जांच के लिए भेजी गई। जांच के दौरान लिए गए सभी नमूनों को विधि अनुसार प्रयोगशाला भेजा गया है और रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात दोषी दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। स्पष्ट कहा गया है कि इस प्रकार का अभियान आगे भी जिले में लगातार जारी रहेगा। जिला खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी ने बताया कि उपायुक्त सिमडेगा श्रीमती कंचन सिंह की इस पहल का मुख्य उद्देश्य जिले के नागरिकों को जागरूक करना और दुकानदारों को यह सख्त संदेश देना है कि खराब एवं एक्सपायरी खाद्य सामग्रियों की बिक्री किसी भी स्थिति में सहन नहीं की जाएगी। अधिकांश बीमारियां मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के सेवन से ही उत्पन्न होती हैं, ऐसे में यदि जनता जागरूक नहीं रहेगी तो दुकानदार भी लापरवाह होकर असुरक्षित सामग्री बेचने से नहीं हिचकेंगे। प्रशासन चाहता है कि जिले के हर नागरिक का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे और लोग जहां तक संभव हो, केवल शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का ही सेवन करें। यही इस अभियान का असली उद्देश्य और जिला प्रशासन की सकारात्मक पहल है।

संक्षिप्त खबरें

पी.पी.के. कॉलेज में पासआउट छात्रों के डिग्री सर्टिफिकेट जल्द उपलब्ध कराने की मांग

सिल्ली : बुंडू 23 सितंबर को झारखंड छात्र मोर्चा के पूर्व रांची जिला उपाध्यक्ष राजु कुमार उर्फ राजीव के नेतृत्व में पासआउट छात्रों को डिग्री सर्टिफिकेट अथवा प्रोविजनल सर्टिफिकेट उपलब्ध कराने को लेकर पी.पी .के. कॉलेज बुंडू के प्राचार्य महोदया से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। राजु कुमार ने कहा की वर्तमान समय में जेपीएससी द्वारा झारखंड एलिजिबिलिटी टेस्ट (जेट) का परीक्षा फार्म भराया जा रहा है जिसका अंतिम तिथि 06 अक्टूबर तक है। लेकिन पी पी के कॉलेज बुंडू से सत्र-2017-20 और 2018-21 के बाद बी ए,तथा एम ए,के पास आउट छात्रों को अब तक न ही डिग्री सर्टिफिकेट दिया गया है न ही प्रोविजनल सर्टिफिकेट जिससे जेट के परीक्षा फॉर्म भरने से हजारों छात्र वंचित हो जाएँगे। राजु कुमार ने प्राचार्य महोदया से छात्रों के समस्याओं को ध्यान में रखते हुए अतिशीघ्र सर्टिफिकेट उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इस मौके पर सहदेव महतो, पंकज प्रमाणिक, सीताराम महतो, अशोक कुमार, जयराम महतो, धर्मेंद्र महली, मंटू सेठ, काजल कुमारी, निशा कुमारी, हैप्पी कुमारी, गीता कुमारी, होलिका कुमारी समेत कोई छात्र-छात्राएँ मौजूद थे।

अग्रसेन जयंती पर मारवाड़ी युवा मंच सरिया नगर शाखा ने निकाली प्रभात फेरी

सरिया : मारवाड़ी युवा मंच सरिया नगर शाखा द्वारा मंगलवार को अग्रसेन जयंती के अवसर पर एक भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभात फेरी विष्णु मंदिर से शुरू होकर पूरे सरिया बाजार का भ्रमण करते हुए जैन धर्मशाला में समाप्त हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिद्धांत अग्रवाल ने की। प्रभात फेरी में बिजय अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, निकुंज अग्रवाल, महेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, भावेश अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल, अंकित बंसल, अमन अग्रवाल, पंकज गर्ग, ओम अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, बबली अग्रवाल, बिंदिया अग्रवाल, रेणु अग्रवाल, बबीता अग्रवाल सहित दर्जनों महिलाओं और पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन ने सामुदायिक एकता और अग्रसेन जयंती के महत्व को उजागर किया।

सरिया में अनुमंडलस्तरीय शांति समिति की हुई बैठक, सुरक्षा और शांति व्यवस्था पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : सरिया अनुमंडल प्राधिकारी संतोष गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को अनुमंडल सभागार में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धनंजय राम ने किया। इस दौरान आगामी पर्व-त्योहारों को शांतिपूर्ण और उत्साहपूर्ण माहौल में मनाने के लिए सुरक्षा, नागरिक सुविधाओं और शांति व्यवस्था को लेकर विचार-विमर्श किया गया। संतोष गुप्ता ने कहा कि नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी और गणमान्य व्यक्तियों के साथ सुझाव और विचार-विमर्श के आधार पर पर्व-त्योहारों की रूपरेखा तैयार की गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि बगोदर-सरिया अनुमंडल क्षेत्र में त्योहार शांतिपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में मनाए जाएंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने बताया कि संवेदनशील इलाकों में पुलिस पेट्रोलिंग और

मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। सभी पंडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, आम नागरिकों के लिए कंट्रोल रूम सक्रिय रहेगा, जिससे किसी भी घटना पर त्वरित कार्रवाई की जा सके। चेन स्नैचिंग जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के साथ गंभीर चर्चा हुई है। संदिग्ध समूहों को चिह्नित किया जा रहा है। किराए के मकानों, होटलों और लॉज की नियमित जांच की जाएगी ताकि बाहरी व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। शराब तस्करी के खिलाफ भी नियमित छापेमारी जारी रहेगी। बैठक में बिरनी सीओ संदीप कुमार मद्धेशिया, सरिया बीडीओ ललित नारायण तिवारी, पुलिस निरीक्षक अजय कुमार, नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी, विनोद यादव, रफीक अंसारी, रामपति प्रसाद, नारायण पांडे, हरि मंडल, तुलसी यादव, संतोष कुमार, सुरेंद्र मंडल, अरशद खान, दिलावर अंसारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

उषा मार्टिन में महिला कर्मचारियों का स्वास्थ्य जांच शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : उषा मार्टिन में स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान की शुरूआत की गयी। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के इस अभियान में कारखाना में कार्य करनेवाली महिला कामगारों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह अभियान ईएसआई के साथ संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर उषा मार्टिन लर्निंग अकेडमी में एक प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। जहां पर स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी गयीं। इस अवसर पर 45 से अधिक कामगार महिलाओं के बीपी, सुगर, हिमोग्लोबीन और जीवनशैली से संबंधित अन्य जांच किया गया। कंपनी के सीएमओ डॉ सोमनाथ चैधरी ने कहा कि वर्तमान समय में स्वास्थ्य की समस्या हमारे जीवन शैली से जुड़ी है। कार्यशील महिलाओं के सामने चुनौती है कि वह अपने प्रोफेसनल दायित्व के साथ शारीरिक समस्याओं पर पूरा ध्यान रखें। इसके लिए महिलाओं को समय निकाल कर जरूरी जांच को नियमित अंतराल पर करना चाहिए, ताकि स्वस्थ बने रहे। अरविंद कुमार ने कहा कि यह भारत सरकार की योजना है जो ईएसआई के साथ सहयोग से प्लांट में स्वास्थ्य जांच किया जा रहा है। डॉ रागनी ने सभी कारखाना में कार्यरत महिलाओं की जांच की। उषा डीजीएम विवेक प्रभाकर ने कहा कि सशक्त परिवार तभी सभी होगा, जब महिलाएं स्वस्थ रहेगी। इसके लिए स्वस्थ जांच नियमित होना चाहिए। इस अवसर पर महिलाओं ने कंपनी के अभियान की सराहना की।

JHARKHAND URJA SANCHARAN NIGAM LTD.
CIN: U40108JH2013SGC001704
Office of the General Manager, Transmission Zone-V, Hazaribag, Office At - Sringari Complex, 1st Floor, Canary Hill Road, Near Mont Fort School, Hazaribag, Pin – 825301, JH/ eMail iD:- gmtzone5hzb@gmail.com

TENDER CANCELLATION NOTICE

Due to unavoidable circumstances, tender invited vide **eNIT No. – 144/PR/JUSNL/2025-26** is hereby cancelled.

स्वहित एवं राष्ट्र हित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को टॉल फ्री नं० 1800 345 6570 पर दर्ज करायें।

PR No. 353575

Sd/-
General Manager
Transmission Zone- V,
Hazaribag

PR 362657 Jharkhand Urja Sancharan Nigam Ltd(25-26)#D

जनजाति कौशल केंद्र लचरागढ़ में सिलाई प्रशिक्षण एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : जिला के कोलेबिरा के लचरागढ़ जनजाति कौशल केंद्र में सिलाई प्रशिक्षण एवं कंप्यूटर प्रशिक्षण शुरू कर दिया गया है। बताते चलें की सरकार द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार जन प्रशिक्षण संस्थान सिमडेगा झारखंड कौशल विकास उद्यशीलता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित लचरागढ़ संस्था में बेरोगार लोगों को ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार लोगो को सिलाई प्रशिक्षण, कम्प्यूटर प्रशिक्षण फूड प्रोसेसिंग आचार, पापड़, कई तरह के फूड प्रोसेसिंग प्रशिक्षण दी जाएगी। आज से जन

जातीय कौशल केंद्र में सिलाई प्रशिक्षण, कम्प्यूटर की शुरूवात की गई। सिलाई प्रशिक्षण एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण तीन सिफ्ट में रखी गई है पहला 10 बजे से 12, दूसरा सिफ्ट 12 से 2 बजे एवं 2 बजे से 4 बजे तक बेरोजगार युवक युवती महिलाओं प्रशिक्षण दे कर रोजगार से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। बरोजगार युवक युवती महिलाए प्रशिक्षण प्राप्त कर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। मौके पर कंप्यूटर टीचर अर्चना कुमारी, समाज सेवी संजय मिश्रा, होलिका देवी, किरण कुमारी के अलावे कई परीक्षण प्राप्त करने वाले महिलाएं एवं दीदीया उपस्थित थे।

मंत्री दीपिका पांडेय ने ग्रामीण अधिकारियों के मुद्दों पर किया संवाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की माननीय मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह से शिष्टाचार मुलाकात हुई। इस मुलाकात में मुखिया एवं प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर के समस्याओं पर चर्चा की गई और त्वरित समाधान करने के लिए आश्वासन दिया गया।मुखिया की समस्याओं पर चर्चा करते हुए मंत्री महोदया ने कहा कि वे मुखिया की समस्याओं को समझती हैं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा कि मुखिया की भूमिका ग्रामीण विकास में बहुत महत्वपूर्ण है और उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याओं पर चर्चा करते हुए मंत्री महोदया ने कहा कि वे प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याओं को समझती हैं और उनके समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की भूमिका ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना और सेवाओं को पहुंचाने में बहुत महत्वपूर्ण है और उनकी समस्याओं का समाधान करना हमारी प्राथमिकता है। मंत्री महोदया ने आश्वासन दिया कि वे मुखिया एवं प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगी। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता ग्रामीण विकास और पंचायती राज को मजबूत करना है और इसके लिए हम आवश्यक कदम उठाएंगे। मंत्री महोदया से मुलाकात के बाद आभार व्यक्त किया गया और उम्मीद जताई गई कि वे मुखिया एवं प्रज्ञा केंद्र ऑपरेटर की समस्याओं का समाधान करने में मदद करेंगी।

प्रेस विज्ञप्ति
आम सूचना
कार्यालय, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केन्द्र,लोहरदगा।
उद्यम पंजीकरण हेतु एक दिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन।

सूचित किया जाता है कि प्रबंध निदेशक, जिडको, राँची (उद्योग विभाग) झारखण्ड के निदेशानुसार MSME इकाइयों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निःशुल्क उद्यम पंजीकरण हेतु जिला उद्योग केन्द्र,लोहरदगा के सभागार (नए समाहरणालय परिसर) में दिनांक–24.09.2025 को 11:30 बजे पूर्वाह्न में एकदिवसीय जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया है। शिविर में MSME उद्यमियों को उद्यम निबंधन किया जाएगा।

अतः आप सभी उद्यमी/व्यवसायी निर्धारित स्थान,तिथि एवं समय पर आयोजित जागरूकता शिविर में अपने इकाई के उद्यम निबंधन हेतु आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक, आधार से लिंक मोबाईल नम्बर के साथ भाग लेने हेतु आमंत्रित किया जाता हैं। (विशेष जानकारी हेतु मो0–9155700111 एवं 9430389449 से सम्पर्क किया जा सकता है।)

निवेदक,
ह0/–
महाप्रबंधक,
जिला उद्योग केन्द्र, लोहरदगा।

PR 362573 Lohardaga(25-26)D

नगर परिषद् कार्यालय, साहिबगंज

आम सूचना

पत्रांक–2082/न0प0, सा0, दिनांक–20.09.2025

नगर परिषद् क्षेत्रान्तर्गत सभी नगरवासियों से अपील की जाती है कि शहरी क्षेत्र में पेय जल की व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु P.H.E.D (पेय जल एवं स्वच्छता विभाग) द्वारा नगरीय क्षेत्र में पाईप लाइन बिछाने का कार्य प्रगति पर है जिसमें House to House Connection हेतु लाभुकों की सूची की माँग की जा रही है।

अतः सभी नगरवासियों से अनुरोध है कि House to House Connection लेने हेतु नगर परिषद् कार्यालय में संबंधित कागजात के साथ आवेदन पत्र, होल्डिंग टैक्स प्राप्ति रसीद के साथ जमा करना सुनिश्चित् करें जिससे नियमानुसार अग्रेतर कार्रवाई की जा सकें।

ह/0
प्रशासक,
नगर परिषद्, साहिबगंज

PR 362640 Urban Development and Housing(25-26)#D

रोजी-रोटी उत्पादक समूह की दीदियों ने लाह खेती से बढ़ाई आजीविका, महिला सशक्तिकरण की मिसाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : केरसई प्रखंड के बाघडेगा पंचायत अंतर्गत डोंगीझरिया में 21 किसानों द्वारा सामूहिक रूप से लाह खेती कर अपनी आजीविका को सुदृढ़ करने की सामूहिक पहल एक मिसाल है जो कहीं ना कहीं सामूहिक एकता और महिला सशक्तिकरण का परिचायक है। वर्ष 2021 में जेएसएलपीएस के जोहार परियोजना द्वारा रोजी-रोटी उत्पादक समूह का गठन बाघड़ेगा भंडारा टोली में किया गया, जिसमें डोंगी झरिया के भी दीदियाँ सदस्यता शुल्क और अंश

पूंजी देकर उत्पादक समूह से जुड़ी जोहार परियोजना अंतर्गत चार प्रकार के गतिविधियों में से वनो पज गतिविधि में दीदियों को वैज्ञानिक तरीकों से लाह खेती का प्रशिक्षण दिया गया, तत्पश्चात पास 5-5 केजी कुसुमी, लाह बिहन, स्प्रे मशीन, कटर मशीन दिया गया,जिससे किसान समय से लाह में स्प्रे और कटिंग कर सके। अब सभी दीदियाँ लाह खेती वैज्ञानिक विधि द्वारा करने लगी। इसके पूर्व इस पैंच में परंपरागत विधि द्वारा लाह खेती किया जाता था, जिससे उत्पादन की मात्रा कम होती थी। डोंगी झरिया गांव में बैर पेड़ का पैच है जिसे उत्पादक समूह द्वारा महिल किसानों को लाह खेती के प्रति एकजुट किया गया और इसका बैकवर्ड लिंकेज एवं फॉरवर्ड लिकेज उत्पादक समूह के कैडर द्वारा करने की जिम्मेदारी ली गई। लगभग 1 से 2 एकड़ क्षेत्र में बेर का पेड़ किसानों का है और सभी किसान लाह की खेती के लिए सामूहिक रूप से इसमें बिहन लगाते हैं, इस वर्ष सभी किसान अपने पेड़ों में लगभग दो-दो केजी बिहन लगाए हैं। इस पैच में लिफ्ट सिंचाई योजना भी सब्जी खेती के लिए दी गई है, जिसमें उत्पादक समूह की दीदियाँ मिश्रित खेती बागवानी और लाह की खेती कर अपनी आजीविका बढ़ा रही हैं इस वर्ष लाह सामूहिक 3 क्विंटल 18 केजी संग्रहित कर 650 के दर से बाजार में बिक्री किया गया जिसका कुल मूल्य 2,06,700 रु होता है, जिसमें पीजी द्वारा खर्च और कमीशन काट कर सभी किसानों के बीच उनकी उपज अनुसार लाभ रकम का भुगतान किया गया है।

जिला परिवहन कार्यालय, राँची

प्रेस विज्ञप्ति
वाहन स्वामियों हेतु आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा आप सभी वाहन स्वामियों को सूचित किया जाता है कि मोटर वाहन अधिनियम 1988 का उल्लंघन करने के कारण आपके वाहन के विरूद्ध निर्गत चालान अबतक जमा नहीं किया जा सका है ऐसी स्थिति में संयुक्त परिवहन आयुक्त,, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 1156 दिनांक 15.09.2024 के आदेशानुसार लंबित चालानों को जमा करने हेतु दिनांक 24.09.2025 एवं 25.09.2025 को विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी विवरणी निम्नवत् है :–

तिथि	क्र0	कैम्प का स्थान
24.09.2025 एवं 25.09.2025	1.	जगन्नाथपुर यातायात थाना
	2.	Composite Control Room (नियंत्रण कक्ष)

अतः आप सभी वाहन स्वामियों से अनुरोध है कि उक्त तिथि को अपने निर्धारित कैम्प में उपस्थित होकर अपने वाहन के लंबित चालान को अनिवार्य रूप से जमा कराना सुनिश्चित करें। चालान ससमय जमा नहीं करने की स्थिति में संबंधित वाहन तथा वाहन स्वामियों के विरूद्ध मोटर वाहन अधिनियम 1988 के सुसंगत धाराओं के तहत् आवश्यक कार्रवाई की जायेगी एवं इसके लिए आप स्वयं जिम्मेवार होंगे।

जिला परिवहन पदाधिकारी,
राँची

PR 362647 Transport (25-26)_D

जेल से बाहर आये आजम की चुप्पी ने बढ़ाया सियासी पारा

कद्दावर नेता आजम खान 23 माह के बाद जेल से बाहर आ गये। रिहाई के बाद उन्होंने अभी तक मुंह नहीं खोला है, लेकिन आजम को लेकर राजनीति के गलियारों में कई तरह की चचाएं चल रही हैं। कोई उनके बहुजन समाज पार्टी के साथ तो कोई ओवैसी के साथ जाने की बात कह रहा है। उधर, समाजवादी पार्टी आजम की रिहाई पर मुखर होकर खुशियां नहीं मना रही है, इससे लगता है कि अब आजम खान समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के लिए प्रासंगिक नहीं रह गये हैं। इसकी वजह भी है आजम एक कट्टर मुस्लिम नेता के रूप में अपनी पहचान रखते हैं। उधर, बीजेपी हिन्दू वोटरों को एकजुट करने में लगी है, ऐसे में आजम की कट्टर छवि के चलते उनको साथ लेने पर समाजवादी पार्टी को गैर मुस्लिम वोट बैंक छिड़कने की संभावना रहती है। इसी से बचने के लिये आजम खान से समाजवादी पार्टी थोड़ी दूरा बनाकर चल रही है।आजम खान के पास रिहाई के बाद सपा से दूरी बनाकर अपनी राजनीति चमकाने के और कौन कौन से विकल्प बचे है, इस पर बारीकी से नजर दौड़ाने पर जो तस्वीर उभर कर सामने आती है। वह कुछ इस प्रकार की हो सकती है। करीब दो साल बाद आजम खान की रिहाई के बाद उत्तर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गयी है। तेईस महीनों तक जेल की सलाखों के पीछे रहकर बाहर आये आजम खान ने बाहर आते ही खामोशी अख्तियार कर रखी है। यह खामोशी अपने आप में बहुत गहरी है, क्योंकि एक ओर जहां उनके समर्थक यह इंतजार कर रहे हैं कि वह कोई राजनीतिक संकेत देंगे, वहीं दूसरी ओर समाजवादी पार्टी में उनके लिये ठंडी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भी आजम की रिहाई पर कोई बड़ा बयान नहीं दिया, न ही पार्टी ने ढोल नगाड़ों के साथ इस अवसर को राजनीतिक उत्सव बनाया। इस स्थिति को देखकर यह सहज अंदाज लगाया जा सकता है कि आजम खान अब समाजवादी पार्टी की राजनीति में पहला विकल्प नहीं रह गये हैं। गौरतलब हो, आजम खान ने अपनी लंबी राजनीतिक यात्रा के दौरान यह छाप बनाई है कि वह एक बेहद मजबूत, कट्टर और मुखर मुस्लिम नेता हैं। रामपुर से लेकर लखनऊ तक उनके भाषणों और उनकी पहचान हमेशा अल्पसंख्यक राजनीति से मजबूती से जुड़ती रही है। इसी वजह से जब भी मुस्लिम वोट बैंक को लामबंद करने की चर्चा होती है, तो आजम खान का नाम सबसे ऊपर आता है। मगर उत्तर प्रदेश की मौजूदा राजनीति में सपा की रणनीति मुस्लिम समेत अन्य जातियों को साथ लाकर सत्ता पर वापसी की है। भाजपा लगातार हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण कर रही है। ऐसे समीकरण में पार्टी के लिये आजम खान की कट्टर मुस्लिम नेता वाली छवि कहीं न कहीं चुनौती बन सकती है, क्योंकि भाजपा इस छवि को कठघरे में खड़ा कर गैर मुस्लिम वोटरों को अपने पास पूरी तरह खींचने की कोशिश करेगी। ऐसे में यह सवाल उठता है कि अब जेल से बाहर आये आजम खान अपनी राजनीति किस दिशा में ले जाते हैं। अगर समाजवादी पार्टी ने उनसे दूरी बना ली, तो उनके पास रणनीतिक तौर पर कौन कौन से नए रास्ते बचते हैं। सबसे पहला रास्ता बहुजन समाज पार्टी की ओर जाता दिखता है। बसपा की मौजूदा राजनीति मुस्लिम और दलित के गठजोड़ पर टिकी हुई है। मायावती लगातार इस फार्मूले को आगे रखने की कोशिश कर रही हैं। मगर बसपा के पास वह तेजतर्रार मुस्लिम चेहरा नहीं है जो आजम खान जैसे कद्दावर नेता की सियासी ताकत को दर्शा सके। ऐसे में यदि आजम मायावती के साथ कदम मिलाते हैं, तो बसपा को लाभ मिल सकता है और आजम को भी अल्पसंख्यकों के बीच अपनी जमीन मजबूत करने का प्लेटफार्म मिल जायेगा। दूसरा रास्ता असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन का है। ओवैसी ने उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत की राजनीति में मुसलमानों को अपने पक्ष में करने की लगातार कोशिश की है। मगर उनकी पार्टी अभी तक यहां बहुत बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई है। अगर आजम खान जैसे नेता ओवैसी के साथ आते हैं, तो मुस्लिम राजनीति को एक नया स्वरूप मिल सकता है।

सूडोकु नवताल- 7562

★☆☆☆☆ सरल

	9				6			
4	7				8	3		9
		8	7	3		1	2	
	8	9		5	1		7	6
5	1		8	7		4	9	
	2	4		6	5	7		
7		1	3				5	8
			1				4	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7561 का हल

1	9	3	7	5	4	2	6	8
8	4	2	1	6	3	9	7	5
5	7	6	8	2	9	3	1	4
4	1	5	6	3	2	8	9	7
7	2	9	4	8	1	6	5	3
3	6	8	5	9	7	1	4	2
2	5	1	9	4	8	7	3	6
9	8	4	3	7	6	5	2	1
6	3	7	2	1	5	4	8	9

जातिवाद पर प्रतिबंध योगी सरकार का ऐतिहासिक कदम

ललित गर्ग

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में एक ऐतिहासिक और साहसिक कदम उठाया है। उन्होंने समाज में जाति आधारित विद्वेष को ही नहीं बल्कि विभेद को भी समाप्त करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए सद्भाव के साथ सबके विकास को बल देने का सूझबूझभरा फैसला लिया है। इस फैसले के अन्तर्गत उन्होंने जाति-आधारित रैलियों, सार्वजनिक प्रदर्शनों और पुलिस रिकॉर्ड में जाति संबंधी उल्लेखों पर रोक लगा दी है। यह निर्णय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, लेकिन इसका वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक है। यह केवल एक प्रशासनिक पहल नहीं बल्कि समाज को जातिगत बंधनों से मुक्त करने की दिशा में क्रांतिकारी प्रयास है। राजनीतिक दलों ने जाति आधारित वोटों को लुभाने एवं राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकने के लिये समाज को बांटा है। यह गौर करने की बात है कि जाति आधारित संगठनों और रैलियों की बाढ़ आ गई है, जिससे एक-एक जाति के अनेक संगठन बने और इन जातिगत संगठनों ने सड़कों पर उतर कर न केवल सार्वजनिक व्यवस्था, इंसान-इंसान के बीच दूरियां-विद्वेष बढ़ा दिया बल्कि राष्ट्रीय एकता को भी क्षत-विक्षत कर दिया।

भारतीय समाज में जातिवाद की जड़ें गहरी हैं। जाति व्यवस्था ने कभी सामाजिक पहचान और श्रम विभाजन का आधार बनकर काम किया, लेकिन समय के साथ यह भेदभाव, असमानता और सामाजिक विद्वेष का कारण बन गई। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा था- जातिवाद समाज की आत्मा को खोखला करता है। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने तो इसे भारतीय प्रगति की सबसे बड़ी बाधा बताया था। दुर्भाग्य से आजादी के बाद भी जातिवाद ने राजनीति और समाज दोनों में गहरी पैठ बनाई और देश की एकता को कमजोर करने का काम किया। जाति-आधारित राजनीति ने सत्ता के समीकरण तो बदले लेकिन समाज को बांटने का काम किया। चुनाव के समय उम्मीदवारों का चयन जातिगत समीकरणों के आधार पर होता रहा।

समाज के बंटवारे का यह खेल लोकतंत्र के स्वस्थ आदर्शों के लिए चुनौती बना। जातिगत रैलियां और प्रदर्शन सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करते रहे। पुलिस रिकॉर्ड में जाति का उल्लेख अपराधी को अपराधी नहीं बल्कि किसी जाति का प्रतिनिधि बना देता था, जिससे कानून-व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ता था। इन जटिल स्थितियों में योगी सरकार का यह निर्णय विषमताओं एवं विसंगतियों को समाप्त करने की दिशा में एक नया अध्याय है। यदि इसे सख्ती और ईमानदारी से लागू किया गया तो निश्चित ही समाज में सौहार्द, भाईचारा और समानता का वातावरण बनेगा। जाति-आधारित पहचान की जगह व्यक्ति की योग्यता, आचरण और योगदान को महत्व मिलेगा।

किसी जाति के प्रति लगाव दशार्ने के लिए किसी अन्य जाति को नीचा दिखाने की भी गलत परंपरा पड़ती दिख रही है। जाति आधारित पोस्टर या प्रतीक न केवल गलियों में, मकानों पर बल्कि अपने वाहनों पर भी लगाए जा रहे हैं। ऐसे में, परस्पर भेद, ऊंच-नीच की भावना बढ़ती जा रही है। ऐसे भेद को मिटाने की मांग उठती रही है। समाज के लिए चिंतित रहने वाले लोग यही चाहते हैं कि जातिगत झंडों और पोस्टरों पर एक हद तक लगाम लगनी चाहिए, लेकिन ऐसा साहस राजनीतिक स्वार्थों के चलते अब तक किसी भी राजनेता ने नहीं दिखाया, लेकिन योगी सरकार ने यह साहस दिखाया है तो उसका स्वागत होना ही चाहिए। योगी सरकार द्वारा जारी 10 सूत्रीय दिशा-निर्देश में यह बात विशेष रूप से गौर करने लायक है कि अब जाति के नाम, नारे या स्टिकर वाले वाहनों का केंद्रीय मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत चालान किया जाएगा।

यहां तक कि प्रथम सूचना रिपोर्ट में भी जाति को दशार्ने से बचा जाएगा। अभी तक होता यह है कि अपराधी जाति के आधार पर अपनी पहचान बना लेते हैं और मजबूत हो जाते हैं।

यह बहुत अफसोस की बात है कि विशेष रूप से चुनाव के समय जाति आधारित बैनरों की बाढ़ आ जाती है। राजनीतिक दल एवं नेता जातिगत समीकरणों से समाज को बांटने में जुट जाते हैं। लेकिन अब यूपी सरकार की मंशा सराहनीय है और इन दिशा-निर्देशों को पूरी तरह से लागू करने की जरूरत है। वाकई समाज से अपराध को मिटाने के लिए अपराधी की जाति देखना गैर-वाजिब है। हां, यह सावधानीपूर्वक कुछ मामलों में जाति का उल्लेख करने की छूट दी गई है। जैसे, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मामलों में जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल होता रहेगा। वाकई, कुछ मामले ऐसे होते हैं, जहां जाति की चिंता या उल्लेख जरूरी हो जाता है। यह भूलना नहीं चाहिए कि जाति आधारित भेदभाव अभी भी कई जगहों पर देखने को मिल जाता है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर भेदभाव की शिकायतें अक्सर आती हैं, ऐसे में, प्रशासन को ज्यादा सजग रहना पड़ेगा। निर्देश जारी हो जाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि जातिगत भेदभाव के बिंदुओं को खोज-खोजकर मिटाने की ईमानदार पहल भी जरूरी है। सामाजिक चिंतक विनोबा भावे कहा करते थे जाति का भेद मिटेगा तो समाज में भाईचारा और सहयोग की भावना पनपेगी। वास्तव में जातिवाद केवल सामाजिक समस्या नहीं बल्कि मानसिकता का रोग है। जब तक समाज इसे स्वीकार करता रहेगा, तब तक सच्चा विकास संभव नहीं।

योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में एक आदर्श समाज व्यवस्था निर्मित करने के लिए प्रतिबद्ध दिखाई देते हैं। उन्होंने जातिवाद के विरुद्ध आवाज ही नहीं उठाई, अपने राजनीतिक जीवन के अनेक उदाहरणों से समाज को सक्रिय प्रशिक्षण भी दिया। वे समता के पोषक हैं, इसलिये उन्होंने पूरी शक्ति के साथ जाति के दंश, प्रथा एवं विसंगति पर प्रहार कर मानवीय एकता का स्वर प्रखर किया। उनके शासन की सबसे बड़ी विशेषता यह रही है कि उन्होंने कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता दी, जिससे राज्य में अपराध और अराजकता पर काफी हद तक नियंत्रण पाया गया। सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास की नीति पर चलते हुए उन्होंने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं लागू कीं। बुनियादी ढांचे के विकास, धार्मिक स्थलों के पुनरोद्धार, निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन में भी उनके प्रयास उल्लेखनीय हैं। उनकी सकारात्मक सोच का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकासशील राज्यों में गिना जाने लगा है और जातिवाद, भ्रष्टाचार और असुरक्षा की छवि से बाहर निकलकर एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उनकी ताजा पहल समाज को बताती है कि नई पीढ़ी को जाति नहीं, योग्यता और नैतिकता के आधार पर आगे बढ़ना चाहिए। यह निर्णय राजनीतिक दलों के लिए भी चेतावनी है कि उन्हें जातिगत समीकरणों की राजनीति छोड़कर राष्ट्रहित और जनहित की राजनीति करनी होगी।

जाति, रंग, भाषा आदि के मद से सामाजिक एवं राजनीतिक विक्षोभ पैदा होता है, इसीलिये यह पाप की परम्परा को बढ़ाने वाला पाप है। इसके कारण राष्ट्रीयता को भूल कर जातिगत संकीर्णताओं को लोग आगे बढाते रहे हैं, एक जाति के लोग मजबूत होने के बाद वे अपनी जाति को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार रहते हैं। यह धारणा भी बढती. रही है कि सबको अपनी जाति की चिंता करनी चाहिए। यह भ्रांति भी फैल रही है कि अपनी जाति के लोग या अधिकारी या नेता ही अपनी जाति के समुदाय या लोगों की मुसीबत में साथ खड़े होते हैं। ऐसी तमाम सामाजिक व प्रशासनिक खामियों एवं विडम्बनाओं से उबरने की जरूरत योगी सरकार ने महसूस की है। अन्यायी के खिलाफ बिना जाति देखे खड़ा होना चाहिए। संविधान की भी मंशा यही है कि हर नागरिक को अपने समाज की ताकत बनकर आगे बढ़ना चाहिए और ध्यान रहे, यह समाज मात्र एक जाति आधारित न रहे। हर जाति महत्वपूर्ण है और सबका विकास हो, पर जाति आधारित लगाव या राजनीति का दिखावा खत्म होना चाहिए। योगी आदित्यनाथ सरकार का यह कदम भारतीय समाज को जातिवाद की जंजीरों से मुक्त कराने का बड़ा अवसर है। यह केवल उत्तर प्रदेश ही नहीं, पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकता है। अब आवश्यकता है कि अन्य राज्य भी इसे अपनाएं और भारत को सच्चे अर्थों में समानता, न्याय और बंधुत्व की धरती बनाएं।

अब तो और भी प्रासंगिक हैं दीनदयाल उपाध्याय और उनके विचार

डॉ. उदय भान सिंह

एकात्म मानव दर्शन, 'अंत्योदय', 'स्व' व 'चिति' जैसे कालजयी तथा भारतीय दर्शन पर आधारित अवधारणा देने व वर्तमान समय के अनुसार उनकी व्याख्या करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जन्म जयंती 25 सितंबर को है। जिस प्रकार की आज राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियाँ उत्पन्न हुई है, ऐसे में उपाध्याय का एकात्मक मानव दर्शन,अंत्योदय व अन्य सिद्धांतों को समझना और उन्हें आत्मसात कर क्रियान्वित करना समय की प्रबल मांग है।

विश्व के विभिन्न कोनों में हम आज हम अफरा -तफरी स्वार्थ, हिंसा, एक दूसरे से गलाकाट प्रतिस्पर्धा, देशों के बीच खूनी संघर्ष, एक -दूसरे को नीचा दिखाने की कुत्सित मानसिकतायें व ऐसी ही अनेक समस्याओं से जूझती मानवता को सहज ही देख सकते हैं। ऐसे में समाधान के रूप में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार और उनके दर्शन उभर कर सामने आते हैं।

उपाध्याय का एकात्मक मानव दर्शन वास्तव में भारतीय संस्कृति के उन मूल्यों पर आधारित है आधारित है, जो व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य पर जोर देता है। दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि "एकात्म मानवदर्शन" अर्थात मानव को उसके समग्र रूप में देखना–शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का समन्वय और व्यक्ति, समाज, राष्ट्र तथा सृष्टि के साथ उसका संबंध।यह पश्चिमी भौतिकवाद और साम्यवाद के विपरीत, आत्मा, संस्कृति और सामाजिक कल्याण को केंद्र में रखता है, व्यक्ति को समग्र विकास के लिए प्रेरित करता है। यदि दुनिया का हर व्यक्ति, हर समाज, हर देश और कुल मिलाकर पूरी दुनिया अगर इस भाव को अंगिकार कर ले तो निश्चित रूप से न केवल विश्व शांति की स्थापना हो पाएगी बल्कि भारत का ही दर्शन "उदार चरितानाम, वसुधैव कुटुंबकम" की भावना सार्थक सिद्ध हो पाएगी। आज इसकी बहुत आवश्यकता है। यदि ऐसा हो पाया तो निश्चित रूप से न केवल वैश्विक शांति की स्थापना होगी बल्कि पर्यावरण का संरक्षण होगा, व्यक्ति का व्यक्ति से स्नेह संबंध स्थापित होगा, व्यक्ति, समाज, प्रकृति व सृष्टि का संबंध भी मधुर हो पाएगा।

उपाध्याय की एक अन्य अवधारणा है "स्व"। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 'स्व' की अवधारणा भारतीय दर्शन और एकात्म मानवदर्शन के सिद्धांत पर आधारित है। उनके अनुसार, 'स्व' व्यक्ति की आंतरिक आत्मा और उसकी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है, जो भारतीयता के मूल्यों से जुड़ा है। यह अवधारणा केवल व्यक्तिगत स्वार्थ तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय हितों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। उपाध्याय जी का मानना था कि प्रत्येक व्यक्ति का 'स्व' समाज और राष्ट्र के साथ एकीकृत है, और इसका विकास तभी संभव है जब व्यक्ति अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को अपनएगा। अपने अनेक उद्बोधनों में उन्होंने "स्व" की व्याख्या की है।

उनके विचार में, 'स्व' का अर्थ है आत्म-सम्मान, आत्म-निर्भरता और आत्म-साक्षात्कार। यह व्यक्ति को स्वयं के कर्तव्यों और समाज के प्रति उत्तरदायित्वों से जोड़ता है। उन्होंने पश्चिमी भौतिकवादी दृष्टिकोण के बजाय भारतीय दर्शन पर आधारित एक ऐसे समाज की कल्पना की, जहां व्यक्ति और समाज परस्पर सहयोग से समृद्ध हों। उपाध्याय जी के लिए 'स्व' का तात्पर्य था- व्यक्ति का अपने धर्म, संस्कृति और मूल्यों के प्रति निष्ठा, जो अंततः राष्ट्र के उत्थान में योगदान दे। इस प्रकार, उनकी 'स्व' की अवधारणा एकात्म मानवदर्शन का ही मूल आधार है, जो व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में बांधती है।

आज जिस प्रकार की राष्ट्रीय परिस्थितियाँ उभर कर सामने आई हैं जिसमे कहीं भाषा के आधार पर, कहीं जाति के आधार पर, तो कहीं क्षेत्र के आधार पर जो विभाजनकारी तत्व अपने निहित स्वार्थ के लिए काम कर रहे हैं, ऐसे में शेष समाज को उपाध्याय जी के "स्व" के सिद्धांत को समझने,और आत्मसात कर राष्ट्रीय एकता को अखंड, अक्षुण और मजबूत बनाये रखने की अत्यंत आवश्यकता है।

आज के सन्दर्भ में दीनदयाल की एक और अवधारणा को अंगिकृत कर व्यावहारिक जीवन में उतरने आवश्यकता है। वह है "चिति" दर्शन। उनका 'चिति' दर्शन उनके एकात्म मानवदर्शन का मूल आधार है, जो राष्ट्र की आत्मा और सांस्कृतिक पहचान को परिभाषित करता है। 'चिति' को राष्ट्र की आंतरिक आत्मा अथवा मूल स्वरुप के रूप में समझा जाता है। वास्तव में "चिति" किसी सभ्यता की अनोखी सांस्कृतिक पहचान और चेतना का प्रतिनिधित्व करती है।यह राष्ट्र के जन्म से ही मौजूद होती है और राष्ट्र की दिशा निर्धारित करती है।उपाध्याय जी के अनुसार, "चिति राष्ट्र की आत्मा है। "चिति" राष्ट्र की सांस्कृतिक दिशा तय करती है, और जो कुछ "चिति" के अनुरूप होता है, वही संस्कृति में शामिल होता है। यह एक प्रकार की आदर्श स्थिति या मूल सिद्धांत है, जो राष्ट्र को उसके लक्ष्य, आदर्श और मिशन से जोड़ती है।हर राष्ट्र की अपनी "चिति" होती है, जो उसकी सांस्कृतिक और सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं को निर्धारित करती है। उपाध्याय जी का मानना था कि भारत का विकास मॉडल अपनी "चिति" पर आधारित होना चाहिए, न कि पश्चिमी विचारधाराओं पर। "चिति" राष्ट्र की संस्थाओं और सामूहिक जीवन को आकार देती है, और राज्य का उद्देश्य "चिति" की रक्षा करना है। अतः आज भारतीय राज्य, समाज,प्रशासन, परिवार और प्रत्येक व्यक्ति को अपने मूल स्वभाव अर्थात "चिति" को समझ कर ही कर्तव्य -व्यवहार करने की आवश्यकता है।

दीनदयाल का मानना था कि समाज के अंतिम पायदान पर खडे व्यक्ति अर्थात समाज के गरीब-गुरबा व उनके भी बीच का सबसे ज्यादा जो गरीब है, वंचित है, उसका जब तक उदय अर्थात विकास नही होगा, विकास व कल्याण की रौशनी नही पहुंचेगी, तब तक राज्य के प्रयत्न सार्थक नही होंगें। इसलिये अंत्योदय दर्शन पर आधारित राज्य व सरकारों की नीतियाँ न केवल बनें बल्कि उनका सही रूप में क्रियान्वयन भी हो और समय-समय पर उनका अंकेक्षण भी हो, तभी अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति की जा सकती है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन, "स्व" की अवधारणा, "अंत्योदय" तथा "चिति" दर्शन मानव-केंद्रित दृष्टिकोण है, जो भौतिकता और आध्यात्मिकता के बीच जैविक एकता को बढ़ावा देकर सम्पूर्ण मानवता के कल्याण की आधारशीला रखते हैं। विकसित भारत, सह अस्तित्व पर आधारित वैश्विक समाज की स्थापना और मानव-मानव के बीच सौहार्द निर्माण रुपी लक्ष की प्राप्ति उपाध्याय जी के इन्हीं शास्वत विचार मूल्यों पर चलकर ही प्राप्त किए जा सकते हैं।

बानू मुश्ताक : मैसूर दशहरा में हिंदू आस्था पर राजनीतिक प्रहार

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता और धार्मिक सहिष्णुता है। यहां सहअस्तित्व की परंपरा सदियों से रही है। किंतु इस परंपरा का लाभ उठाकर तुष्टिकरण की राजनीति ने भारतीय समाज को भीतर से कितना कमजोर किया है, इसका उदाहरण एक बार फिर कर्नाटक से सामने आया है। हाल ही में कर्नाटक के मैसूर दशहरा महोत्सव में घटित प्रकरण देखा जा सकता है।

22 सितंबर 2025, सोमवार को नवरात्रि का प्रारंभ हुआ। यह वह समय था जब देशभर के मंदिरों में कलश स्थापना और देवी की पूजा-अर्चना की जा रही थी। किंतु इसी दिन कांग्रेस शासित कर्नाटक में कहीं ऐसा भी कुछ घट रहा था जो लाखों हिंदुओं की आस्था को आहत पहुंचा रहा था। मैसूर का विश्व प्रसिद्ध दशहरा महोत्सव, जिसकी शुरूआत माँ चामुंडेश्वरी मंदिर से होती है, इस बार बानू मुश्ताक नामक मुस्लिम लेखिका के हाथों सम्पन्न कराया गया। उन्होंने मंदिर में प्रवेश कर देवी की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किए और अनुष्ठान की औपचारिक शुरूआत की।

पहली नजर में यह शायद समावेशिता और धार्मिक सौहार्द का प्रयास लगे, लेकिन इसकी हकीकत वस्तुतः हिंदू आस्था पर सीधा प्रहार है। क्योंकि बानू मुश्ताक न केवल इस्लामिक पृष्ठभूमि से आती हैं बल्कि वे बार-बार सार्वजनिक मंचों पर देवी-पूजा को अंधविश्वास करार देती रही हैं। उन्होंने देवी की शक्ति को नकारते हुए पूर्व के अपने कथनों में कई बार कहा है कि वास्तविक शक्ति किसी मूर्ति से नहीं, बल्कि निराकार (अल्लाह) से आती है। इसे आप उनका सीधे-सीधे हिंदू देवी-पूजा पर चोट करना भी मान सकते हैं।

इतना ही नहीं, उन्होंने कन्नड़ भाषा और संस्कृति पर भी सवाल उठाए हैं। कन्नड़भाषी समुदाय लंबे समय से भाषा को देवी सरस्वती से जोड़कर गर्व महसूस करता है। लेकिन बानू मुश्ताक का कथन है कि भाषा केवल संप्रेषण का माध्यम है, इसका देवी से कोई लेना-देना नहीं। इसे देवी सरस्वती की देन मानना भटकाव है। यह वक्तव्य कन्नड़भाषियों की गहरी आस्था को चोट पहुँचाने वाला तो है ही, साथ में हर उस हिन्दू का अपमान है, जो भाषाओं में मां सरस्वती का आराधन करते हैं । यही नहीं, उन्होंने यह भी कहा कि देवी-देवताओं की पूजा समाज को विभाजित करती है और समानता तभी संभव है जब लोग मूर्तियों से ऊपर उठकर एक ईश्वर को मानेंगे। यह दृष्टिकोण पूरी तरह इस्लामी एकेश्वरवाद का परिप्रेक्ष्य है, जो बहुदेववाद को नकारता है। स्पष्ट है कि जिन विचारों में दशहरा जैसे पर्व की आत्मा को नकारा जाता है, उन्हीं विचारों से जुड़े व्यक्ति को मुख्य अतिथि बनाना क्या ये हिंदू समाज की भावनाओं का अपमान नहीं है?

महिला सशक्तिकरण पर भी उनके विचार विवादित हैं। उन्होंने कहा कि महिला को शक्ति देवी दुर्गा या चामुंडेश्वरी से नहीं मिलती, बल्कि शिक्षा और अधिकारों से मिलती है। पहली नजर में यह प्रगतिशील विचार लगता है, परंतु जब इसे देवी-पूजा को नकारते हुए प्रस्तुत किया जाता है तो यह उस मानसिकता को दशार्ता है जो पारंपरिक आस्था को खारिज करने पर आमादा है। विडंबना यह है कि इस्लाम के भीतर महिला अधिकारों पर प्रश्न उठाने से वह हमेशा बचती रही हैं, लेकिन सनातन परंपरा को कटघरे में खड़ा करने से कभी नहीं चूकतीं।

अब प्रश्न उठता है कि आखिर ऐसी महिला को दशहरा जैसे महोत्सव का मुख्य अतिथि क्यों बनाया गया? उत्तर स्पष्ट है कि यह तुष्टिकरण की राजनीति का हिस्सा है। कांग्रेस सरकार दिखा रही है कि वह अल्पसंख्यक समुदाय की प्रतिनिधि है, सरकार बानू मुश्ताक के जरिए स्पष्ट तौर पर बता रही है कि वो जो चाहे कर सकती है, बहुसंख्यक परंपराओं के केंद्र में बैठ कर उसे जो करना होगा वह करेगी और कोई उसका कुछ नहीं कर सकता । देखा जाए तो यह केवल धार्मिक तटस्थता का प्रयास नहीं, बल्कि बहुसंख्यक आस्थाओं की अवहेलना और अपमान है।

इस पूरे मामले को जब न्यायालय में चुनौती दी गई तो अदालत ने इसे सरकारी कार्यक्रम कहकर याचिका खारिज कर दी। सवाल यह है कि क्या सदियों से चला आ रहा एक आगमिक अनुष्ठान महज सरकारी आयोजन है? फिर तो हर बड़े आयोजन और मंदिरों में सरकार का हस्तक्षेप है, कल को हर कार्यक्रम में जिसमें सरकार इस तरह से करना चाहेगी, वो करेगी और हिन्दू सिर्फ सामने से देखता रहेगा?

कहने को यह विवाद केवल एक आयोजन का है, परंतु इसके दूरगामी निहितार्थ हैं। इससे यह संदेश गया है कि हिंदू पर्व और परंपराएँ अब राजनीतिक सौदेबाजी के लिए बिकाऊ वस्तु बन चुकी हैं। यह समाज की सांस्कृतिक अस्मिता के लिए गंभीर खतरा है। यदि आज हिंदू समाज सजग नहीं होगा, तो कल उसके मंदिर, उसकी परंपराएँ और उसकी आस्थाएँ पूरी तरह से राजनीतिक प्रयोगशाला में बदल जाएँगी। यहां यह प्रश्न भी उठता है कि क्या यह पहली बार हुआ है जब कांग्रेस ने हिंदुओं की आस्था पर प्रहार किया? बिल्कुल नहीं। अतीत में ऐसे सैकड़ों उदाहरण भरे पड़े हैं जब मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए हिंदू परंपराओं को नीचा दिखाया गया। लेकिन सवाल यह है कि आखिर बार-बार कांग्रेस को यह अवसर कौन देता है? जवाब स्पष्ट है, वही हिन्दू जनता, जो वोट डालते समय अपनी आस्था और अस्मिता को भूल जाती है और फिर बाद में उसकी उपेक्षा पर विलाप करती है।

दैनिक पंचांग

24 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

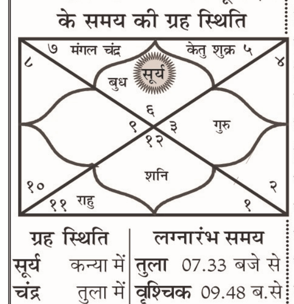

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.33 बजे से
चंद्र	तुला में	वृश्चिक	09.48 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	12.04 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.09 बजे से
गुरु	मिथुन में	कुंभ	15.56 बजे से
शुक्र	सिंह में	मीन	17.28 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.59 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.39 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.37 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.51 बजे से
12.00 से 1.30		सिंह	03.07 बजे से
बजे तक		कन्या	05.19 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 267 वा दिन
दिशाशूल उत्तर
ऋतु शरद।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास आश्विन **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया अहोरात्र।
नक्षत्र चित्रा 16.17 बजे को समाप्त।
योग इन्द्र 21.03 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 17.57 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 02.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 00° 29'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872477
जूलियन दिन 2460942.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रबी उस्सानी
तारीख 01

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

तोरपा विधायक के पहल से लगा नया ट्रांसफॉमर

तोरपा : विधानसभा अंतर्गत रायसिमला के बांघटोला में ट्रांसफॉर्मर खराब होने की सूचना ग्रामीणों द्वारा तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया जी को दी गई थी। आज नये ट्रांसफार्मर का पहान के हाथों उद्घाटन संपन्न कराया, अब ग्रामीणों को निर्बाध विद्युत की आपूर्ति होती रहेगी। इस क्षेत्र में बिजली आपूर्ति को और अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और सुचारु बनाने की दिशा में यह एक महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। मौके पर युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमृत हेमरोम, प्रखंड सचिव जेम्स आईंद, चन्दन ठाकुर, संदीप टोप्पो, इनोसेंट आईंद ,सोमा उरांव इत्यादि उपस्थित रहे।

पार्किंग को रेलवे बना रहा है मुनाफाखोरी का धंधा : सरयू राय

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम के टाटानगर रेलवे स्टेशन की पार्किंग व्यवस्था को लेकर विधायक सरयू राय और रेलवे प्रशासन के बीच विवाद गहराता जा रहा है। मंगलवार को विधायक सरयू राय ने रेलवे को कटघरे में खड़ा किया। विधायक सरयू राय ने कहा कि रेलवे पार्किंग को मुनाफाखोरी का धंधा बना रहा है। यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देने के बजाय रेलवे ऊंचे दर पर पार्किंग का ठेका देकर विवाद को जन्म दे रहा है। विधायक ने 29 अगस्त को रेलवे को पत्र लिखकर टाटानगर रेलवे स्टेशन की पार्किंग में पांच घंटे वाहन खड़ा करने पर एक यात्री से 5310 रुपये वसूले जाने की घटना पर आपत्ति जताई थी। इस पर रेलवे के सहायक वाणिज्य प्रबंधक, चक्रधरपुर ने जवाब देते हुए कहा कि पार्किंग की ठेकेदारी ई-नीलामी से होती है और इसमें रेलवे की कोई भूमिका नहीं होती। रेलवे के इस जवाब से असंतुष्ट विधायक ने कहा कि रेलवे को यह भली-भांति पता है कि स्टेशन पर रोज कितनी गाड़ियां आती-जाती हैं और यात्रियों की कितनी संख्या है। ऐसे में पार्किंग ठेके को ऊंची दर पर नीलाम करना और फिर मौन रहना दर्शाता है कि रेलवे स्वयं इसे मुनाफाखोरी का साधन बना रहा है। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति ऊंची बोली लगाकर ठेका लेगा, वह यात्रियों पर बोझ डालने और अनुचित तरीके से पैसा वसूलने का ही प्रयास करेगा।

दशहरा और दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन ने की बैठक

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम समाहरणालय सभागार में मंगलवार को आगामी दशहरा और दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त चंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक अमित रेनू ने संयुक्त रूप से की। उपायुक्त की अगुवाई में हुई बैठक में शांति, सुरक्षा और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने लिए अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किये गये। अधिकारियों को सभी पूजा पंडालों, धार्मिक स्थलों, विसर्जन मार्गों और घाटों का नियमित निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। पूजा आयोजकों को सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र, पहचान पत्रयुक्त स्वयंसेवकों की तैनाती, महिला-पुरुष के लिए पृथक प्रवेश और निकास द्वार जैसी व्यवस्था अनिवार्य रूप से सुनिश्चितकरने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही बैठक में राज्य मुख्यालय से प्राप्त चेकलिस्ट के अनुसार तैयारियां सुनिश्चित करने, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क सूत्र, क्या करें? क्या न करें? की सूची का प्रदर्शन, डीजे संचालकों और आयोजकों की सूची जिला प्रशासन को उपलब्ध कराने की बात कही गई। उपायुक्त ने सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक संदेशों पर निगरानी रखने, ग्रुप एडमिन को ऐसे संदेशों को हटाने के लिए सूचित करने और जिला एवं अनुमंडल मुख्यालयों में कंट्रोल रूम का संचालन पूरी तत्परता से करने को कहा।

जेसी ज्वेलर्स लूट का खुलासा चार गिरफ्तार, हथियार बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : दिनांक-07.09.2025 को गोलपार स्थित गणक मैरेज हॉल के बगल जे०सी० ज्वेलर्स में अज्ञात 05-06 अपराधकर्मियों के द्वारा पिस्टल का भय दिखाकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना की गंभीरता को देखते हुये इसके उद्भेदन हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय, रामगढ़ के द्वारा परमेश्वर प्रसाद, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़ के नेतृत्व में एक एसआईटी का गठन किया गया था। गठित टीम के द्वारा जे०सी० ज्वेलर्स दुकान में लगे सीसीटीवी में आये फुटेज का अवलोकन एवं तकनीकी अनुसंधान के आधार पर काण्ड में संलिप्त अपराधकर्मियों के गिरफ्तारी हेतु लगातार अलग-अलग जगह पर छापामारी की जा रही थी। गठीत एसआईटी के द्वारा करीब 1000 से ज्यादा सी०सी०टी०वी० फुटेज का अवलोकन किया गया। तकनीकी साक्ष्य का संकलन कर अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में करीब एक दर्जन जगहों पर छापामारी गयी। इसी क्रम में आज दिनांक 23.09.2025 को अजय कुमार (भा०पु० से०), पुलिस अधीक्षक महोयद, रामगढ़ को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि कल दिनांक 22.09.25 को गढ़या में स्थित जेवलर्स दुकान में लूट की घटना में असफल होने के पश्चात आज बोकारो (चास) स्थित जेवलर्स दुकान में लूट करने के लिये जे०सी० ज्वेलर्स में संलिप्त अपराधकर्मी लूटपाट की घटना के अंजाम देने की योजना बनाने के लिये गोबरदाहा हुहुवा क्षेत्र में एकत्रित होने वाले है। पुलिस अधीक्षक महोदय के माध्यम से गठित एसआईटी को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश प्राप्त हुआ। तत्पश्चात गठित एसआईटी टीम गोबरदाहा स्थित ईट भट्ठा जाने वाले सुनसान जगह पर पहुँची तो पुलिस बल को देखकर 04-05 व्यक्ति पुलिस बल को देखकर भागने लगे, जिसे पुलिस बल के द्वारा चार व्यक्ति को दौड़ाकर पकडा गया एवं एक व्यक्ति मोटर साईकिल से भागने में सफल रहा। पकडाये व्यक्तियों से नाम-पता पूछने पर अपना-अपना नाम क्रमशः 1. रूपेश विश्वकर्मा उर्फ पंकज पिता स्व० सुरेश विश्वकर्मा, सा०-सिन्दुरिया, थाना-भवनाथपुर, जिला-गढ़या, 2. धीरज मिश्रा पे०-संतोष मिश्रा, ग्राम पाण्डेयपुर, थाना-सकरौल, जिला-बक्सर (बिहार), 3. राहुल यादव पिता नरेश यादव, ग्राम अंकोराह, थाना-एन०टी०पी०सी० खैरा, जिला-औरंगाबाद (बिहार), 4. सौरभ राम उर्फ सौरभ कुमार उर्फ छोटू उर्फ शेखर पिता-शिव राम, सा० भट्टी, डाल्टनगंज, थाना-नगर, जिला-पलामू बताया जिसे विधिवत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से अवैध अग्नेयास्त्र (दो पिस्टल एवं दो देशी कट्टा एवं गोली 21 जिन्दा गोली) की बरामदगी हुई है। उक्त अपराधिक गिरोह लगभग पन्द्रह वर्षों से झारखण्ड एवं बिहार के दर्जनों जिलों में बैंक एवं ज्वेलरी शॉप में डाका डाल चुके है। इस अपराधिक गिरोह के द्वारा रामगढ़ थानान्तर्गत दिनांक-07.09.2025 को जे०सी० ज्वेलर्स दुकान में घटना कारित करने की बात को स्वीकार किया है।

बोनस भुगतान पर सीटू ने प्रबंधन के रुख पर जताया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला के गुवा सीटू कार्यालय में मंगलवार को सीटू यूनियन के अध्यक्ष इंद्रमणि बेहेरा और महासचिव कॉमरेड रमेश गोप की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में बोनस और अन्य लंबित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक दौरान श्रमिक प्रतिनिधियों ने एस्ट्रालियस सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एएसपीएलआईएस) के बोनस फॉमूर्ले की समीक्षा की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया गया कि वर्ष 2023 और 2024 में बोनस भुगतान घटकर आधा हो गया, जबकि उत्पादन में लगातार वृद्धि हुई। श्रमिकों ने 40 हजार 500 रुपये से कम बोनस नहीं देने की मांग दोहराई। 39 माह के बकाया, अतिरिक्त वेतन वृद्धि और अनुबंध श्रमिकों के वेतन ढांचे पर भी चर्चा हुई। प्रबंधन ने 29 हजार 500 रुपये के भुगतान का प्रस्ताव रखा, जिसे श्रमिकों ने खारिज कर दिया। विचार-विमर्श के दौरान 32 हजार 500 रुपये का प्रस्ताव सामने आया, लेकिन प्रबंधन 31 हजार रुपये से अधिक पर तैयार नहीं हुआ। सीटू ने श्रमिकों की एकजुटता बनाए रखने के लिए केंद्रीय ट्रेड यूनियन के प्रस्ताव का विरोध नहीं किया। बैठक में प्रतिनिधियों ने प्रबंधन के अहंकारी और श्रमिक विरोधी रवैये की कड़ी आलोचना की।

प्रधानमंत्री मोदी की सक्रिय कूटनीति ने बढ़ाई भारत की वैश्विक स्थिति : विधायक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : भारतीय जनता पार्टी रामगढ़ जिला द्वारा सुभाष चौक दुर्गा मंदिर के समीप जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता के अध्यक्षता में दिन के 11:30 बजे सेवा पखवारा के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वर्ष के जीवन यात्रा को चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बड़कागांव विधायक एवं भाजपा नेता रोशन लाल चौधरी और जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता के साथ किया । विधायक रोशन लाल चौधरी ने जिला अध्यक्ष तथा उपस्थित जिला और मण्डल के पदाधिकारियों के साथ सेवा ही संकल्प राष्ट्र सर्वप्रथम की प्रेरणा के 75 वर्ष अनुभूति और प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उपस्थित समुदायों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय कूटनीति के कारण भारत की वैश्विक स्थिति में बड़ा सुधार हुआ है । 50 से अधिक देशों की यात्राओं से भारत में शक्ति का संतुलन बनाने अपना प्रभाव बढ़ाने और पड़ोसी प्रथम तथा एक्ट ईस्ट जैसी नीतियों को आगे बढ़ाने में सफलता हासिल की है । आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व और राष्ट्र प्रथम,एक विश्व के सिद्धांत पर चलते हुए भारत ने स्वयं को एक विश्वबंधु के रूप में स्थापित किया है जो संकट के समय सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाले देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता टोला,मोहल्ला पंचायत और गांव के हर घर सेवा कार्य को लेकर जायेंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने कहा कि 17 सितम्बर प्रधानमंत्री मोदी जी के जन्मदिन से लेकर 2 अक्टूबर गांधी शास्त्री जयंती तक सेवा पखवारा के तहत कई कार्यक्रम शुरू किए गए हैं आज उसी के निमित चित्र प्रदर्शनी और प्रबुद्ध सम्मेलन में संगोष्ठी का आयोजन किया गया है।

उपायुक्त ने अपेक्षापूर्ण कार्य नहीं करने पर एमओ को किया शोकॉज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : उपायुक्त समीरा एस ने मंगलवार को समाहरणालय में आपूर्ति विभाग की ओर से किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने एनएफएसए, ग्रीन कार्ड, सोना-सोबरन धोती-साड़ी योजना, आदिम जनजाति परिवार कल्याण योजना का प्रखंडवार समीक्षा करते हुए शत-प्रतिशत योग्य लाभुकों को लाभान्वित करने के निर्देश दिया। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत अगस्त और सितंबर माह में किये गये खाद्यानों के वितरण का समीक्षा की गयी। एनएफएसए अंतर्गत माह अक्टूबर 25 का खाद्यान्न के उठाव और डीएसडी की गोदामवार समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने पीवीटीजी योजना अंतर्गत खाद्यान्न वितरण की समीक्षा करते हुए पीवीटीजी समूहों के बीच शत प्रतिशत राशन वितरण कराने की बात कही। कई एमओ की ओर से बताया गया कि सभी लाभुकों के बीच सितंबर माह का राशन वितरण कर दिया गया है, लेकिन ई-पॉश मशीन खराब रहने के कारण एंट्री नहीं हो पायी है। डीसी ने कहा कि यह सुनिश्चित होना चाहिये कि एक भी पीवीटीजी लाभुक बगैर राशन के नहीं रहे। बैठक में उपायुक्त ने बीएसओ लॉगिन में पेंडिंग एप्लीकेशन की समीक्षा की। सभी एमओ को उनके लॉगिन में पड़े आवेदनों को डीएसओ लॉगिन में फॉरवर्ड करने की बात कही।

समाजसेवियों ने बासल में लगाया मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बासल थाना के पास समाजसेवियों द्वारा मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य सिविल में चिकित्सा मौसमी मंडल अपने सहकर्मियों के साथ स्वास्थ जांच शिविर में शामिल होकर ग्रामीणों का स्वास्थ जांच किया गया। चिकित्सा मौसमी मंडल द्वारा बताया गया कि जांच शिविर में अधिकतर एनीमिया जैसे बीमारी से ग्रस्त महिलाएं आ रही है। जिससे जांच कर दवा के साथ उचित खान-पान के संबंध में भी बताया जा रहा है। गर्भवती महिलाओं को शरीर में खून की कमी होने के कारण जच्चा और बच्चा दोनों को ही कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही क्षेत्र में टाइफाइड व मलेरिया जैसे बीमारी से भी ग्रस्त लोगों भी इस स्वास्थ जांच शिविर में आ रहे हैं। जिनकी जांच कर दवा उपलब्ध कराया जा रहा है।

कुडमी समाज को एसटी में शामिल करने के विरोध में आदिवासी समाज ने निकाली मोटरसाइकिल रैली

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : बरकाकाना कुडमी जाति को एसटी वर्ग में शामिल किए जाने व कुडमाली भाषा को मान्यता दिलाए जाने को लेकर पिछले दिन राज्य के विभिन्न स्थानों पर रेल टेका दहर छेका आंदोलन कर रेल परिचालन बाधित कर दिया गया था। जिस आंदोलन में कुंडली समाज के कई विधायक व सांसद शामिल हुए थे। कुडमी समाज के लोगों द्वारा आंदोलन किए जाने के बाद से ही कई आदिवासी संगठन द्वारा कुडमी समाज को एसटी वर्ग में शामिल किए जाने के मांग को गलत बताते हुए विरोध किया जाने लगा है। बरकाकाना क्षेत्र में आदिवासी समाज के लोगों द्वारा मोटरसाइकिल रैली निकालकर अपना विरोध प्रदर्शन किया गया। आदिवासी समाज के लोगों का कहना है कि कुडमी जाति को एसटी वर्ग में शामिल कर आदिवासियों के अधिकार को छिनने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि कुडमी समाज के लोगों द्वारा बताया जाता है कि पूर्व में कुडमी जाति एसटी वर्ग में था। एक साजिश के तहत कुंडमी जाति को एसटी वर्ग से विलुप्त कर दिया गया है। जानकारों का माने तो झारखंड के मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के कार्यकाल में कुंडली जाति को एसटी वर्ग में शामिल किए जाने को लेकर 43 विधायकों के हस्ताक्षर युक्त पत्र केंद्र सरकार को सौपा गया है। जिसमें कई आदिवासी वर्ग से आने वाले विधायकों का भी हस्ताक्षर है। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा द्वारा भी लोकसभा में कुंडमी जाति को एसटी वर्ग में शामिल किए जाने की मांग किया गया है। कुडमी जाति को एसटी वर्ग में शामिल किए जाने व कुडमाली भाषा को मान्यता दिलाए जाने को लेकर कुंडमी समाज के लोगों द्वारा रेल टेका डहर छेका आंदोलन में कई विधायक व सांसद का समर्थन मिला। जबकि कुंडमी समाज के कई विधायक आंदोलन में शामिल नहीं हुए। जिसे लेकर कुडमी समाज के लोगों में काफी आक्रोश देखा जा रहा है। बुद्धिजीवी लोगों द्वारा कहा गया कि कुंडमी समाज के लोगों द्वारा एसटी वर्ग में शामिल किए जाने की मांग पर जहां अड़े हैं?। वहीं दूसरी और आदिवासी संगठन के लोगों द्वारा इसका विरोध किया जा रहा है। कहीं हालत मणिपुर जैसा झारखंड में भी ना हो जिससे क्षेत्र के लोगों का अमन चैन खत्म हो जाए। बेदियां विकास परिषद के केंद्र कोषाध्यक्ष गोविंद बेदिया द्वारा बताया गया कि कुडमी समाज के लोगों द्वारा आदिवासियों का हक अधिकार छिनने का प्रयास किया जा रहा है। जो आदिवासी समाज के लोगों द्वारा कभी नहीं होने दिया जाएगा। कुर्मी समाज के लोगों द्वारा पूर्व से ही अपने आप को अगड़ी जाति का बताया जाता रहा है। 1908 में कुंडली समाज के लोगों द्वारा अखिल भारतीय कुडमी क्षत्रिय महासभा का गठन किया गया।

संक्षिप्त खबरें

चितरपुर महाविद्यालय में हिंदी दिवस का आयोजन भाषा के संरक्षण और विकास पर हुई चर्चा

चितरपुर : चितरपुर महाविद्यालय चितरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास झारखंड के संयुक्त तत्वधान में हिंदी दिवस कार्यक्रम मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामगढ़ इंटर महाविद्यालय के हिंदी के प्रो. संजय सिंह, विशिष्ट अतिथि में चितरपुर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य अशोक कुमार उपाध्याय, शिक्षाविद् डॉ राजेंद्र कुमार, राधाकृष्णन बी. एड महाविद्यालय लारी के सचिव श्री संजय प्रभाकर उपस्थित थे। कार्यक्रम का नेतृत्व महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ संज्ञा तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम पदाधिकारी तथा हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. उत्तम कुमार ने किया। अतिथियों ने सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा उन्हें शाल एवं माला पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि कोई भी भाषा समाज को जोड़ने का कार्य करती है, परन्तु हिंदी भाषा का हमारे जीवन का अभिन्न अंग है। इसके पश्चात सभी अतिथियों ने हिंदी भाषा के महत्व, संरक्षण तथा विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग की छात्रा जानवी दुबे तथा कुमकुम कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्या डॉ संज्ञा ने किया। राष्ट्गान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गयी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रो. जूही उपाध्याय, प्रो. कुरातुल ऐन, प्रो. अंजू कुमारी, प्रो. रेवालाल पटेल, प्रो. ताराशंकर अग्रवाल, प्रो. शबाना अंजुम, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. मीना मुंडा, प्रो. नगमा नौशाबा, प्रो. उत्तम कुमार सिंह, जफरूल हसन खान, रवि कुमार, कुसुम कुमारी, आसिया आफरीन, सोनू कुमार, राजेश तिवारी, अमीर अली, राहुल प्रजापति, सहित छात्र छात्राएं शामिल थीं।

राधा गोविंद विवि में फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के अवसर पर रैली का हुआ आयोजन

रामगढ़ : राधा गोविन्द विश्वविद्यालय, रामगढ़, झारखंड में फामेर्सी विभाग एवं राधा गोविंद फामेर्सी कॉलेज द्वारा फामाकीविजिलेंस सप्ताह के अवसर पर जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ शामिल हुए और दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव की जानकारी आमजनों तक पहुँचाने का संदेश दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह,सचिव प्रियंका कुमारी,कुलपति प्रो. (डॉ). रश्मि, कुलसचिव प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार,परीक्षा नियंत्रक प्रो.(डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार एवं प्राचार्य साई प्रकाश पाणिग्राही सहित संकाय सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। सप्ताह भर से चल रहे इस आयोजन के अंतर्गत सेंसिटाइजेशन ट्रेनिंग, लोगो व स्लोगन प्रतियोगिता, स्ट्रीट प्ले (नुक्कड़ नाटक) तथा कबड्डी प्रतियोगिता का भी सफल आयोजन किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य समाज में दवाओं के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और छात्रों में सहभागिता की भावना विकसित करना रहा। इसके साथ ही पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसका थीम Adverse Drug Reaction रखा गया। इसमें छात्रों ने रचनात्मक और सूचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से जनता को जागरूक किया कि हर व्यक्ति को दवाओं के प्रतिकूल प्रभाव की जानकारी समय रहते डॉक्टर या स्वास्थ्य केंद्र तक पहुँचानी चाहिए। कुलाधिपति बी एन साह ने अपने संबोधन में कहा कि फामाकीविजिलेंस रोगी सुरक्षा और स्वास्थ्य संवर्धन की दिशा में अत्यंत आवश्यक है। वहीं, सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि छात्रों की सक्रिय भागीदारी समाज को दवा सुरक्षा के महत्व से जोड़ने में सहायक होगी। कार्यक्रम में फामेर्सी विभाग के शिक्षक- जयिता रॉय, सुरजीत बर्मन, अरूप गोस्वामी, झरना पलेई, शम्भू प्रसाद सिंह, सुमित कुमार, रमा सोनी, सस्मिता बास्के, डॉ. राहुल कुमार, राहुल दत्ता, स्नेहा मोहपात्रा, भाग्यश्री प्रभात, सुजाता कुमारी, प्रसन्ना ज्योति मल्ला, मलय स्वाइन, रंजन घोष, सूर्यनारायण, सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार कैंप में हो रही सैकड़ों लोगों के स्वास्थ्य की जांच

खूंटी : मातृ एवं शिशु अस्पताल परिसर में मंगलवार को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार कैंप का आयोजन किया गया। कैंप में विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रम से संबंधित जांच शिविर लगाया गया, जिनमें प्रसव पूर्व जांच, टीकाकरण, हीमोग्लोबिन, मधुमेह, सर्वाइकल कैंसर, सिकल सेल, रक्तदान, मानसिक स्वास्थ्य, परिवार नियोजन का स्टाल लगाकर अस्पताल में आए मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की गई और जांच के बाद परामर्श दिया गया। भारतीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की डॉक्टर राजलक्ष्मी दास और राज्य कार्यक्रम समन्वयक अकाय मिंज ने सदर अस्पताल में लगे कैंप का निरीक्षण किया। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉक्टर आनंद किशोर उरांव ने बताया कि कैंप का आयोजन 17 सितंबर से दो अक्टूबर तक किया जाना है। कैंप में प्रतिदिन 500 से 600 मरीजों की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मधुमेह में 57, रक्तचाप में 57, टीवी में 25, परिवार नियोजन में 33 और किशोर किशोरी स्वास्थ्य 23 लोगों की जांच कर काउंसलिंग की गई। डॉ लक्ष्मी दास ने कैंप में उपस्थित सभी कर्मियों को स्वस्थ नारी सशक्त परिवार ऐप में डाटा एंट्री करने का निर्देश देते हुए कहा कि जिन स्वास्थ्य संस्थानों में इंटरनेट सुविधा नहीं है, वहां स्पेशल कैंप के माध्यम से आयुष्मान कार्ड बनाया जाए। इस दौरान उन्होंने सदर अस्पताल के अन्य वार्ड लेबर रूम, इमर्जेंसी, आईसीयू ,ओटी, ओपीडी, फामेर्सी काउंसलिंग रूम का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मौके पर जिला कार्यक्रम प्रबंधक कानन बाला तिर्की, जिला कार्यक्रम समन्वयक डॉ उदयन शर्मा, बड़ा बाबू राजेश प्रसाद, संजय पासवान, काउंसलर निशांत झा आशीष कुमार चंद्रिका तिर्की उपस्थित थे।

एक नजर

विद्यालय के छात्र-छात्राओं में साइकिल का किया गया वितरण

साहिबगंज: जिला के मंडरो प्रखंड में कल्याण विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक वर्ग के कक्षा 8 में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं को साइकिल का वितरण किया। जहां मंगलवार को मध्य विद्यालय मिजाचौकी में उत्क्रमित मध्य विद्यालय नयानगर के 10 छात्र एवं 11 छात्राओं एवं उत्क्रमित मध्य विद्यालय श्रीराम चौकी पूर्वी मुस्लिम टोला में 44 छात्र एवं 48 छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय श्रीराम चौकी पूर्वी मुस्लिम टोला में प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मो. अहसान अहमद ने बच्चों के बीच साइकिल का वितरण किया। मौके पर शिक्षक मो शहादत अंसारी एवं मो अब्दुल अंसारी मौजूद थे।

सड़ी-गली अवस्था में धान के खेत से शव बरामद

पाकुड़/ हिरणपुर : जिले के हिरणापुर बाजार के निकट लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत कमलघाटी उत्क्रमित मध्य विद्यालय के निकट स्थित बहियार खेत से सड़ी-गली अवस्था में एक शव को मंगलवार को पुलिस ने बरामद किया है। प्राप्त सूचना के अनुसार स्थानीय ग्रामीणों ने शव से निकल रहे दुर्गंध पर नजदीकी पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुँच पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं सूत्रों की मानें तो शव की पहचान बड़तल्ला के निवासी की बताई जा रही है। यह भी ज्ञात हुआ है कि व्यक्ति को मिर्गी की शिकायत थी। वहीं मौके पर पहुँची पुलिस घटनास्थल की पूरी तरह से छानबीन कर आगे की करवाई में जुट गई।

मॉडल कॉलेज में एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग सह कार्यशाला का हुआ आयोजन

साहिबगंज : श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग जिला नियोजनालय साहिबगंज के तत्वाधान में मंगलवार को मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज में एक दिवसीय कैरियर काउंसलिंग -सह- कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में लगभग 100 अभ्यर्थी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभ्यर्थियों को रोजगार/स्वरोजगार से जुड़ने एवं जिला नियोजनालय, साहिबगंज द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी देना था। इसके अतिरिक्त उपस्थित अभ्यर्थियों को झरनियोजन एवं एनसीपी पोर्टल से संबंधित जानकारियां भी दी गई।अभ्यर्थियों को कौशल युक्त बनकर रोजगार प्राप्त करने की जानकारी दी गई। इस दौरान मॉडल कॉलेज राजमहल साहिबगंज के प्राचार्य रणजीत सिंह, जिला नियोजनालय साहिबगंज से राजीव रंजन कुमार, अमित कुमार गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

औचक छापेमारी कर अवैध खनन पर पूरी तरह लगाए अंकुश : एसपी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय सभागार में जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक आज मंगलवार को आहूत की गई। बैठक में जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु गठित टास्क फोर्स, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं संबंधित विभागों द्वारा की गई कार्रवाई की विस्तार से समीक्षा की गई। उपायुक्त मनीष कुमार ने खनन पदाधिकारी को बालू की कालाबाजारी, अवैध स्टॉक की रोकथाम के लिए अभियान चला कर कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करें।पुल पुलिया के आसपास नदियों से बालू उठाव न हो इसके लिए औचक निरीक्षण करने का निदेश दिया। सभी अंचल अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को अपने अपने क्षेत्र में खनन माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन की ओर से चलाए जा रहे सघन अभियान को निरंतर जारी रखा जाए। उन्होंने कहा कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी व्यक्तियों, संचालकों एवं वाहन मालिकों के विरुद्ध नियमों के अनुरूप कठोरतम दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी संबंधित विभागों खनन, पुलिस, वन, परिवहन एवं प्रदूषण नियंत्रण को आपसी तालमेल और त्वरित सूचना आदान-प्रदान के साथ अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि खनिज संपदा की सुरक्षा, राजस्व वृद्धि एवं पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। जनहित और राज्यहित में खनन गतिविधियों को पूरी तरह कानून के दायरे में संचालित करना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए प्रशासन हर स्तर पर सख्त रुख अपनाएगा।

महाअभियान के तहत प्लास्टिक कचरा अलग से रखने हेतु हर घर के बाहर लगाया गया बोरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले में स्वच्छता ही सेवा 2025 अंतर्गत मंगलवार को जिलेभर में प्लास्टिक कचरा अलग से रखने के लिए हर घर के बाहर बोरा लगाने का महा अभियान प्रारंभ किया गया। इस अभियान का उद्देश्य प्लास्टिक कचरे को अन्य कचरे से अलग इकट्ठा करना तथा इसके सुरक्षित व वैज्ञानिक निपटान को सुनिश्चित करना है, जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता दोनों को बढ़ावा मिल सके। कार्यक्रम के उद्देश्य : प्लास्टिक कचरे को अन्य कचरे से अलग से इकट्ठा करना,प्लास्टिक कचरे का सुरक्षित एवं उचित निपटान सुनिश्चित करना। पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देना। कार्यक्रम की गतिविधियाँ : हर घर के बाहर प्लास्टिक कचरा संग्रहण हेतु बोरा लगाना, प्लास्टिक कचरे के पृथक्करण को लेकर जागरूकता अभियान चलाना, नियमित कचरा संग्रहण व्यवस्था के माध्यम से कचरे का सुरक्षित निपटान करना। कार्यक्रम के लाभ : प्लास्टिक कचरे के प्रभावी प्रबंधन में सहायता,पर्यावरण प्रदूषण में कमी,स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामुदायिक जागरूकता में वृद्धि। आइए, हम सब मिलकर इस महाअभियान में भाग लें और अपने पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरित बनाने में योगदान दें। प्लास्टिक कचरे का सही प्रबंधन ही हमारे भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

जनता दरबार में डीसी ने सुनी आमजनों की समस्याएं, समाधान का दिया भरोसा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित जनता दरबार के दौरान जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती ने आमजनों की समस्याएं सुनी और उनके समाधान का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए हुए लोगों ने विभिन्न विभागों और योजनाओं से जुड़ी अपनी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा। डीसी ने एक-एक कर सभी शिकायतकर्ताओं की बातें गंभीरता से सुनीं। जनता दरबार में प्राप्त शिकायतों में मूलतः राजस्व, सामाजिक सुरक्षा, आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, सड़क, बिजली, जलापूर्ति, रोजगार एवं अन्य समस्याओं से संबंधित मामले शामिल रहे। डीसी ने कहा कि जनता दरबार का उद्देश्य आम जनता और प्रशासन के बीच सीधा संवाद स्थापित करना है ताकि लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान हो सके। डीसी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे प्रत्येक शिकायत की भौतिक जांच करें और यथाशीघ्र उसका निपटारा सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शिकायतों पर कार्रवाई करने के उपरांत संबंधित विभाग प्रतिपुष्टि जिला प्रशासन को अवश्य दें, ताकि आवेदकों को संतोषजनक समाधान मिल सके। इस दौरान डीसी ने अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त आवेदनों की प्राथमिकता के आधार पर छंटाई कर उनका निवारण त्वरित गति से किया जाए। साथ ही, योजनाओं से संबंधित मामलों में यदि किसी पात्र लाभुक को वंचित किया गया है, तो उसे तुरंत लाभान्वित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रमुख उद्देश्य यही है कि जिले के अंतिम छोर तक बैठा व्यक्ति भी योजनाओं का लाभ प्राप्त करे।गौरतलब है कि जनता दरबार हर सप्ताह मंगलवार और शुक्रवार को समाहरणालय परिसर में आयोजित किया जाता है। डीसी ने आमजनों से अपील की कि वे अपनी समस्याओं के समाधान के लिए न केवल आवेदन करें बल्कि अपनी समस्या से जुड़े सभी जरूरी दस्तावेजों को भी साथ लेकर आएं ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विजयादशमी उत्सव पूजन कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा विजयादशमी उत्सव पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पथ संचलन कार्यक्रम का प्रारंभ पूर्वी फटक सहकारिता विभाग के ग्राउंड से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गो से कॉलेज रोड, ग्रीन होटल, पटेल चौक बादशाह चौक, चौक बाजार होते हुए टॉकीज फील्ड में समाप्त हुआ। वहां पर शस्त्र पूजन का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के बौद्धिककर्त्ता क्षेत्रीय प्रचारक प्रमुख अरुण ने उपस्थित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि आज संघ 100 वर्षों की यात्रा पूर्ण कर चुका है। उन्होंने कहा कि सेवा समर्पण और राष्ट्रीय निर्माण में संघ ने अपना 100 वर्ष दिया है। इस विश्व में बहुत सारे संगठन बने लेकिन एक संगठन से दो संगठन हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक ऐसा संगठन है जो आज तक एक से दो नहीं हुआ। उन्होंने कहा की पंच परिवर्तन जिसे शताब्दी वर्ष के लिए संघ ने अपनाया है वो है स्वदेशी, पर्यावरण, कुटुंब प्रबोधन, नागरिक कर्तव्य, सामाजिक सद्भाव इनको लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है।उन्होंने कहा कि भारत विश्व गुरु बने इसके लिए संघ कम कर रहा है। संघ पर कई बार प्रतिबंध लगा और स्वयंसेवकों को परेशान किया गया हमलोग संख्या में कम थे लेकिन धीरे-धीरे संघ समाज में स्वीकार हुआ और आज हमारा काम समाज के द्वारा स्वीकार है हम सामाजिक सांस्कृतिक रूप से भारत को मजबूत करने में लगे हुए हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संचालक डॉक्टर राजकुमार, जिला संघचालक नितेश वर्मा, नगर कार्यवाह प्रमोद कुमार, श्वेता दत्त चांदनी देवी, पूनम तिवारी, रीमा सिंह, ज्योति कुमारी उपस्थित थे।

डीसी ने एचआरएमएस अवकाश पोर्टल लागू करने के दिए निर्देश

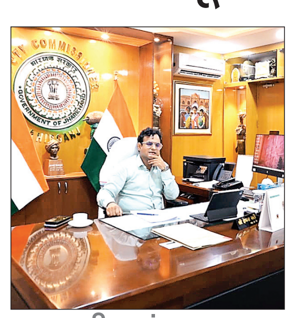

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आज डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली संबंधी कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि अब से सभी प्रकार के अवकाश आवेदन केवल एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से ही मान्य होंगे। उन्होंने बताया कि पारदर्शिता एवं कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है। डीसी ने सभी विभागों के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि 30 सितम्बर 2025 तक प्रत्येक कर्मचारी का संपूर्ण डाटा एचआरएमएस पर पंजीकृत कर लिया जाए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि किसी भी कर्मचारी का डाटा निर्धारित तिथि तक अपलोड नहीं होता है तो उनके विरुद्ध आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।बैठक के दौरान डीसी ने कहा कि मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली से जिले में कार्मिक प्रबंधन प्रक्रिया न केवल अधिक सुव्यवस्थित होगी, बल्कि इससे पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। इसके माध्यम से कर्मचारियों के सेवा अभिलेख, अवकाश विवरण, पदस्थापन तथा अन्य सूचनाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहेंगी, जिससे विभागीय कार्यों में गति आएगी। इस अवसर पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुनू कुमार मिश्रा, आधार पदाधिकारी संदीप कुमार सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

सुरक्षा को लेकर बैंकों में डीएसपी व थाना प्रभारी ने लिया जायजा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : शहर के एसबीआई सहित सभी बैंकों में सुरक्षा मानकों की पुलिस ने मंगलवार को जांच-पड़ताल की। डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में नगर थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने बैंकों में लगे सीसीटीवी कैमरा, अलार्म सिस्टम व सुरक्षा गार्डों के स्थल सहित अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की। डीएसपी विजय कुमार कुशवाहा ने बताया कि कई बैंकों में सुरक्षा व्यस्वथा को लेकर आवशयक निर्देश दिए गए हैं। अपर समाहर्ता के निर्देश पर राधानगर व राजमहल के थाना प्रभारी ने सुरक्षा का लिया जायजा साहिबगंज अपर समाहर्ता गौतम भगत के निर्देश पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज एवं राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने मंगलवार को अपने अपने थाना क्षेत्र के विभिन्न बैंकों में विशेष सुरक्षा अभियान चलाया। मिली जानकारी के अनुसार थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने एसबीआई उधवा व श्रीधर, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक उधवा, व केलाबाड़ी, बैंक ऑफ इंडिया, राधानगर एवं बंधन बैंक उधवा, की जांच-पड़ताल किया। साथ ही अपनी टीमों के साथ बैंक, एटीएम, ग्राहक सेवा केंद्र की जांच की। इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि पुलिस ने इन स्थानों पर असामाजिक गतिविधियों पर विशेष नजर रखी हुई है। साथ ही सुरक्षा गार्ड और सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली की भी जांच की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक स्थलों पर अपराधों की रोकथाम, कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना और नागरिकों में सुरक्षा की भावना बढ़ाना है। पुलिस ने सभी जगहों पर सुरक्षा व्यवस्था की गहन समीक्षा की। इधर राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने प्रमुख बैंकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बैंक प्रबंधन को जरूरी दिशा निर्देश दिए। थाना प्रभारी ने अपने दल बल के साथ एसबीआई लालमाटी मखानी, एसबीआई राजमहल, ग्रामीण बैंक राजमहल, कोऑपरेटिव बैंक राजमहल, और केनरा बैंक राजमहल का बारी-बारी से निरीक्षण किया। उन्होंने बैंक परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों, अलार्म सिस्टम और सुरक्षा गार्डों की तैनाती की जाँच की। थाना प्रभारी ने बैंक अधिकारियों से कहा कि वे सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत पुलिस को सूचना दें।

संक्षिप्त खबरें

साहिबगंज में डीएमएफटी और अन्य योजनाओं की समीक्षा हुई बैठक

साहिबगंज: जिला दंडाधिकारी-सह-डीसी हेमंत सती की अध्यक्षता में आज कार्यालय प्रकोष्ठ में डीएमएफटी, अनाबद्ध निधि, आकांक्षी मद एवं नीति आयोग सहित अन्य मद अंतर्गत संचालित योजना कार्यों की प्रगति को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में एसपी अमित कुमार सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहे।बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सभी योजनाओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने पर विशेष बल दिया। बैठक के दौरान कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, भवन प्रमंडल, असैनिक शल्य चिकित्सा, नगर परिषद एवं समेकित जनजातीय विकास अभिकरण द्वारा संचालित योजनाओं की गहन चर्चा की गई। इस अवसर पर सदर अस्पताल में पेइंग वार्ड निर्माण, साहिबगंज कारावास गेट के सामने महिला शौचालय का निर्माण, बाल सुधार गृह भवन का मरम्मती कार्य, स्वामी विवेकानंद उच्च विद्यालय श्रीधर में अतिरिक्त तीन वर्ग-कक्ष का निर्माण, साहिबगंज जिला में वेस्ट वंडर पार्क का निर्माण, पुरुलिया डांगा में सड़क एवं गार्ड वॉल निर्माण कार्य, आंगनबाड़ी केंद्र निर्माण सहित कई योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना, अबूआ आवास योजना तथा मनरेगा कार्य योजनाओं की भी समीक्षा की गई। डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, सिविल सर्जन डॉ. राम देव पासवान, जिला योजना पदाधिकारी अनुप कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक उपस्थित थे।

प्रखंड सभागार में पेसा एक्ट कानून को लेकर हुई बैठक

बरहेट: प्रखंड परिसर सभागार में मंगलवार को पेसा एक्ट कानून को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में ग्राम प्रधान भाग लिए। वही दो दिवसीय ट्रेनर के रूप में विकास कुमार, बीपीआरओ सुनील दास शामिल हुए। ट्रेनर विकास कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पेसा एक्ट कानून को लेकर जागरूक किया जा रहा है। उनके नियम और फायदे के बारे में जानकारी दी गई। कहां की पेसा एक्ट कानून से गांव की विकास की अच्छी पहल है। मौके पर बीपीआरसी मेटूर अंसारी के अलावा अन्य ग्राम प्रधान मौजूद थे।

सभी बैंकों का बोरियो थाना प्रभारी ने लिया जायजा

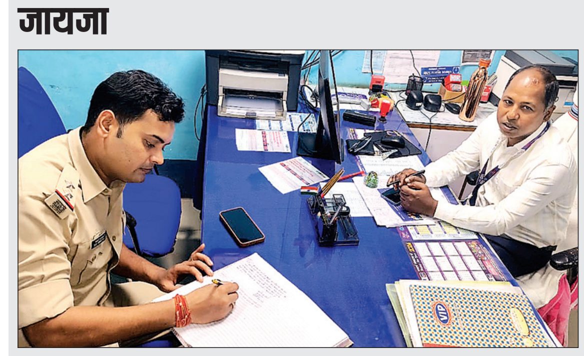

साहिबगंज: जिला के बोरियो थाना प्रभारी रोहित कुमार ने मंगलवार को बोरियो प्रखंड क्षेत्र के सभी बैंकों का जायजा लिया। दुर्गा पूजा और अन्य महत्वपूर्ण त्यौहार को देखते हुए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, चासगमा, ग्रामीण बैंक बोरियो के ग्राहकों और व्यवसाई वर्ग को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए यह जायजा लिया गया। इस दौरान सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा कर्मियों, बैंक कर्मियों, अलार्म सिस्टम सहित अन्य पहलुओं का बारीकी से जांच किया गया। जिसके बाद थाना प्रभारी द्वारा सभी बैंक के प्रबंधन को जरूरी दिशा निर्देश जारी किया गया। थाना प्रभारी ने बैंक अधिकारियों से कहा कि वे सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

श्रीराम कथा में सुनाया शिव पार्वती विवाह का प्रसंग

साहिबगंज: जिला के मंडरो प्रखंड में श्री श्री 108 दुर्गा पूजा समिति हाजीपुर फौजदारी में शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर मां भगवती के प्रांगण में श्रीराम कथा के दूसरे दिन वृंदावन से आई श्री कृष्ण प्रिया जी ने भगवान शिव पार्वती के विवाह का मनोहारी वर्णन किया। इस दौरान शिव पार्वती की झांकी भी दिखाई गई। कथा में श्री कृष्ण प्रिया जी ने शिव पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि पर्वत राज हिमालय की घोर तपस्या के बाद माता जगदंबा प्रकट हुई और उन्हें बेटी के रूप में उनके घर में अवतरित होने का वरदान दिया। इसके बाद माता पार्वती हिमालय के घर अवतरित हुई। बेटी के बड़ी होने पर पर्वत राज को उनकी शादी की चिंता सताने लगी। माता पार्वती बचपन से ही बाबा भोलेनाथ की अनन्य भक्त थी। एक दिन पर्वत राज के घर महर्षि नारद पधारे और उन्होंने भगवान भोलेनाथ के साथ पार्वती के विवाह का संयोग बताया। नंदी पर सवार भोलेनाथ जब भूत पिशाचों के साथ बारात लेकर पहुंचे तो उसे देखकर पर्वतराज और उनके परिजन चौंक गए।लेकिन माता पार्वती ने खुशी से भोलेनाथ को पति के रूप में स्वीकार कर लिया। विवाह प्रसंग के दौरान शिव पार्वती की झांकी पर श्रद्धालुओं ने पुष्प बरसाए।

75 लाख महिलाओं को मिलेगी महिला रोजगार योजना की पहली किस्त, 26 सितंबर को पीएम मोदी करेंगे पैसे ट्रांसफर

पटना। 26 सितंबर 2025 का दिन बिहार की महिलाओं के लिए ऐतिहासिक दिन साबित होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कर कमलों से ऑनलाइऩ रहकर मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 75 लाख महिलाओं को पहली किस्त 10-10 हजार रु की राशि सीधे उनके बैंक खातों में भेजेंगे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बतौर मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित होंगे। बता दें कि 7,500 करोड़ यह राशि केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और सम्मान की नई शुरूआत है। सिलाई-बुनाई, खेती या पशुपालन जैसे छोटे व्यवसायों को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई यह पहल बिहार की सामाजिक और आर्थिक तस्वीर बदलने वाली साबित हो सकती है। महिला रोजगार योजना का मूल उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर देकर आत्मनिर्भर बनाना है। इस पहल से न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि वे अपने परिवार और समाज में भी सम्मानजनक स्थान हासिल कर सकेंगी। खास बात यह है कि रोजगार शुरू करने के बाद महिलाओं को उनके व्यवसाय की प्रगति के आधार पर 2 लाख रुपये तक की अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। यह कदम महिलाओं को लंबे समय तक मजबूत आर्थिक आधार देने में सहायक साबित होगा।महिला रोजगार योजना का लाभ केवल वही महिलाएं उठा सकती हैं, जो बिहार की स्थायी निवासी हों। इसमें राज्य की ग्रामीण और शहरी दोनों प्रकार की महिलाएं शामिल हैं। योजना के तहत आर्थिक सहायता पाने के लिए

महिलाओं का जीविका स्वयं सहायता समूह (स्लत्र्ह) से जुड़ा होना अनिवार्य है। हालांकि, जिन महिलाएं अभी तक जीविका से नहीं जुड़ी हैं, उनके लिए भी यह अवसर खुला है। उन्हें पहले स्वयं सहायता समूह की सदस्यता लेनी होगी। सदस्य बनने की प्रक्रिया सरल रखी गई है–इसके लिए निर्धारित आवेदन पत्र भरना होगा और आधार कार्ड, बैंक खाता विवरण, निवास प्रमाण पत्र जैसे जरूरी दस्तावेज जमा करने होंगे। आवेदन कैसे करें: ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों सुविधा उपलब्ध महिला रोजगार योजना के लिए आवेदन करने की प्रक्रिया को बेहद सरल और सुगम बनाया गया है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं इसका लाभ उठा सकें। ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं सीधे अपने ग्राम संगठन या जीविका समूह के माध्यम से आवेदन कर सकती हैं। वहां समूह की प्रतिनिधि उन्हें फॉर्म भरने और दस्तावेज जमा करने में सहयोग करेगी। शहरी क्षेत्र की महिलाएं जीविका की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में फॉर्म भरने के बाद आवश्यक दस्तावेजों की स्कैन कॉपी अपलोड करनी होगी।

आवेदन के लिए जरूरी दस्तावेज: आधार कार्ड (पहचान प्रमाण के रूप में) बैंक पासबुक (खाते का विवरण सुनिश्चित करने के लिए) पैन कार्ड (वित्तीय लेन-देन की पारदर्शिता हेतु) पासपोर्ट साइज फोटो भार्थियों की संख्या और योजना का व्यापक आर्थिक प्रभावइस योजना से बिहार के करोड़ों परिवारों की महिलाओं को सीधे लाभ मिलेगा, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आएगा। स्वरोजगार और वित्तीय सहायता मिलने से महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे अपने परिवार की आर्थिक मजबूती का आधार बन सकेंगी।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ-साथ बिहार के सतत विकास को गति देने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। 26 सितंबर का दिन न केवल आर्थिक सहायता का प्रतीक होगा, बल्कि बिहार की महिलाओं के जीवन में नई खुशियों, अवसरों और स्थायी बदलाव की शुरूआत भी बनाएगा। इस योजना के माध्यम से हर महिला अपने सपनों को पूरा करने और समाज में सम्मानजनक स्थान हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगी।

'ट्यूशन टीचर न्यूड वीडियो भेजकर बेटी को ब्लैकमेल करता था

'मुंगेर। रवि मेरी बेटी को न्यूड वीडियो भेजकर लगातार ब्लैकमेल कर रहा था। वो उससे बात नहीं करना चाहती थी। घटना वाले दिन दोपहर करीब 2 बजे मैं कमरे में बैठी हुई थी। नीलम (बदला हुआ नाम) ने मुझे चाय बनाकर दी, फिर छत से कपड़ा लेने ऊपर चली गई।करीब 2 मिनट बाद मुझे धम से आवाज आई। मैंने तुरंत कमरे से बाहर निकलकर नीचे देखा तो बेटी जमीन पर चित पड़ी थी। उसके नाक से खून निकल रहा था। जैसे ही मैंने उसे उठाकर गोद में लिया, उसकी जुबान से सिर्फ एक ही बात निकली-मम्मी मुझे माफ कर दो।'ये दर्द है उस मां का, जिसकी बेटी ने कुछ दिन पहले ट्यूशन टीचर रवि कुमार से परेशान होकर सुसाइड कर लिया। घटना जमालपुर थाना क्षेत्र के रामपुर मोहल्ले की है।दरअसल, मुंगेर में इअ सेकेंड ईयर की छात्रा प्राइवेट कोचिंग संचालक की ब्लैकमेलिंग से परेशान थी। 13 सितंबर को उसने छत से छलांग लगा दी थी। अस्पताल में जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद 15 सितंबर को उसकी मौत हो गई थी। छात्रा, ट्यूशन टीचर से कब मिली? कैसे दोनों एक दूसरे के करीब आए? किस बात पर विवाद हुआ और क्यों उसने सुसाइड कर लियाछात्रा की मां इस हादसे के बाद बदहवास है। मृतका की मां का कहना है कि, 'मेरी गोद में बेटी तड़पकर मर गई, वो कह रही थी- रवि को मत छोड़ना। रवि मुझे बहुत परेशान कर रहा है। ये बोलते हुए वो बेसुध हो गई। फिर हम उसके इलाज के लिए भटकते रहे, लेकिन मेरी बेटी ने दम तोड़ दिया।आज भी रवि खुलेआम घूम रहा है। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। आज मेरी बेटी के साथ ऐसा हुआ है, कल किसी और के साथ होगा।'मां के मुताबिक, मेरी बेटी ने 5 महीने पहले भी सुसाइड करने का कोशिश की थी। वो अपने कमरे में फांसी लगाने वाली थी, लेकिन हमलोगों ने उसे बचा लिया था। नीलम अपनी परेशानी हमलोगों से शेयर नहीं करती थी। वो अकेले सारा दर्द सह रही थी।'प्यार के जाल में फंसाकर बनाया अश्लील वीडियो'मां ने बताया, '2 साल से मेरी बेटी रवि के यहां ट्यूशन पढ़ती थी। करीब डेढ़ साल पहले रवि ने मेरी बेटी को अपने प्यार के झांसे में फंसा लिया। लगातार वो ट्यूशन के बाद मेरी बेटी से मिलने लगे। एक साल तक दोनों के बीच सब कुछ ठीक रहा।

कड़ी धूप के बाद पटना में तेज बारिश

पटना। मौसम विभाग ने आज बिहार के सभी जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान जताया है। हालांकि पटना में दोपहर 12 बजे अचानक मौसम बदल गया। तेज बारिश हुई। इससे पहले राजधानी में सुबह से तेज धूप थी। 25 सितंबर की रात से मौसम में एक बार फिर बदलाव शुरू होगा। 2 अक्टूबर तक बिहार में तेज बारिश की संभावना है। इस दौरान आकाशीय बिजली भी गिर सकती है। बीते 24 घंटे में सिर्फ जमुई में बारिश हुई। बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहा। पटना में तेज धूप निकली। लोग गर्मी और उमस से परेशान रहे। वहीं, शेखपुरा, नालंदा समेत अन्य जिलों में भी तेज धूप निकली रही।आने वाले दिनों में कैसा रहेगा

पटना में बारिश के बीच कांग्रेसियों का हल्ला बोल

वोट चोर गद्दी छोड़ के नारे लगा रहे, सीएम हाउस घेरने जा रहे, पुलिस ने बैरिकेडिंग की

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष को टांगकर ले गई पटना पुलिस

पटना में कांग्रेस नेता एक बार फिर से सड़कों पर उतरे हैं। बिहार युवा कांग्रेस की ओर से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम से मुख्यमंत्री आवास को घेरने निकले हैं।बारिश के बीच कांग्रेसियों का प्रदर्शन जारी है। राजापुल के पास बैरिकेडिंग कर पुलिस ने प्रदर्शन को रोक दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी करने लगे।इस बीच पुलिस ने कांग्रेस कार्यकताओं की कॉलर पकड़कर सड़क घसीटकर राजापुल से हटाने की कोशिश की। वहीं यूथ कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु को पुलिस टांगकर अपनी गाड़ी तक ले गई।पुलिस ने कांग्रेस नेताओं को डिटेन कर गाड़ी में बैठाया तो बाकी साथी पुलिस की गाड़ी पर चढ़ गए। इसके बाद बड़ी मुश्किल से पुलिस गाड़ी पर चढ़े नेताओं को हटाकर बाकी को अपने साथ ले गई।

पटना। में कांग्रेस नेता एक बार फिर से सड़कों पर उतरे हैं। बिहार युवा कांग्रेस की ओर से प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम से मुख्यमंत्री आवास को घेरने निकाल चुके हैं।बारिश के बीच कांग्रेसियों का प्रदर्शन जारी है। राजापुल के पास बैरिकेडिंग कर पुलिस ने प्रदर्शन को रोक दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर नारेबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास ने कहा कि, बिहार को अब सीएम नीतीश नहीं कोई और चला रहा है। इस वजह से बिहार का ऐसा हाल है। वोट चोरी और अडाणी को 1 रुपए प्रति वर्ष की दर पर 1050 एकड़ जमीन और 10 लाख पेड़ देने के विरोध में कांग्रेस का घेराव मार्च है।इस मार्च में बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, विधायक दल के नेता डॉ. शकील अहमद खान, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भान चिब और युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव गरीब दास समेत कांग्रेस के तमाम नेता शामिल हैं।5 दिन पहले 18 सितंबर को पटना में कांग्रेस नेताओं ने सरकार के खिलाफ विरोध मार्च निकाला था। इसमें 'जमीन चोर, गद्दी छोड़' के नारे लगे।15 सितंबर को कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पीएम मोदी के बिहार दौरे के दौरान दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। उन्होंने पीएम पर निशाना साधते हुए कहा था कि, बिहार में वोट चोरी का बंदोबस्त तो बैठाया जा रहा है, लेकिन अगर वोट चोरी से काम ना चले तो जाते-जाते गौतम अडाणी को सारी चीजें सौंप रहे हैं।पवन खेड़ा ने आगे बताया कि, किसानों से उनकी जमीन जबरदस्ती और धमकाकर ली जा रही है। इस प्लांट का शिलान्यास करने के लिए आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार आ रहे हैं और इस दौरे के दौरान कुछ किसानों को नजरबंद कर दिया गया, ताकि वे विरोध न कर सकें।कांग्रेस बीजेपी पर वोट चोरी का आरोप लगा रही है। राहुल गांधी ने कई बार बिहार में स्क्क्र प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं। पार्टी का दावा है कि स्क्क्र के जरिए गरीब-दलितों के वोट काटे जा रहे हैं।पार्टी का आरोप है कि यह सब BJP को फायदा पहुंचाने के लिए किया जा रहा है, ताकि वोट चोरी के जरिए चुनाव जीता जा सके।इसे लेकर राहुल गांधी ने बिहार में वोटर अधिकार यात्रा भी की। 17 सितंबर को सासाराम से शुरू हुई ये यात्रा 1 सितंबर को पटना में खत्म हुई। इस दौरान राहुल गांधी ने 'वोट चोर गद्दी छोड़' का नारा दिया। बिहार यूथ कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीबदास ने कहा है कि बिहार वोट चोरी से परेशान है।

पापा ने मम्मी का गला दबाया, दादा-दादी ने पैर-हाथ पकड़ा

गया। 'मां कमरे में थी। पापा दरवाजा तोड़कर कमरे में गए। मां के साथ मारपीट की। दादा-दादी ने मां का पैर-हाथ पकड़ लिया और पापा ने साड़ी से मां का गला घोंट दिया। मां तड़पती रही। कुछ ही देर में मां की मौत हो गई। पापा बोल रहे थे, तुझे बेटा तो होगा नहीं, तू मर ही जा। मां के साथ पापा हमेशा मारपीट करते थे।' क्लास वन में पढ़ने वाली 10 साल की बेटी निहारिका चौधरी ने मां रोशनी चौधरी की मौत उसके आंखों के सामने हुई। उसके साथ उसकी 2 छोटी बहनें भी थीं। एक डेढ़ साल और दूसरी 6 साल की।

गया के अतरी थाना क्षेत्र के टेउसा बाजार इलाके में रोशनी चौधरी (34) की लाश आंगन में मिली थी। आंगन में तीनों अपनी मां की लाश के पास बैठकर 3 घंटे तक रोती रहीं। घटना रविवार (20 सितंबर) की है।रोशनी की 2014 में नीतीश से चौधरी से शादी हुई थी। रोशनी को 3 बेटियां थी। रोशनी के घर वालों क कहना था कि, नीतीश और उसके घर वाले बेटा चाहते थे। बेटी ने बताया, 'पापा कई महीने से घर पर ही रहते थे। हर छोटी-मोटी बात पर पापा, दादा और दादी, मेरी मम्मी से झगड़ा करते थे। घर में पैसे नहीं होते थे, राशन नहीं होता था, या फिर हम लोगों की स्कूल की फीस भरनी होती थी, तो वे मम्मी से मारपीट करते थे और कहते थे कि अपने पापा या भाई से पैसे मांग कर दो।'

निहारिका ने बताया कि, 'रविवार की रात खाना खाकर हम लोग सोने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान पापा-मम्मी दूसरे कमरे में थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर लड़ाई हो गई। झगड़े की आवाज सुनकर दादा-दादी भी पापा-मम्मी के कमरे में पहुंच गए। मैं भी पीछे से वहां पहुंच गई। मैंने देखा कि

पापा, मम्मी की पिटाई कर रहे हैं। जब मम्मी ने खुद को बचाने की कोशिश की तो दादा-दादी ने मिलकर मेरी मां के हाथ-पैर पकड़ लिए और इतने में मां बिस्तर पर गिर गई।'मृतका के परिजन ने बताया कि, आरोपी पति नीतीश गयाजी में एक्सिस बैंक में फाइनेंस का काम करता था। 2014 के मार्च में टेउसा बाजार में धूमधाम से रोशनी की शादी की थी। तीन महीने तक सबकुछ ठीक रहा। जिसके बाद रोशनी को हर छोटी-छोटी बातों के लिए टॉर्चर किया जाने लगा। 'बहन ने फोन पर कहा था, मेरे साथ मारपीट हो रही है'मृतका के भाई राहुल कुमार ने बताया कि, रविवार की रात साढ़े 9 बजे बहन रोशनी ने मुझे फोन किया था। वो काफी परेशान थी। कह रही थी कि मेरे साथ मारपीट की जा रही है। हमलोगों ने उससे कहा कि सब ठीक हो जाएगा। उसके बाद फोन डिस्कनेक्ट हो गया। बहन का फोन जब डिस्कनेक्ट हो गया, तो मुझे लगा कि अक्सर इस तरह से कुछ छोटी-मोटी बात को लेकर कहासुनी हुई होती रही है, आज भी हुई होगी, पर फिर भी मेरे मन में किसी अनहोनी की आशंका होने लगी। जब मेरा मन नहीं माना तो मैंने रात को साढ़े 10 बजे बहन को फोन किया। फोन रोशनी ने ही उठाया और बताया कि मैं ठीक हूं। उसकी आवाज से मुझे तसल्ली हुई। मैंने दोबारा पूछा भी कि कोई दिक्कत तो नहीं है, कुछ है, तो बताओ, मैं तुरंत तुम्हारे पास आ जाऊंगा, रात ज्यादा नहीं हुई है। लेकिन मेरी बहन ने कहा कि नहीं सब ठीक है, आप लोग सो जाओ। बहन के इतने कहने के बाद मैं आराम से सो गया। राहुल ने बताया कि मैं बेलागंज से निकलकर रात करीब साढ़े तीन बजे टेउसा बाजार रात करीब साढ़े तीन बजे पहुंच गए। बहन के ससुराल पहुंचते ही देखा कि आंगन में रोशनी की लाश पड़ी है, तीनों भांजी रोशनी की लाश के पास बैठकर रो रहीं हैं। मैंने तत्काल रोशनी के घर में अन्य लोगों को तलाशा, कोई नहीं मिला। फिर बड़ी भांजी से पूछा तो उसने बताया कि मम्मी को मारने के बाद दादा-दादी और पापा भाग गए हैं। मृतका की बुआ इंदू देवी ने बताया कि, मेरी भतीजी रोशनी ने रविवार की रात मुझे भी फोन किया था। वो लगातार रो रही थी। पूछने पर पहले तो उसने कुछ नहीं बताया, लेकिन जब मैंने जोर देकर पूछा तो उसने बताया कि नीतीश और उसके मम्मी-पापा मुझे पीट रहे हैं, आप लोग घर आ जाइए। इतना कहने के बाद नीतीश ने फोन छीन लिया।

इंदू देवी ने बताया कि नीतीश ने मोबाइल छीनने के बाद मुझसे बातचीत शुरू कर दी। जब मैंने नीतीश से पूछा कि क्या बात है, आप लोग रोशनी की पिटाई क्यों कर रहे हैं, तो उसने कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। उसने कहा कि हर घर में पति-पत्नी के बीच छोटे-मोटे लड़ाई झगड़े होते रहते हैं। हम लोगों के बीच भी हुआ था, तो इसने आपको कॉल कर दिया, लेकिन बाद में देर रात रोशनी की बड़ी बेटी निहारिका ने मुझे कॉल लगाया।

संक्षिप्त डायरी

पटना के पाटलिपुत्र गोलंबर के पास रेस्टोरेंट में लगी आग

पटना। पाटलिपुत्र गोलंबर के पास इको कैफे एंड रेस्टोरेंट में देर रात लगभग 12 बजे आग लग गई। आग बुझाने में दमकल के कर्मियों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि महज 15 से 20 मिनट में कैफे के अंदर का हिस्सा पूरी तरह से जलकर खाक हो गया। आसपास में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास भीड़ जमा हो गई। आम लोगों के साथ कैफे से सटे सोनी मोटर्स के कर्मी सड़क पर आ गए। गनीमत की बात रही कि समय रहते दमकल के कर्मी पहुंच गए और आग को बाहर दूसरे हिस्से में फैलने से पहले नियंत्रण में कर लिया। फिर भी दमकल के कर्मियों को लगभग 45 मिनट से अधिक का समय आग बुझाने में लग गया। जान की क्षति नहीं, कैफे का इंटीरियर हिस्सा जला लोद्दीपुर अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि मौके पर 15 गाड़ियां पहुंचीं थी। घटना देर रात लगभग 12 बजे की है। जान की क्षति नहीं हुई है। जिस समय आग लगी थी, उस वक्त कैफे के अंदर लोग नहीं थे। कैफे का इंटीरियर हिस्सा पूरी तरह से जल गया है। आग कैसे लगी इसकी जांच होगी आग लगने के कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाए हैं। आग किस वजह से लगी इसकी जांच होगी। कैफे के अंदर फायर सेफ्टी नियमों का कितना अनुपालन किया जा रहा था। कैफे के पास फायर विभाग से NOC लिया गया था या नहीं, इसकी भी जांच होगी।

सड़क पार कर रहे शख्स को ट्रक ने कुचला, मौत

कटिहार। में मंगलवार की सुबह सड़क पार कर रहे व्यक्ति की ट्रक की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना पोठिया थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर हुई। मृतक की पहचान डूमर पंचायत के वार्ड नंबर 3 निवासी गजाधर शर्मा(58) के रूप में हुई है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने NH-31 पर जाम लगा दिया। करीब दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। ग्रामीणों का आरोप है कि हाईवे पर ट्रक चालकों की तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। समेली प्रखंड क्षेत्र में ओवरटेकिंग से कई लोगों की जान जा चुकी है।पोठिया थानाध्यक्ष नवीन कुमार, अपर थानाध्यक्ष अमित कुमार और एएसआई हितेश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने मृतक के परिजनों और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया।SP से मुआवजे की मांग मृतक के परिवार ने जिला पदाधिकारी और एसपी से मुआवजे की मांग की है। राजद नेत्री कुमारी बेबी, प्रमुख अनुकम्पा कुमारी, उपप्रमुख कंचन देवी और जिला परिषद सदस्य कोमल कुमारी समेत कई जनप्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने प्रशासन से मुआवजे और एनएचएआई से स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग की है। स्थानीय प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि हाईवे पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई तो लोगों का आक्रोश बढ़ सकता है।

कटिहार में विदेशी शराब जब्त

कटिहार। जिले की बलरामपुर थाना पुलिस ने सोमवार रात बजरगांव चेकपोस्ट के पास वाहन जांच अभियान चलाया। थानाध्यक्ष विकास कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान एक जुगाड़ गाड़ी से 73 लीटर विदेशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने मौके पर गाड़ी चालक राजीव कुमार को गिरफ्तार कर लिया। राजीव कुमार 26 वर्षीय है। वह कटिहार जिले के कोढ़ा थाना क्षेत्र के झिटकिया वार्ड नंबर 15 का निवासी है।थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने जुगाड़ गाड़ी को भी जब्त किया है।बलरामपुर थाना पुलिस अवैध शराब की तस्करी रोकने के लिए लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस के अनुसार इस तरह की छापेमारी आगे भी जारी रहेगी।

प्रशांत किशोर के आरोप के बाद संजय जायसवाल का लेटर

बेतिया। प्रशांत किशोर की ओर से पिछले दिनों बेतिया के सांसद संजय जायसवाल पर डीजल से जुड़े भ्रष्टाचार का आरोप लगा। इस पर बीजेपी सांसद संजय जायसवाल ने अब जवाब में बेतिया नगर निगम में डीजल चोरी का बड़ा मुद्दा उठाया है।सांसद ने मेयर गरिमा देवी सिकारिया और सशक्त समिति पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। संजय जायसवाल ने मेयर को ही सबसे बड़ा मास्टर माइंड बता दिया है। साथ ही एसआईटी के गठन की मांग की है। दरअसल, 20 जुलाई को बिहार के रोहतास में जनसुराज की स्टिकर लगी एक गाड़ी से शराब बरामद होने पर विवाद हुआ। इसी मुद्दे को आधार बनाकर सांसद संजय जायसवाल ने पहली बार प्रशांत किशोर पर सीधा हमला बोला।पेट्रोल पंप से पेट्रोल चोरी का लगाया आरोप इसके जवाब में प्रशांत किशोर ने भी संजय जायसवाल पर पलटवार करते हुए उन पर पेट्रोल पंप से पेट्रोल चोरी और पूर्वी चंपारण में फ्लाईओवर निर्माण में बाधा डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच यह टकराव लगातार मीडिया और सोशल मीडिया में सुर्खियां बनने लगा। आगे चलकर संजय जायसवाल ने एक प्रेस वार्ता कर प्रशांत किशोर पर और गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने जनसुराज की स्थापना को संदिग्ध बताते हुए दावा किया कि फंडिंग आंध्र प्रदेश के रेड्डी की कंपनी से हो रही है और शराब माफियाओं से भी पैसे लिए जा रहे हैं।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

इंटरव्यू की खास बातें

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

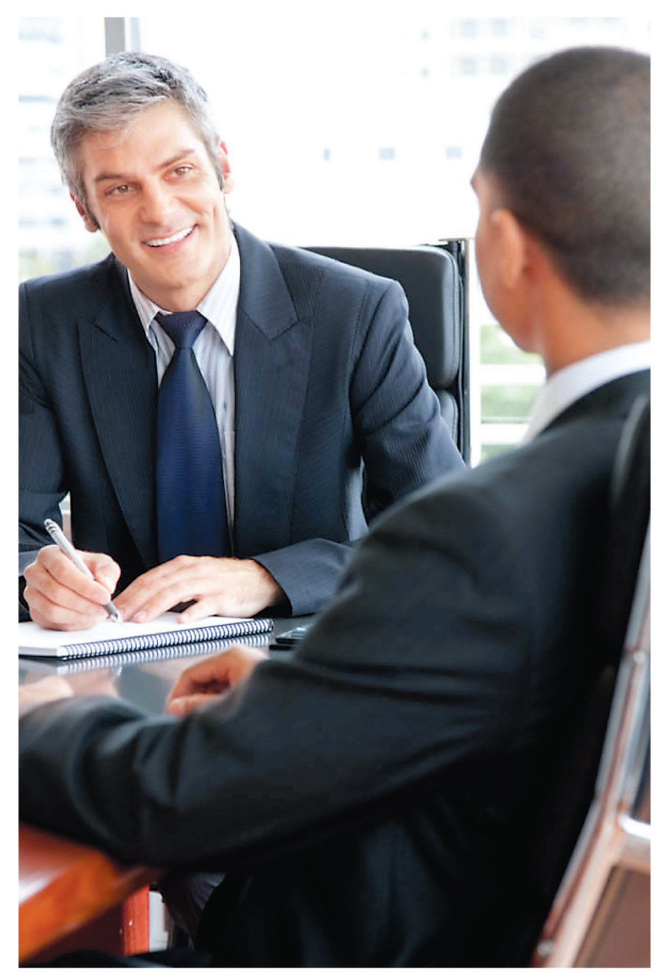

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं।

बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका

होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है। शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

भारत और बांग्लादेश के बीच आज सुपर फोर में होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश की टीमें बुधवार को एशिया कप 2025 के सुपर 4 में आमने-सामने होंगी। दोनो ही टीमों ने सुपर फोर का अपना पहला मैच जीता है। ऐसे में अब इनका लक्ष्य इस मैच को भी जीतकर फाइनल में जगह बनाना रहेगा। भारतीय टीम ने जहां पाकिस्तान को, वहीं बांग्लादेश ने श्रीलंका को हराया है। भारतीय टीम ने अपने सभी लीग मैच आसानी से जीते हैं। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार है हालांकि इसके बाद भी वह बांग्लादेश को हल्के में नहीं लेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के स्पिनरों पर नजरें रहेंगी।

आंकड़ों पर नजर डालें तो ये मुकाबला एकतरफा रहेगा। दोनों ही टीमों के बीच अब तक 17 टी20 मैच खेले गए हैं। इनमें से बांग्लादेश एक ही मैच जीता है।

बांग्लादेशी टीम भारत के सामने काफी कमजोर नजर आती है। ऐसे में सूर्यकुमार यादव की टीम के लिए ये मैच जीतना कठिन नहीं होगा हालांकि बांग्लादेश के स्पिनर बेहतर प्रदर्शन करके बाजी उल्ट सकते हैं। जहां तक बल्लेबाजी की बात है। उसमें भी भारतीय टीम कहीं आगे है। भारत के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को रोकना बांग्लादेशी गेंदबाजों के लिए बेहद कठिन होगा। इसके अलावा शुभमन गिल भी अच्छे फार्म में हैं। बांग्लादेश की बल्लेबाजी कप्तान लिटन दास और तौहीद ह्र्दय पर निर्भर रहेगी।

बांग्लादेश टीम इस मैच में पहले गेंदबाजी करना चाहेगी। उसका लक्ष्य भारत को कम स्कोर पर रोककर लक्ष्य का पीछा करना रहेगा। भारतीय बल्लेबाजो विशेषकर तिलक वर्मा और संजू सैमसन को बांग्लादेशी

स्पिनरों से सावधान रहना होगा। ये दोनों चौथे या पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं और ऐसे में स्पिनरों का अधिक सामना करना होता है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पांड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन, हर्षित राणा, रिंकू सिंह।

बांग्लादेश- लिटन दास (कप्तान, विकेटकीपर), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदोय, जेकर अली, शमीम हुसैन, नुरुल हसन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, मुस्तफिजुर रहमान, तंजीम हसन, तस्कीन अहमद, शोरफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन।

सट्टेबाजी ऐप मामले में ईडी के सामने पेश हुए पूर्व क्रिकेटर युवराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय ने आज पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह से ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप से जुड़े एक मामले में पूछताछ की है। ईडी ने धन शोधन के मामले में युवराज को पूछताछ के लिए कार्यालय में पेश होने को कहा था। युवराज दोपहर बारह बजे एजेंसी के दफ्तर पहुंचे। इससे पहले इसी मामले को लेकर सुरेश रैना, शिखर धवन ,रोबिन उत्थाप्पा सहित कुछ अन्य पूर्व क्रिकेटरों से भी पूछताछ हुई थी। युवराज समेत कई क्रिकेटर और फिल्मी सितारे इस इस ऐप का प्रचार कर रहे थे। इसी कारण कई फिल्मी सितारों से भी पूछताछ हुई है। वहीं सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

अधिकारियों ने कहा कि धन शोधन निरोधक अधिनियम के तहत युवराज के उनके बयान दर्ज किये। इसके अलावा पूर्व सांसद और बांग्ला अभिनेत्री मिमि चक्रवर्ती, अभिनेता अंकुश हाजरा से भी पूछताछ हुई है। अभिनेता सोनू सूद को बुधवार को पूछताछ के लिए बुलाया गया है।

ईडी ऐसे सट्टेबाजी ऐप और प्लेटफार्म के खिलाफ व्यापक जांच कर रही है जिनपर करोड़ों रुपये की ठगी करने और कथित तौर पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों की भारी मात्रा में चोरी करने के आरोप हैं। इस जांच के तहत आने वाले दिनों में एजेंसी कुछ अन्य खिलाड़ियों, फिल्म अभिनेताओं, ऑनलाइन प्रभावशाली व्यक्तियों और मशहूर हस्तियों को भी पूछताछ के लिए बुला सकती है। अब तक करीब आधा दर्जन बड़ी हस्तियों से ईडी ने पूछताछ की है।

फरहान और रउफ पर प्रतिबंध लगा सकती है आईसीसी

दुबई (एजेंसी)। भारत के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर फोर मुकाबले में करारी हार के बाद अब पाकिस्तान क्रिकेट टीम को एक और झटका लग सकता है। इस मैच में भड़काउ जश्न के लिए उसके दो खिलाड़ियों साहिबजादा फ़रहान और हैरिस रउफ पर आईसीसी कड़ी कार्रवाई कर सकती है। इसके तहत इनपर भारी जुर्माना लगाने के अलावा प्रतिबंध भी लग सकता है। इन दोनो ही ही शिकायत आईसीसी से की गयी है। मैच रैफरी ने इसमें भारतीय टीम से सभी प्रकार के साक्ष्य रखने को कहा है। उसी के आधार पर आईपीसी सजा का फैसला करेगी। इस मैच में पाक सलामी बल्लेबाज फ़रहान ने अर्धशतक लगाने के बाद 'बंदूक से गोलीबारी' के स्टाइल में जश्न मनाया। इससे एक प्रकार से वह क्रिकेटर नहीं आतंकियों जैसा व्यवहार कर रहे थे

क्रिकेट में जब खिलाड़ी मैदान पर बंदूक चलाने की नकल करें, तो यह खेल से ज्यादा हिंसा और कट्टरता दिखाती है। भारत-पाकिस्तान मैच पहले ही तनाव और भावनाओं से भरे होते हैं। ऐसे में बंदूक जैसे प्रतीकों का इस्तेमाल आतंकियों का समर्थन करना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मैच रेफरी ने भारतीय टीम से कहा है कि इस मुद्दे पर वो अपना पक्ष रखे, वहीं दोनों वीडियो के और एंगल इकठ्ठा किए जा रहे है। इस मैच में बल्लेबाजों की पिटाई से भड़के रउफ ने अपने हाथ से छह विमान गिराने के संकेत किये। इसके बाद भारतीय क्रिकेट प्रेमियों ने उन्हें जमकर निशाना बनाया और इस झूठ के लिए फटकार लगायी। वहीं फरहान ने जिस प्रकार बल्ले से गोलीबारी का इशारा किया उससे लोग भड़क गये।

इस प्रकार का व्यवहार नियमों के खिलाफ है।

आईसीसी आचार संहित के अनुसार अगर कोई भी जश्न विरोधी टीम या दर्शकों को भड़काए। उससे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। नियमों के तहत ही राजनीतिक, धार्मिक या हिंसक संदेश देने वाली हरकतों पर रोक है और अगर कोई खिलाड़ी खेल की भावना के खिलाफ जाता है, तो उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उसे प्रतिबंधित किया जा सकता है।

बांग्लादेश कोच फिल सिमंस का बयान, कहा- हर टीम के पास भारत को हराने की काबिलियत

दुबई (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस का मानना है कि भारत अजेय नहीं है और बुधवार को जब उनकी टीम एशिया कप सुपर चार के मुकाबले में मौजूदा विश्व चैंपियन से भिड़ेंगी तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा कि सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम ने पिछले चार मैचों में क्या हासिल किया है।

वेस्टइंडीज के लिए 1987 से 1999 तक खेलने वाले सिमंस से जब पूछा गया कि क्या इस भारतीय टीम को हराना संभव है तो उन्होंने कहा,'' हर टीम के पास इस भारतीय टीम को मात देने की क्षमता है।''

उन्होंने आगे कहा कि, मैच जिस दिन खेला जाता है उससे पहले क्या हुआ है, यह मायने नहीं रखता है। यह बुधवार को क्या होगा उस बारे में है। यह उस साढ़े तीन घंटे के खेल के दौरान प्रदर्शन के बारे में है। हम अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ खेलने की कोशिश करेंगे और उम्मीद है कि भारत की

कमजोरियां ढूंढ पाएंगे। यही वह तरीका है जिससे हम मैच जीतते हैं।'' इस 62 साल के पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि वह भारत से जुड़े किसी भी मैच के माहौल को समझते हैं और चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी उस पल का लुत्फ उठाते हुए चुनौती का सामना करें।

बांग्लादेश के कोच ने कहा कि, हर मैच खासकर भारत से जुड़े मैचों में एक उत्साह होता है क्योंकि वे दुनिया की नंबर एक टी20 टीम हैं। हम बस इस उत्साह का लुत्फ उठाने लेने जा रहे हैं। सिमंस का मानना है कि दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (डीआईसीएस) की पिच वास्तव में बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छी है और मैच में टॉस कोई बड़ा मसला नहीं होगा।

उन्होंने कहा, '' मैंने 40 ओवरों में विकेट में ज्यादा अंतर नहीं देखा। मुझे लगता है कि यह कुछ बेहतरीन विकेटों में से एक है जो मैंने यहां कुछ समय से देखे हैं। मुझे लगता है कि कल रात (भारत बनाम पाकिस्तान) भी ऐसा ही था। बांग्लादेश के कोच ने कहा, ''विकेट बल्लेबाजी के लिए बहुत अच्छा था। गेंदबाजों को सही गेंदबाजी करनी पड़ी। मुझे नहीं लगता कि टॉस का ज्यादा असर नहीं होगा।''

सिमंस ने कहा कि सितंबर की गर्मी में दुबई और अबुधाबी में लगातार क्रिकेट खेलना शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण है। वेस्टइंडीज के लिए 26 टेस्ट और 143 एकदिवसीय खेलने वाले इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा, ''मुझे लगता है कि खिलाड़ी लगातार मैच खेलने के लिए काफी फिट हैं। लेकिन किसी भी टीम के लिए लगातार टी20 मैच खेलना चुनौतीपूर्ण है। यह जितना लोग सोचते हैं उससे कहीं ज्यादा मुश्किल है।

भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले बांग्लादेश को लगा झटका, बड़ा खिलाड़ी हो सकता है बाहर

दुबई। बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास को भारत के खिलाफ सुपर-4 मुकाबले से पहले चोट लगने की आशंका है, क्योंकि 22 सितंबर को आईसीसी अकादमी ग्राउंड में प्रशिक्षण के दौरान उनकी पीठ में खिंचाव आ गया। लिटन को नेट्स में स्कायर कट लगाने की कोशिश करते समय कमर के बाई ओर बेचैनी महसूस हुई और टीम के फिजियो बायजदि उल इस्लाम द्वारा जांच के बाद उन्होंने सत्र से नाम वापस ले लिया।

बीसीबी के एक अधिकारी ने मंगलवार को क्रिकबज को बताया, 'हम आज लिटन की जांच करेंगे क्योंकि बाहर से वह बिल्कुल ठीक लग रहे हैं, लेकिन अंतिम निर्णय लेने से पहले हमें उनका मेडिकल मूल्यांकन करना होगा।' हालांकि लिटन इस घटना के बाद ज्यादा असहज नहीं दिखे, लेकिन उनकी अनुपस्थिति बांग्लादेश के लिए एक बड़ा झटका साबित होगी। यह भी स्पष्ट नहीं है कि उनकी अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी कौन करेगा, क्योंकि बीसीबी ने टूर्नामेंट के लिए किसी उप-कप्तान की घोषणा नहीं की है। बांग्लादेश ने अपने सुपर-4 अभियान की शुरुआत श्रीलंका पर शानदार जीत के साथ की।

श्रेयस ने निजी कारणों से भारत ए की कप्तानी छोड़ी

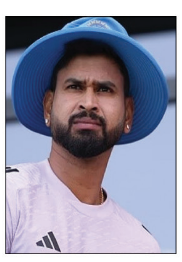

नई दिल्ली । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। श्रेयस अचानक ही भारत ए की कप्तानी छोड़कर मुम्बई लौट गये हैं। श्रेयस की कप्तानी में ही भारत ए ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पहला अनाधिकारिक टेस्ट मैच खेला था जो ड्रॉ रहा था। श्रेयस ने निजी कारणों से दूसरे मैच से अपना नाम वापस लिया है। उनके बाहर जाने से अब भारत ए की कप्तानी ध्रुव जुरेल या फिर रजत पाटीदार टीम को मिल सकती है। रिपोर्ट के अनुसार ये पता नहीं चला है कि श्रेयस ने अचानक ऐसा फैसला क्यों किया है। उन्होंने अपनी फैसले की जानकारी बीसीसीआई को भी दे दी है।

गांगुली दूसरी बार बंगाल क्रिकेट संघ के अध्यक्ष बने

कोलकात। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली दूसरी बार बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के अध्यक्ष बने हैं। अभी इस पद पर उनके बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली थे। गांगुली ने दूसरी बार अध्यक्ष बनने पर कहा कि ईडन गार्डन्स स्टेडियम की क्षमता को बढ़ाकर एक लाख के करीब किया जाएगा। इसके अलावा अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के अहम मैचों की मेजबानी हासिल करना भी प्रयास किया जाएगा। गांगुली को सोमवार को कोलकाता में सीएबी की 94वीं वार्षिक आम बैठक में निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। वह इससे पहले साल 2015 से 2019 तक सीएबी अध्यक्ष रहे थे। गांगुली साल 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष भी रहे थे। गांगुली ने कहा कि उनका पहला काम नवंबर में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले पहले टेस्ट के लिए ईडन को पूरी तरह से तैयारी करना रहेगा। यह 2019 में बांग्लादेश के खिलाफहुए दिन रात्रि टेस्ट मैच के बाद ईडन गार्डन्स में पहला टेस्ट होगा। गांगुली को उम्मीद हैं की भारत और दक्षिण अफ्रीका की टीमें ईडन गार्डन्स में उपलब्ध सुविधाओं का आनंद उठाएगी। उन्होंने कहा, ''यह एक अच्छा टेस्ट मैच होगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका विश्व चैंपियन है। इस स्टेडियम में सब कुछ मौजूद है। अच्छी पिचें, अच्छे दर्शक और, बुनियादी ढांचा है।'' गांगुली रविवार को बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) की वार्षिक आम बैठक में सीएबी का प्रतिनिधित्व करेंगे। बीसीसीआई रविवार को मुंबई में होने वाली अपनी वार्षिक आम बैठक में दिल्ली के पूर्व कप्तान मिथुन मन्हास को अपना नया अध्यक्ष चुनने जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, स्टार ऑलराउंडर वनडे विश्व कप से बाहर

स्पोर्ट्स डैस्क। ऑस्ट्रेलिया को एक बड़ा झटका लगा, जब स्टार ऑलराउंडर ग्रेस हैरिस चोट के कारण आगामी आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 से बाहर हो गई। यह विश्व कप 30 सितंबर से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। हैरिस को भारत के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में पिंडली में खिंचाव की चोट लगी, जो संयोग से मार्च 2024 के बाद से इस प्रारूप में उनकी पहली वापसी थी।

इस चोट ने इस ऑलराउंडर की भारत और श्रीलंका में होने वाले टूर्नामेंट के दौरान अपना पहला वनडे विश्व कप मैच खेलने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। हैरिस

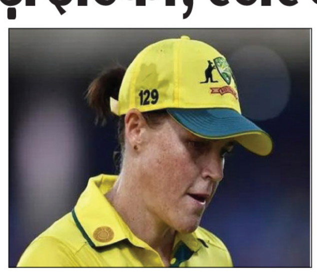

ऑस्ट्रेलिया के 2022 विश्व कप विजेता अभियान का हिस्सा थीं, लेकिन एक भी मैच नहीं खेल पाई। हैरिस निचले क्रम में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी के लिए जानी जाती हैं। उनका टी20आई स्ट्राइक रेट 155.52 का है और वे एक उपयोगी ऑफ-स्पिनर भी हैं, जिन्होंने 21 अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं।

ग्रेस हैरिस ने सफेद गेंद क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। मार्च 2024 के बाद से ऑस्ट्रेलिया के लिए कोई भी वनडे मैच नहीं खेलने के बावजूद, ग्रेस हैरिस ने अपने हालिया सफेद गेंद वाले मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। टी20 ब्लास्ट में सरी के लिए खेलते हुए, उन्होंने लगभग 158 के स्ट्राइक रेट से 338 रन बनाए।

चोटिल ग्रेस हैरिस की जगह ऑस्ट्रेलियाई आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 टीम में हीथर ग्राहम को शामिल किया जाएगा। वह वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शुरुआती दो महिला राष्ट्रीय क्रिकेट लीग मैचों के बाद भारत में टीम से जुड़ेंगी। ग्राहम एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं, जिन्होंने 6 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं और 9 विकेट लिए हैं। हैरिस की तरह, ग्राहम ने भी इंग्लिश घरेलू लीग में अच्छा प्रदर्शन किया है।

आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप 2025 के लिए अपडेटेड ऑस्ट्रेलियाई टीम- एलिसा हीली (कप्तान), डार्सी ब्राउन, ऐश गार्डनर, किम गार्थ, हीथर ग्राहम, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्राथ, सोफी मोलिनक्स, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शुट्ट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी नहीं खेलेंगे ऋषभ

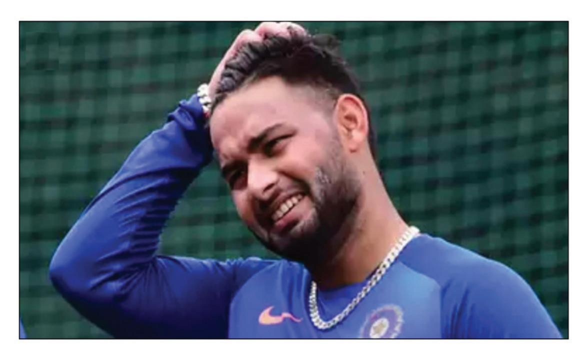

मुम्बई । इंग्लैंड दौरे में चोटिल हुए भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी टल गयी है। ऋषभ को वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले माह होने वाली दो मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए भी शामिल नहीं किया गया है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज को इंग्लैंड में चौथे टेस्ट के दौरान चोट लग गयी थी। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। वेस्ट इंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा 24 सितंबर की जा सकती है। चयनसमिति ऋषभ को फिट होने के लिए पर्याप्त समय दिये जाने के पक्ष में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चयन समिति 15 खिलाड़ियों का चयन करेगी। ऋषभ को मैनचेस्टर में चौथे टेस्ट के दौरान बाएं पैर में फ्रैक्चर हो गया था। अभी ये विकेटकीपर बल्लेबाज चोट से उबर गया है पर ताकत और कंडीशनिंग का अभ्यास कर रहा है। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर नजर रखे हुए है। भारतीय टीम वेस्टइंडीज सीरीज के बाद 19 अक्टूबर से ऑस्ट्रेलिया में एक सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इस दौरे में युवा ध्रुव जुरेल को विकेटकीपर बल्लेबाज की जिम्मेदारी मिलना तय है। जुरेल अभी लखनऊ में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ खेल रहे हैं। उन्हें इंग्लैंड दौरे में अंतिम दो टेस्ट में विकेटकीपिंग की थी।

थिम्मप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में अर्जुन तेंदुलकर ने लिया समित द्रविड़ का विकेट

अलूर (एजेंसी)। कर्नाटक के अलूर में एक स्थानीय टूर्नामेंट में दो महान क्रिकेटरों के बेटे आमने-सामने नजर आये। यहां सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ अलग-अलग टीमों से उतरे थे। ऐसे में बल्लेबाजी कर रहे समित का विकेट गेंदबाजी कर रहे अर्जुन ने लिया। समित केएससीए सेक्रेटरी इलेवन के लिए खेल रहे थे।

समित ने थिम्मप्पिया मेमोरियल टूर्नामेंट में 26 गेंदों पर 9 रन रन बनाये। जिसमें दो चौके शामिल थे पर अर्जुन तेंदुलकर की गेंद पर वह कैच हो गये।

अर्जुन 25 साल के हो चुके हैं जबकि समित अभी 19 साल के हैं। अर्जुन गेंदबाजी करते हैं और अपने करियर को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं तो समित अच्छा बल्लेबाज बनना चाहते हैं।

इस टूर्नामेंट में कर्नाटक के कुछ शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों के अलावा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले करुण नायर और प्रसिद्ध कृष्णा भी शामिल थे। इस टूर्नामेंट को 2025-26 रणजी ट्रॉफी सत्र के लिए अभ्यास की तरह देखा जा रहा है, जिससे प्लेयर्स की फॉर्म और फिटनेस का आंकलन किया जाएगा।

शाहिद अफरीदी ने अंपायरों पर लगाया पक्षपात का आरोप

लाहौर । पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने एशिया कप क्रिकेट 2025 में भारतीय टीम के हाथों मिली करारी हार के लिए अंपायरों को दोषी बताया है। अफरीदी ने आरोप लगाया है कि आईपीएल में अवसरों को देखते हुए अंपायर भारतीय टीम के पक्ष में फैसले देते है। अफरीदी ने इस मैच में फखर जमां को आउट दिए जाने के फैसले पर भी सवाल उठाये। फखर को हार्दिक पंड्या की गेंद पर संजू सैमसन ने कैच किया था जिसे थर्ड अंपायर ने सही मानते हुए उन्हें आउट करार दिया। अफरीदी ने कहा कि सभी अंपायर भारत की आईपीएल में काम करना चाहते हैं। ऐसे में वे बेहतर करियर की उम्मीद में अन्य टीमों के खिलाफ फैसले देते हैं। अफरीदी ने तंज कसते हुए कहा, 'उन्हें आईपीएल में भी तो अंपायरिंग करनी है.' वहीं एक और पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर मोहम्मद यूसुफ ने अफरीदी की बात का समर्थन किया। साथ ही कहा, 'अंपायरों ने अलग एंगर से रिप्ले नहीं देखा। फखर ने तीन चौके मारे थे और पहले ओवर में ही बुमराह का सामना आराम से कर रहे थे। ऐसे में भारतीय टीम को उनका विकेट चाहिये था। वहीं पाक कप्तान सलमान ने कहा कि उन्हें लगा कि गेंद विकेटकीपर के दस्तानों में जाने से पहले जमीन पर टकराई थी। सलमान ने मैच के बाद कहा, 'अंपायर गलतियां कर सकते हैं पर मुझे लगा कि यह गेंद विकेटकीपर के आगे उछली थी हालांकि मैं गलत हो सकता हूं। साथ ही कहा कि जिस तरह से फखर बल्लेबाजी कर रहे थे, अगर उन्होंने पावर प्ले में बल्लेबाजी की होती, तो हम शायद 190 रन बना सकते थे।'

अभिषेक शर्मा का खुलासा, व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे पाकिस्तानी गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशिया कप 2025 के सुपर-4 राउंड में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले में दर्शकों ने क्रिकेट का असली रोमांच देखा। भारत ने इस मैच में 6 विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन खेल का असली आकर्षण रन बनाने के साथ-साथ खिलाड़ियों के बीच हुई तनातनी भी रही। भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने खुलासा किया कि पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों ने उन्हें बार-बार उकसाने के लिए व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे।

शुरुआती ओवरों से चढ़ा पारा

मैच की शुरुआत में ही तनाव बढ़ गया था। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज लगातार भारतीय बल्लेबाजों को शब्दों के जरिए विचलित करने की कोशिश कर रहे थे। खासतौर पर शुरुआती स्पेल के दौरान शुभमन गिल और शाहीन

अफरीदी के बीच हुई बहस ने माहौल गरमा दिया। इसके बाद हारिस रऊफ भी अभिषेक शर्मा से भिड़ गए, जिसके चलते अंपायरों को दखल देना पड़ा।

अभिषेक का सख्त जवाब

मैच के बाद अभिषेक शर्मा ने स्पोर्ट्स शो में बातचीत करते हुए साफ किया कि उन्हें विपक्षी टीम का व्यवहार कतई पसंद नहीं आया। उनके मुताबिक, पाकिस्तान के गेंदबाज हर गेंद के बाद व्यक्तिगत टिप्पणियां कर रहे थे, जो खेल की भावना के खिलाफ है। अभिषेक ने कहा कि उन्होंने और गिल ने तय किया कि बहस करने के बजाय रन बनाकर ही जवाब दिया जाए।

साझेदारी ने बदला खेल का रुख

भारतीय टीम की जीत में गिल और अभिषेक की शतकीय साझेदारी सबसे अहम रही। दोनों बल्लेबाजों ने न केवल टीम को शुरुआती दबाव से निकाला बल्कि पाकिस्तानी आक्रमण को भी ध्वस्त कर दिया। अभिषेक ने कहा कि गिल के साथ उनकी समझ काफी पुरानी है और यही तालमेल मैच में काम आया।

आत्मविश्वास का राज

अभिषेक ने आगे कहा कि उनका आत्मविश्वास टीम के भरोसे से आता है। टीम मैनेजमेंट और साथी खिलाड़ी लगातार उन्हें समर्थन देते हैं, जिससे वह मैदान पर खुलकर खेल पाते हैं। उन्होंने कहा कि जब पूरी टीम आपके पीछे खड़ी हो, तो जवाब भी उसी स्तर का देना चाहिए।

मैदान पर खेल, शब्दों से नहीं

भारत की यह जीत एक बार फिर इस बात का सबूत है कि मुकाबले बल्ले और गेंद से जीते जाते हैं, न कि शब्दों की जंग से। पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने जिस तरह की रणनीति अपनाई, उसका जवाब भारतीय बल्लेबाजों ने शांत रहकर रन बनाकर दिया।

भारत पर टैरिफ लगाकर अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचा रहे ट्रंप : शशि थरूर

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत पर भारी टैरिफ लगाने के बाद विवादित बयान दे रहे अमेरिका के नेताओं को कांग्रेस नेता शशि थरूर ने आईना दिखा दिया है। उन्होंने बताया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लगता है कि टैरिफ बहुत बड़ा हथियार है, जबकि इससे अमेरिका को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है। ट्रंप ने भारत पर कुल 50 फीसदी शुल्क लगाया है, जो किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा है।

कांग्रेस नेता थरूर ने कहा, ...ट्रंप को ऐसा लगता है कि टैरिफ दुनिया की कई समस्याओं को सुलझाने के जादुई हथियार है। उन्हें लगता है कि कई चीजें जो पहले अमेरिका में बनती थी, अब विदेश से आ रही हैं। वह इन चीजों और ज्यादा महंगा बनाना चाहते हैं, ताकि अमेरिकी निर्माता अमेरिका में और ज्यादा काम करें और अमेरिका के कागारों को रोजगार दें, जो उनके मेगा क्षेत्र में शामिल हैं। दूसरी बात ट्रंप को लगता है कि टैरिफ देश के राजस्व का बड़ा जरिया हैं। वे उम्मीद कर रहे हैं कि जैसे कि वह दावा करते हैं कि टैरिफ कलेक्ट कर हर महीने अरबों डॉलर का राजस्व आ रहा है, जिससे वह घाटे को कम कर देने वाले है।

उन्होंने कहा, इन दोनों की वजह खुद ट्रंप की उनके बयानों और ट्वीट्स में इस्तेमाल की गई भाषा और इसके बाद उनके सलाहकार नवारो की ओर से दिए गए आपत्तिजनक बयान हैं, जिसका विरोध देशभर में हुआ। अगर 30 साल के संबंधों में कोई खास परेशानी नहीं थी, जो पहले ही और मजबूत होता जा रहा था, तब आपको भारत के प्रति ऐसी भाषा इस्तेमाल करने की जरूरत क्या थी? इस बिल्कुल पसंद नहीं किया गया।

बात दें कि ट्रंप के सहयोगी नवारो भारत पर लगातार निशाना साध रहे हैं। 16 सितंबर को ही नवारो ने कहा है कि भारत 'बातचीत की मेज पर आ रहा है।' उन्होंने कहा कि दुनिया के प्रमुख देशों की तुलना में भारत सबसे ज्यादा शुल्क लगाता है। उनकी यह टिप्पणी ट्रंप प्रशासन के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच की प्रस्तावित भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर दिन भर चलने वाली वार्ता से पहले आई थी।

देश को चलाने वाली पार्टी, खुद के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुन नहीं पा रही : संजय राउत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के चुनाव में देरी पर अब विपक्ष तंज कस रहा है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के सदस्य दल शिवसेना (यूबीटी) ने आरोप लगाया हैं कि देश को चलाने वाली पार्टी अपने खुद के राष्ट्रीय अध्यक्ष को चुन नहीं पा रही है। उनका दावा है कि किसी एक नेता के नाम पर सहमति नहीं बन पा रही है। फिलहाल, इस बयान पर भाजपा की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। शिवसेना (यूबीटी) से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने कहा, एकमत नहीं हो रहा है नाम के ऊपर यह भी सच है। एक पार्टी देश चला रही है, लेकिन अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन नहीं कर पा रही है। आप चुनाव आयोग को बदल सकते हो, आप सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को बदल सकते हो, आप किसी को भी बदल सकते हो। उन्होंने कहा, आप उपराष्ट्रपति को घर भेज सकते हो, लेकिन आपकी पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन नहीं कर सकते है। यह क्या मामला है, देश को पता होना चाहिए। आप कल राष्ट्रपति को भी घर भेज सकते हैं, जैसे धनखड़ साहब को भेजा है, लेकिन आप अपनी पार्टी का अध्यक्ष नहीं चुन सकते। फिलहाल, केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ही भाजपा की कमान संभाल रहे हैं और इससे पहले उन्हें कार्यकाल विस्तार मिल चुका है। यह साफ नहीं है कि भाजपा कब तक राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करेगी, लेकिन अटकलें लगाई जा रही हैं कि बिहार विधानसभा चुनाव के पहले पार्टी नया कप्तान चुन सकती है।

पुलिस इंस्पेक्टर की रेबीज से मौत

अहमदाबाद (एजेंसी)। अहमदाबाद सिटी पुलिस में ड्यूटी पर तैनात पुलिस इंस्पेक्टर की रेबीज से सोमवार की शाम मौत हो गई। तबियत बिगडने पर उन्हें रविवार की रात केडी हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया था। जांच में पता चला था कि रेबीज का इंफेक्शन उनके पूरे शरीर में फैल गया है। 50 साल के इंस्पेक्टर वनराजसिंह मंजारिया 25 सालों से पुलिस बल में काम करते थे। उनके रिश्तेदारों ने बताया कि उन्हें डॉग्स पालने का बहुत शौक था। उनके फॉर्म हाउस में डॉग्स थे। कुछ दिन पहले ही वे एक स्ट्रीट डॉग लाए थे। इसी डॉग के काटने से उनके पैर के नाखून में चोट लगी थी। हालांकि, मंजारिया को इसका पता नहीं चला या फिर उन्होंने इसे सीरियसली नहीं लिया।

पीके को 100 करोड़ की मानहानि नोटिस

पटना (एजेंसी)। मंत्री और जदयू के राष्ट्रीय महासचिव अशोक चौधरी ने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को 100 करोड़ का मानहानि नोटिस भेजा है। पीके ने 3 दिन पहले अशोक चौधरी पर 200 करोड़ की जमीन खरीदने का आरोप लगाया था। इस मामले में अशोक चौधरी ने बिना शर्त माफी मांगने के कहा है। उन्होंने नोटिस में कहा कि प्रशांत किशोर की ओर से लगाए जा रहे आरोप भ्रामक और उनकी घबराहट और बौखलाहट का परिणाम हैं। इससे पहले भी प्रशांत किशोर पर मानहानि का मामला दायर किया था, जिसके बाद 17 सितंबर को कोर्ट ने पेशी के लिए उन्हें बुलाया था।

4 दोस्तों समेत 5 की जिंदा जलकर मौत

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ में जीटी रोड पर 5 की जिंदा जलकर मौत हो गई। यहां 100 की स्पीड से जा रही कार का अचानक टायर फट गया। इससे कार बेकाबू होकर डिवाइडर तोड़ते हुए दूसरे साइड से जा रहे कैंटर से टकरा गई। राहगीर ने एक को खींचकर बाहर निकाला। इसके बाद तेज धमाका हुआ, फिर दोनों वाहनों में आग लग गई। हादसे में कार सवार सभी चार लोग और कैंटर चालक जिंदा जल गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस फायर ब्रिगेड की टीम के साथ मौके पर पहुंची। 20-25 मिनट में आग बुझाई गई। इसके बाद पुलिस ने देखा तो शवों के सिर्फ कंकाल बचे थे। बॉडी बैग में पुलिस सभी शवों को लेकर गई। अभी किसी की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी फटा

पोर्ट ब्लेयर (एजेंसी)। अंडमान-निकोबार के बैरन आइलैंड में बीते 8 दिनों के भीतर दो बार हल्के ज्वालामुखी विस्फोट हुए हैं। यहां भारत का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह ज्वालामुखी 13 और 20 सितंबर को फटा, हालांकि दोनों बार विस्फोट हल्के दर्जे के थे और आसपास के इलाकों पर किसी तरह का खतरा नहीं है। बैरन आइलैंड पोर्ट ब्लेयर से करीब 138 किलोमीटर दूर है और यह दक्षिण एशिया का इकलौता सक्रिय ज्वालामुखी है। यह लगभग 3 वर्ग किलोमीटर का निर्जन द्वीप है, जिस पर ज्वालामुखी की राख और पत्थर फैले रहते हैं। यह द्वीप 354 मीटर ऊंचा है और अंडमान-निकोबार की खास पहचान माना जाता है।

कार और मिनी बस की हुई भीषण टक्कर, पांच लोग जिंदा जले

अलीगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें कार और मिनी बस की टक्कर के बाद भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आने से पांच लोग जिंदा जल गए। मृतकों में एक महिला और एक बच्चा भी शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह हादसा नेशनल हाईवे पर हुआ, जहां टक्कर के बाद दोनों वाहनों में आग भड़क उठी। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल भी हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीण पुलिस अधीक्षक (एसपी) के नेतृत्व में पुलिस, दमकल विभाग की गाड़ियां और एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं। राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू किए गए। ग्रामीण एसपी अमृत जैन ने बताया कि हमें सूचना मिली कि गोपी पुल के पास दो वाहनों की टक्कर हो गई, जिसके बाद दोनों में आग लग गई। पुलिस, दमकल और एम्बुलेंस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। घायलों को वाहनों से निकाला गया और आग पर काबू पा लिया गया। मामले की विस्तृत जांच जारी है और अधिक जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है।

गैंगस्टर रोहित गोदारा ने खोली, लॉरेंस बिश्नोई की पोल कहा- अमेरिका से मिला रखा है हाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। गैंगस्टर रोहित गोदारा ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर हलचल मचा दी है। इस बार उसने सीधे लॉरेंस बिश्नोई पर हमला बोलते हुए उसे 'गद्दार' करार दिया है। गोदारा ने गंभीर आरोप लगाया कि लॉरेंस ने अपने भाई अनमोल को बचाने के लिए अमेरिकी एजेंसी से हाथ मिलाया और अब देश की खुफिया जानकारी वहां लीक करता है। बता दें कि कभी रोहित गोदारा, गोल्डी बराड़ और लॉरेंस बिश्नोई एक ही गैंग का हिस्सा थे, लेकिन इस साल उनके बीच दरार आ गई। अब गोल्डी बराड़ और रोहित गोदारा एक साथ हैं, जबकि लॉरेंस बिश्नोई का गैंग अलग हो चुका है।

गोदारा ने अपनी पोस्ट में कहा कि लॉरेंस को सनातन धर्म का कोई अर्थ तक नहीं पता, वह केवल 9 दिन का व्रत करके और मीडिया में फोन लगाकर सुर्खियां बटोरने की कोशिश करता है। उसने दावा किया कि लॉरेंस असल में धार्मिक नहीं बल्कि दिखावटी सनातनी है। हालांकि, ईएमएस इस सोशल मीडिया पोस्ट की पुष्टि नहीं करता है। अमेरिका एजेंसी से मिलके अपने भाई (अनमोल) को बचाया। और अब देश की खुफ़िया बातें उनको बताता है। और उनको हम जितने भी भाई बाहर बैठे हैं। उन सबकी मुखबीरी करता है और ये उसके (सलमान खान) नाम का जो फेम लेता रहता है। ये खुद हमको कहता आया है कि भाई फेम के लिये इसको मारना है। और जिस चीनू बहन (आनंदपाल जी) के लिये ये गलत बोल रहा है। उसको ये बहन कहता था! वो हमारी छोटी बहन है। और इसको सनातन नाम का अर्थ भी नहीं पता। 9 दिन का नवरात्रा करने से पहले तो मीडिया को फ़ोन करके बताता है। ये (लॉरेंस) गद्दार और कुत्ता है। मीडिया से मेरा निवेदन है कि इस कुत्ते के साथ हमारी कोई फोटो और हमारा नाम ना जोड़े।

आजम खान की रिहाई से पहले फंसा पेंच, फिलहाल नहीं आ पाए जेल से बाहर

सीतापुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान की आज यानी मंगलवार सुबह सात बजे जेल से रिहाई होनी थी, लेकिन एक गलती की वजह से अब कहा जा रहा है कि कुछ विलंब बाद ही वह जेल से बाहर आ सकेंगे। दरअसल रिहाई से संबंधित चालान जमा न होने के चलते आजम खान की रिहाई रुकी हुई है। उधर, 23 महीने बाद जेल से बाहर आ रहे आजम खान को रिसीव करने के लिए उनके समर्थक सुबह से ही सीतापुर जेल पहुंच रहे हैं। उनके बेटे अदीब आजम भी सीतापुर पहुंचे हैं। जेल सूत्रों का कहना है कि 70 मुकदमों में आजम खान की रिहाई का आदेश आया है।

आजम खान अक्टूबर 2023 से जेल में बंद हैं। भाजपा नेता आकाश सक्सेना ने तीन जनवरी 2019 को गंज कोतवाली में मोहम्मद आजम खान, अब्दुल्ला आजम और तजीन फातिमा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें आरोप लगाया था कि अनुचित लाभ लेने के लिए आजम खां और तजीन फातिमा ने बेटे अब्दुल्ला आजम के दो जन्म प्रमाण पत्र बनवाए हैं। सुरक्षा कारणों से तजीन फात्मा को रामपुर जेल में ही रखा गया था जबकि, आजम खां को सीतापुर और अब्दुल्ला आजम को हरदोई जेल भेजा गया था। तजीन और अब्दुल्ला को पूर्व में जमानत पर रिहाई मिल गई थी लेकिन, आजम खान के रिहाई परवाने सोमवार को जारी हुए हैं। उनकी रिहाई को लेकर समर्थकों में खुशी की लहर है। रामपुर से लेकर सीतापुर तक उनके इस्तकबाल के लिए जश्न की तैयारियां की जा रही हैं। आजम खान से जुड़े डूंगरपुर प्रकरण में मुरादाबाद के एलआईयू इंस्पेक्टर शरद पंवार कोर्ट में पेश हुए। एडीजीसी सीमा सिंह राणा ने बताया कि इस केस में अगली सुनवाई 26 सितंबर को होगी। 2020 में कोर्ट में सरेंडर करने के बाद आजम खां को रामपुर जेल से सीतापुर की जेल शिफ्ट किया गया था। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मंजूर होने के बाद आजम खां करीब 27 माह बाद 20 मई 2022 को सीतापुर की जेल से रिहा हुए थे। रामपुर में अब्दुल्ला आजम के दो पैनकार्ड और दो पासपोर्ट प्रकरण में सोमवार को सुनवाई थी लेकिन, अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने के चलते सुनवाई टल गई।

कोलकाता की बारिश ने मचाई तबाही, करंट से 5 की गई जान, मेट्रो सेवाएं भी हुईं बाधित

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में बारिश ने जमकर तबाही मचाई है। यहां मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में पानी भर गया है, जिसमें करंट भी उतरने की बात सामने आई है। करंट लगने की वजह से अब तक कुल 5 लोगों की मौत हुई है। पिछले 6 घंटों में शहर में 250 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई, जिससे शहर के कई हिस्सों में घुटनों तक पानी भर गया है।

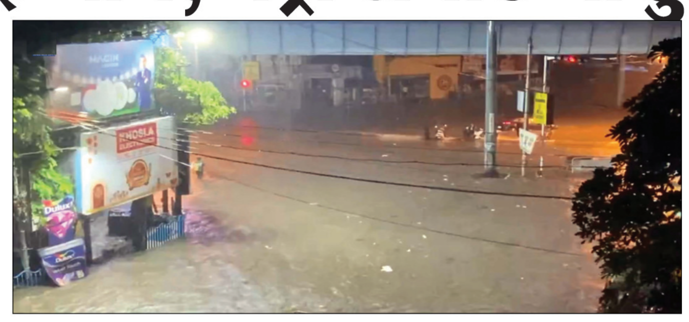

महानायक उत्तम कुमार और रवींद्र सरोबर स्टेशनों के बीच जलभराव हो गया है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, शहीद खुदीराम से मैदान स्टेशन के बीच मेट्रो सेवाएं रोक दी गई हैं। दक्षिणेश्वर और मैदान स्टेशनों के बीच मेट्रो सेवाएं कम संख्या में चलाई जा रही हैं। पानी को पंप से बाहर निकाला जा रहा है। मेट्रो रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने के लिए मौके पर पहुंच गए हैं।

आईएमडी के मुताबिक उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण यह बारिश हुई है। रात भर हुई बारिश की वजह से शहर की कई सड़कों में पानी भर गया। कई घरों और आवासीय परिसरों में भी पानी घुस गया है। कोलकाता नगर निगम (केएमसी) के मुताबिक, गरिया कामदाहरी में 332 मिमी, जोधपुर पार्क में 285 मिमी, कालीघाट में 280 मिमी, टॉप्शिया में 275 मिमी, और बालीगंज में 264 मिमी बारिश दर्ज की गई। रात में हुई मूसलाधार बारिश के बाद, हावड़ा स्टेशन यार्ड, सियालदह दक्षिण स्टेशन यार्ड, चितपुर उत्तर केबिन, विभिन्न कार-शेड और सियालदह यार्ड के विभिन्न स्थानों पर जलभराव देखा गया। हावड़ा और सियालदह मंडलों की रेलवे लाइनों पर पानी भर गया है। जमा हुए पानी को निकालने के लिए कई जगहों पर पानी के पंप लगाए गए हैं, लेकिन आस-पास के सिविल क्षेत्र से भी पानी भर जाने के कारण, पानी वापस रेलवे यार्ड में बह रहा है, जिससे और भी मुश्किलें पैदा हो रही हैं।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बना है, जिसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इससे दक्षिण बंगाल के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। बुधवार तक पूर्व मेदिनीपुर, पश्चिम मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना, झाड़ग्राम और बांकुरा जिलों में भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने यह भी बताया कि 25 सितंबर के आसपास पूर्व-मध्य और उत्तर बंगाल की खाड़ी के आस-पास एक और नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में और बारिश हो सकती है।

आयुष्मान भारत योजना के सात वर्ष पूरे होने के मौके पर पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आयुष्मान भारत योजना के सात वर्ष पूरे होने के मौके पर बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में कहा, 'इसकी बदौलत, भारत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा में एक क्रांति का गवाह बन रहा है। योजना ने वित्तीय सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित किया है। भारत ने दिखाया है कि कैसे पैमाने, करुणा और तकनीक मानव सशक्तीकरण को और आगे बढ़ा सकते हैं।' इसके अलावा, केंद्र सरकार ने एक्स के 'माई गव इंडिया' अकाउंट पर भी योजना का जिक्र किया। योजना का जिक्र कर पोस्ट में कहा गया कि आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के सात वर्ष पूरे होने पर, भारत एक स्वास्थ्य सेवा क्रांति का जश्न मना रहा है, जिसने 55 करोड़ से ज्यादा नागरिकों के लिए वित्तीय सुरक्षा, सार्वभौमिक पहुंच और सम्मानजनक देखभाल सुनिश्चित करते हुए, स्वास्थ्य सेवाओं की नई परिभाषा गढ़ी है। यह एक ऐसी योजना है, जो इस बात का खाका तैयार करती है कि कैसे दूरदर्शी नीतियां जन स्वास्थ्य की नियति को नए सिरे से लिख सकती हैं। बता दें कि आयुष्मान भारत योजना भारत सरकार की स्वास्थ्य बीमा योजना है, जो 50 करोड़ से अधिक गरीब और कमजोर लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं देती है। इसमें प्रति परिवार 5 लाख रुपए तक का वार्षिक कवरेज शामिल है, जो अस्पताल में भर्ती होने पर लागू होता है। इसका लक्ष्य स्वास्थ्य देखभाल को सस्ता और सुलभ बनाना है।

पाबंदी: अब भारत के हवाई क्षेत्र में नहीं घुस पाएंगे पाकिस्तान के हवाई जहाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। आए दिन कुछ न कुछ भारत विरोधी गतिविधियों को अंजाम देता नजर आता है। उसकी हरकतों के चलते भारत ने पाकिस्तान के हवाई जहाजों को भारत के हवाई क्षेत्र में घुसने पर प्रतिबंध लगा दिया है। नया नोटिस टू एयरमेन (नोटम) भारत की एविएशन अथॉरिटी की ओर से जारी किया गया। यह कदम पाकिस्तान के नोटम के कुछ दिनों बाद उठाया गया है, जिसमें पाकिस्तान ने भारतीय विमानों और एयरलाइंस के लिए अपने हवाई क्षेत्र को उसी समय तक बंद करने की घोषणा की थी।

बता दें कि हाल ही में पाकिस्तान ने दो दिन पहले अपने ताजा नोटम के साथ हवाई क्षेत्र बंदी को बढ़ाया था, जो पिछले बंदी नोटिस के 24 सितंबर को समाप्त होने से कुछ दिन पहले जारी किया गया था। पाकिस्तान के इस विस्तार के बाद पिछले भारतीय नोटम के तहत अपने हवाई क्षेत्र की बंदी को बढ़ाने की संभावना थी। भारत की ओर से जारी नया नोटम पिछले नोटिसों के समान है। भारत अपने हवाई क्षेत्र को पाकिस्तानी एयरलाइंस और विमानों (सैन्य उड़ानें भी शामिल) के लिए 24 अक्टूबर को सुबह 5:29 बजे तक बंद रखेगा। पाकिस्तान का ताजा नोटम भी हवाई क्षेत्र बंदी के लिए उसी तारीख और समय को दर्शाता है। अप्रैल में पहलगाम आतंकी हमले के बाद नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संबंधों में तनाव बढ़ा हुआ है। पाकिस्तान ने 24 अप्रैल को हवाई क्षेत्र बंद करने की शुरुआत की। शुरू में एक महीने के लिए भारतीय विमानों और एयरलाइंस को पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरने से रोक गया। भारत ने 30 अप्रैल को जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तानी विमानों और एयरलाइंस के लिए अपने एयरस्पेस को बंद कर दिया। तब से, दोनों देश मासिक आधार पर नोटम जारी करके इस बंदी को बढ़ा रहे हैं। भारत और पाकिस्तान ने एक-दूसरे की एयरलाइंस और विमानों पर प्रतिबंध लगा दिया है, लेकिन उनके हवाई क्षेत्र दूसरे देशों की एयरलाइंस और विमानों को लेकर उड़ान भरने के लिए खुले हुए हैं।

अंतरिक्ष में सैटेलाइट्स को सुरक्षित करने इसरो तैनात करेगा स्पेस एस400

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन और पाकिस्तान से मिल रही चुनौतियों को लेकर मोदी सरकार सतर्क दिख रही है। भारत सरकार ने बॉडीगार्ड सैटेलाइट्स का एक बेड़ा तैयार करने की योजना तैयार की है, जिसका मकसद अंतरिक्ष में भारतीय उपग्रहों की रक्षा प्रदान करना है। यह पहल भारत की अंतरिक्ष-आधारित सुरक्षा को मजबूत करने की एक बड़ी योजना का हिस्सा है। इन सैटेलाइट्स को अक्सर स्पेस एस400 भी कहा जाता है, क्योंकि इनका काम जमीन पर काम करने वाले एस400 डिफेंस सिस्टम जैसा ही होगा, जो मिसाइलों से सुरक्षा देता है।

यह योजना 2024 के मध्य तब शुरू हुई, जब एक पड़ोसी देश का उपग्रह इसरो के एक सैन्य उपग्रह से सिर्फ 1 किलोमीटर की दूरी तक आ गया था। इस घटना को एक क्षमता का प्रदर्शन माना गया, जिसके बाद भारत ने अपनी अंतरिक्ष सुरक्षा को लेकर तैयारी तेज कर दी। चीन के पास 930 से ज्यादा उपग्रह हैं, जबकि पाकिस्तान के पास सिर्फ आठ हैं। चीन ने पहले भी पाकिस्तान को अपने सैटेलाइट कवरेज में मदद की है। अंतरिक्ष में बढ़ती सैन्य गतिविधियों को देखकर भारत को अपने उपग्रहों की सुरक्षा बढ़ाना जरूरी हो गया है। इस योजना पर करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) खर्च होने का अनुमान है। इसके तहत 50 निगरानी उपग्रहों का एक बेड़ा तैयार किया जाएगा। इस बेड़े का पहला उपग्रह अगले साल लांच किया जा सकता है। भारत सरकार स्टार्टअप्स के साथ मिलकर लाइट डिटेक्शन एंड रेंजिंग सैटेलाइट जैसी नई तकनीकों पर भी काम करने की सोच रही है। ये सैटेलाइट्स खतरों को जल्दी पहचानकर धरती पर बैठे ऑपरेटरों को समय पर चेतावनी दे पाएंगे। इस तरह, भारत का यह कदम न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा बल्कि अंतरिक्ष में उसकी रणनीतिक ताकत को भी बढ़ाएगा, जिससे चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की चालों का मुकाबला किया जा सकेगा। सरकारी सूत्रों का कहना है कि यह नई पहल भारत की एक व्यापक सुरक्षा योजना का हिस्सा है। इसके तहत करीब 2.7 लाख करोड़ रुपये (3 अरब डॉलर) की लागत से 50 निगरानी उपग्रहों का बेड़ा तैयार किया जाएगा। इसमें से पहला उपग्रह अगले साल लांच किया जा सकता है, जो भारत की अंतरिक्ष-आधारित निगरानी क्षमताओं को और मजबूत करेगा।

गलतफहमी के चलते बढ़ा विवाद, दर्ज हुआ 5 सौ से ज्यादा लोगों के खिलाफ मुकदमा

काशीपुर/कानपुर (एजेंसी)। गलतफहमी के चलते तनाव इतना बढ़ जाता है कि उसे संभालना मुश्किल हो जाता है। इसकी बानगी उत्तर प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक दिखाई दी। यहां एक पोस्टर में लिखा था आई लव मोहम्मद। इस पर विवाद शुरु हो गया। जबकि बाद में पता चला कि पोस्टर पर आई लव मोहम्मद लिखने से आपत्ति नहीं थी, बल्कि गलत जगह पर पोस्टर लगाने से विवाद बढ़ा था।

विवाद की शुरुआत उत्तर प्रदेश के कानपुर से हुई। यहां रावतपुर के सैयद नगर मोहल्ले से इस विवाद की शुरुआत 10 सितंबर को हुई थी जो अब देश के कई हिस्सों में फैल चुकी है। दरअसल, आई लव मोहम्मद को लेकर तूफान मचा है, लेकिन विवाद के पीछे की असल कहानी कुछ और ही है। मुकदमा 'आई लव मोहम्मद' लिखने पर नहीं बल्कि इसका बोर्ड गलत जगह लगाने पर दर्ज किया गया था। कुछ लोगों ने घटनाक्रम का रंग-रूप बदल कर इसे प्रचारित कर दिया। अब एक तरफ पुलिस लोगों को समझाने-बुझाने में जुटी है तो दूसरी तरफ कुछ लोग इस मुद्दे को तूल देकर बवाल बढ़ा रहे हैं।

उत्तराखंड में आई लव मोहम्मद वाला विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। यूपी के कानपुर से आगाज के बाद उत्तराखंड के काशीपुर में यह बड़ा बवाल बन चुका है। काशीपुर में पुलिस ने तीन के खिलाफ नामजद और 500 अज्ञात पर मुकदमा किया है। यूपी, उत्तराखंड के बाद महाराष्ट्र और तेलंगाना जैसे राज्यों तक भी तनाव फैल रहा है। सवाल उठता है कि आई लव मोहम्मद जैसा नारा क्यों और कैसे विवाद और तनाव की वजह बन गया? रावतपुर के सैय्यद नगर मोहल्ले में चार सितंबर को बारावफात की सजावट में आई लव मोहम्मदका बोर्ड रास्ते पर लगा था। कुछ लोगों ने इस पर विरोध जताया। विवाद होने पर पुलिस ने बोर्ड हटवाकर कार्यक्रम स्थल के पास लगवा दिया। अगले दिन कुछ युवकों ने एक धार्मिक पोस्टर फाड़ दिया। 10 सितंबर को इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ था। लेकिन इसे आई लव मोहम्मदके खिलाफ मुकदमे के तौर पर प्रचारित किया गया और बवाल बढ़ गया। मुस्लिम समुदाय के बीच यह संदेश फैल गया कि पुलिस ने आई लव मोहम्मद का पोस्टर लगाने पर एफआईआर दर्ज की। इसके विरोध स्वरूप मुस्लिम समुदाय के लोग जुलूस निकालने लगे। इसके अलावा लोग अपनी दुकानों और घरों पर भी आई लव मोम्मद का पोस्टर चिपका रहे हैं।

ऐसा ही एक जुलूस ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में निकाला गया। यहां करीब 500 लोगों की भीड़ नारेबाजी करते हुए सड़कों पर निकल पड़ी। कोतवाली एसएसआई अनिल जोशी ने बताया कि कि मोहल्ला अल्ली खां क्षेत्र में बिना अनुमति नदीम अख्तर, अनीस गांधी, दानिश चौधरी के नेतृत्व में करीब 500 लोग जुलूस निकाल रहे थे, जिसे अल्ली खां चौराहे पर रोककर समझाने का प्रयास किया गया। लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद वहां बवाल हो गया था।

पुलिस पर भीड़ ने हमला कर दिया। दो पुलिसकर्मियों को दौड़ाकर पीटा। किसी तरह पुलिस कर्मी वहां से जान बचाकर भागे। इस दौरान पुलिस की 112 गाड़ी पर पथराव किया, जिससे शीशे टूट गए पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत सात को गिरफ्तार कर लिया है। 500 से अधिक लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 7903538992, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902